सुविचार

जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

संजू सैमसन की फॉर्म ने बढ़ाई चिंता, वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका...
» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 183 | दिनांक : शनिवार, 04 जुलाई 2026 | पन्ने- 12 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रुख बरकरार

पाकिस्तान को आतंकवाद पर दी दोटूक नसीहत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

03 जुलाई (एएम नाथ)

भारत ने आज शुक्रवार 3 जुलाई को सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने फिर कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सीमा-पार आतंकवाद को समर्थन देने की वजह से सिंधु जल संधि (IWT) पर भारत का रुख फिलहाल रुका हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, सिंधु जल संधि पर भारत का रुख एक जैसा है।

पाकिस्तान द्वारा सीमा-पार आतंकवाद को लगातार बढ़ावा देने के जवाब में इंडस वॉटर्स ट्रेटी फिलहाल रुकी हुई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से तीस्ता नदी परियोजना पर भी जवाब दिया गया है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने प्रस्तावित तीस्ता नदी परियोजना पर बांग्लादेश को अपना पक्ष पहले ही बता दिया है।

तीस्ता प्रोजेक्ट पर भारत का रुख

तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली प्रोजेक्ट पर सवालों का जवाब देते हुए, रणधीर जायसवाल ने कहा, %बांग्लादेश में प्रोजेक्ट्स के लिए भारत की विकास सहायता आपसी सहमति वाले रोडमैप पर आधारित है, जिसकी नियमित रूप से समीक्षा की जाती है। जायसवाल ने आगे कहा, तीस्ता नदी प्रोजेक्ट पर हमारी राय बांग्लादेशी पक्ष को पहले ही बता दी गई है। हम तीस्ता मुद्दे पर अपने समग्र दृष्टिकोण में सभी संबंधित घटनाक्रमों को ध्यान में रखेंगे।

विदेश मंत्रालय की तरफ से ये टिप्पणियां बांग्लादेश और चीन के बीच भारत से बहने वाली तीस्ता और अन्य सीमा-पार नदियों के प्रबंधन पर सहयोग करने पर सहमत होने के कुछ दिनों बाद आई हैं।

पाकिस्तान की गीदड़भभकी का जवाब

इस हफ्ते की शुरुआत में, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को गीदड़भभकी दी थी और नई भारत पर पानी का इस्तेमाल रणनीतिक हथियार के तौर पर करने की बात कही थी।

बिलावल ने कहा, पाकिस्तान को साफ-साफ बात करनी चाहिए। सिंधु कोई दबाव बनाने का जरिया नहीं है। सिंधु कोई मोल-भाव करने की चीज नहीं है। सिंधु कोई ऐसा हथियार नहीं है जिसे भारत के हाथों में सौंप दिया जाए।

बिलावल भुट्टो ने आगे कहा था, सिंधु पाकिस्तान की जीवन रेखा है। और इस जीवन रेखा को गले का फंदा बनाने की किसी भी कोशिश को हमारे देश के अस्तित्व के लिए खतरा माना जाना चाहिए। यही संदेश पाकिस्तान को भारत तक पहुंचाना चाहिए।

पाकिस्तान की तरफ से ऐसे बयान बार-बार सामने आ रहे हैं, लेकिन भारत का हर बार एक ही जवाब है कि पहले पाकिस्तान अपने यहां आतंकवाद खत्म करे, तभी भारत बातचीत करने के लिए तैयार होगा।

आतंकवाद रोको, फिर बात करो

रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान को सीमा-पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन भरोसेमंद और पक्के तौर पर छोड़ना होगा। भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को रोक दिया था। भारत के इस सख्त कदम के बाद ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है।

संक्षिप्त न्यूज

भारत सरकार की बड़ी कार्रवाई

Android और iOS को बैटरी मैनेजमेंट ऐप्स हटाने का निर्देश

नई दिल्ली (ब्यूरो)- केंद्र सरकार ने आज शुक्रवार को Google Android और Apple iOS को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सरकार ने एप स्टोर से सात बैटरी मैनेजमेंट एप्स हटाने का निर्देश दिया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को इन एप्स लेकर चिंता थी कि इनका इस्तेमाल ई-रिक्शा और अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को दूर से बंद करने के लिए गलत तरीके से किया जा रहा था। केंद्र सरकार का यह कदम Google और Apple को तीन चीनी बैटरी मैनेजमेंट एप्स BAT-BMS, Lossigy और Epoch-i-ion को हटाने का आदेश देने के बाद उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इन एप्स का इस्तेमाल ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के जरिए बैटरी से चलने वाले वाहनों को बंद करने के लिए किया जा रहा था।

मोहाली में विदेशी छात्रा से गैंगरेप, दो विदेशी छात्र गिरफ्तार

मोहाली (एएम नाथ)- पंजाब के मोहाली में एक विदेशी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लुधियाना की एक निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली लाइबेरियाई छात्रा ने आरोप लगाया है कि बर्थडे पार्टी में बुलाने के बाद दो विदेशी छात्रों ने उसकी नशे की हालत का फायदा उठाकर उसके साथ गैंगरेप किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने उन्हें दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान एजिकिएल और फेक के रूप में हुई है। दोनों लुधियाना की एक निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि 29 जून को एजिकिएल ने जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए उसे मोहाली बुलाया था और आने-जाने के लिए 2,000 रुपये ऑनलाइन भेजे थे। छात्रा रात करीब 12 बजे अपने दो दोस्तों के साथ मोहाली स्थित एक फ्लैट में पहुंची। पार्टी के दौरान छात्रा ने बीयर और शराब के कुछ शॉट लिए।

खाली पेट होने के कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे एक कमरे में आराम करने के लिए सुला दिया गया। आरोप है कि रात करीब तीन बजे दोनों आरोपी कमरे में पहुंचे और उसकी बेसुध हालत का फायदा उठाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता के दोस्तों ने जब उसे वापस ले जाने की कोशिश की तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। घटना के बाद 112 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्रा का मेडिकल परीक्षण करवाया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

दुश्मनों की उड़ेगी नींद, भारतीय सेना और होगी ताकतवर

सरकार ने 52 हजार करोड़ की हथियार खरीद को दी मंजूरी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

03 जुलाई (ब्यूरो)

भारतीय सेना की ताकत देखकर अब दुश्मनों की नींद और उड़ने वाली है. ये बात हम ऐसे ही नहीं कह रहे। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने सेना को नए हथियारों से लैश करने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये की हथियार खरीद को मंजूरी दे दी है। इस डील को मिली मंजूरी के बाद अब भारतीय सेना के पास और अत्याधुनिक हथियारों की खेप होगी। इस खरीद को लकेर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (DAC) की बैठक हुई। बैठक में करीब 52 हजार करोड़ रुपये की रक्षा खरीद योजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि इन खरीद से सेना, नौसेना और वायुसेना की लड़ाकू क्षमता बढ़ेगी। साथ ही बदलती सुरक्षा चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिलेगी।

सेना के लिए कई अत्याधुनिक हथियारों की मंजूरी

भारतीय सेना के लिए कई नई रक्षा प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इनमें आकाश तरंग एंटी-ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM), मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (MRSAM), वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (V-SHORADS), टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट आधारित कामिकाज़े ड्रोन सिस्टम शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आकाश तरंग सेना की विभिन्न इकाइयों को दुश्मन के ड्रोन से सुरक्षा देगा। दुश्मन के टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को निशाना बनाने में पैदल सैनिकों की क्षमता बढ़ाएगी। मध्यम दूरी से आने वाले लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई खतरों से रक्षा करेगी। आधुनिक सेंसर से लैस होगी। इससे कम दूरी के हवाई हमलों का जवाब देना और आसान होगा। टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम उनकी सुरक्षा बढ़ाएगा। वहीं जेट आधारित कामिकाज़े ड्रोन दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने के साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में भी मदद करेंगे।

पिताश्री के 101वें जन्मदिवस पर जेपी नड्डा ने लिया आशीर्वाद

संस्कार और आदर्श ही मेरी सबसे बड़ी पूंजीः जेपी नड्डा

डॉ. नारायण लाल नड्डा के जन्मोत्सव पर भावुक हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

03 जुलाई (एएम नाथ)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को अपने पूज्य पिताश्री डॉ. नारायण लाल नड्डा के 101वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके साथ स्नेहिल क्षण बिताए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने पिता के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में पिता का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद सबसे बड़ी शक्ति रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि पिता का स्नेह और मार्गदर्शन जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है। उनके दिए हुए संस्कार, आदर्श और जीवन मूल्य ही व्यक्ति को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिताश्री द्वारा दिए गए संस्कार और शिक्षाएं आज भी उनके जीवन और सार्वजनिक कार्यों में प्रेरणा का स्रोत हैं।

केंद्रीय मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जन्मदिवस के अवसर पर पिताश्री के साथ बिताया गया प्रत्येक क्षण उनके लिए ऊर्जा, प्रेरणा और भावनात्मक संबल लेकर आया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि डॉ. नारायण लाल नड्डा को उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीर्घायु प्रदान करें तथा उनका स्नेहिल आशीर्वाद सदैव परिवार और समाज पर बना रहे।

गौरतलब है कि जेपी नड्डा समय-समय पर अपने पारिवारिक मूल्यों और माता-पिता से मिले संस्कारों का उल्लेख करते रहे हैं। पिताश्री के 101वें जन्मदिवस पर व्यक्त किया गया उनका यह भावनात्मक संदेश लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

हरोली बना हिमाचल का पहला पूर्ण CCTV निगरानी वाला विधानसभा क्षेत्र

डिप्टी CM ने लॉन्च किया आईना सिस्टम

» प्रथम न्यूज । ऊना

03 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले का हरोली विधानसभा क्षेत्र राज्य का पहला पूर्ण सीसीटीवी निगरानी वाला विधानसभा क्षेत्र बन गया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को 5.50 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर %आईना% का लोकार्पण किया। मिनी सचिवालय स्थित डीएसपी कार्यालय में स्थापित यह सेंटर स्मार्ट और तकनीक आधारित पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली में अब अपराध की नीयत से आने वाला कोई भी व्यक्ति कानून की नजर से बच नहीं सकेगा। विधानसभा क्षेत्र के 60 महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए 195 हाई-रिजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे चौबीसों घंटे निगरानी करेंगे। अपराध में प्रयुक्त या संदिग्ध वाहन क्षेत्र में प्रवेश करते ही कमांड सेंटर को स्वतः अलर्ट मिलेगा, जिससे पुलिस तुरंत कार्रवाई कर सकेगी।

उन्होंने बताया कि आईना हिमाचल प्रदेश की पहली पूर्णतः वायरलेस कमांड एंड कंट्रोल प्रणाली है। सेंटर में लगी 19 बड़ी एलईडी वीडियो वॉल के माध्यम से पूरे क्षेत्र की लाइव मॉनिटरिंग होगी। यह सिस्टम तीन महीने तक डेटा सुरक्षित रखने में सक्षम है और किसी प्रकार की छेड़छाड़ होने की स्थिति में भी आठ घंटे तक का डेटा सुरक्षित रहेगा।

यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से सात इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ढ्ढञ्जरूस्) भी स्थापित किए गए हैं। इनके जरिए ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग और सीट बेल्ट न लगाने जैसी यातायात नियमों की उल्लंघन की घटनाओं पर प्रभावी निगरानी रखी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने बताया कि हरोली में एसडीएम कार्यालय, विभिन्न सरकारी सेवाओं और वाहन पंजीकरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे लोगों को अन्य शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

उन्होंने घोषणा की कि अगले कुछ दिनों में हरोली बस डिपो शुरू कर दिया जाएगा। यहां से दिल्ली, चंडीगढ़, शिमला और एम्स बिलासपुर सहित कई प्रमुख शहरों के लिए नियमित बस सेवाएं शुरू होंगी। साथ ही टाहलीवाल में नए पुलिस थाना भवन का निर्माण भी जल्द शुरू किया जाएगा।

पीएम एक लाख करोड़ से ज्यादा की योजनाओं की सौगात देंगे

4 जुलाई को राजस्थान और गुजरात का दौरा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

03 जुलाई (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को राजस्थान और गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे और करीब 1.06 लाख करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, सुबह लगभग 10ः45 बजे प्रधानमंत्री जोधपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे और जोधपुर में मॉडिफाइड यूडीएएन स्कीम लॉन्च करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12ः15 बजे वे बालोतरा जाएंगे और करीब 1.06 लाख करोड़ रुपए के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे। इस मौके पर वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गुजरात जाएंगे। शाम करीब 4ः30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के साणंद में सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर वे लोगों को संबोधित भी करेंगे।

रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स समर्पित करेंगे

प्रधानमंत्री बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं में पेट्रोकेमिकल्स, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़कें, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली ट्रांसमिशन जैसे कई सेक्टर शामिल हैं। प्रधानमंत्री बालोतरा के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को देश को समर्पित करेंगे। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान सरकार के जॉइंट वेंचर के तौर पर विकसित 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाले इस कॉम्प्लेक्स को 79450 करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश से बनाया गया है। इस प्रोजेक्ट से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, पेट्रोकेमिकल के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और औद्योगिक विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

जोधपुर में मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे

एविएशन सेक्टर को बड़ा बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री जोधपुर में मॉडिफाइड उड़ान स्कीम लॉन्च करेंगे। अगले 10 सालों में 28840 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इस योजना का उद्देश्य एविएशन-आधारित विकास के अगले चरण में तेजी लाना है। इस योजना का मुख्य जोर देश भर में एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जोधपुर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन भी करेंगे। 480 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 23000 वर्ग मीटर से ज्यादा इलाके में फैली इस नई टर्मिनल बिल्डिंग को हर साल 20 लाख यात्रियों की सुविधा के हिसाब से डिजाइन किया गया है। जोधपुर एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग के उद्घाटन से इस इलाके में टूरिज्म, व्यापार और रोजगार के मौकों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

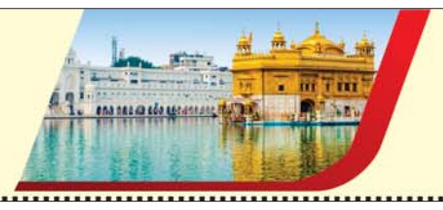

पंजाब कांग्रेस में टूट की आहट

अमित शाह के दरबार पहुंचे रंधावा, इधर वड़िंग से खफा चन्नी ने बुलाई 25 नेताओं की इमरजेंसी मीटिंग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
03 जुलाई (ब्यूरो)

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची हलचल के बाद अब पंजाब में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के अंदर एक बड़ी टूट के आसार नजर आ रहे हैं। राज्य में फरवरी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी के भीतर बगावत का बिगुल बज चुका है। एक तरफ जहां कांग्रेस के दिग्गज नेता और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से गुपचुप मुलाकात कर सियासी पारा चढ़ा दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने भी पार्टी हाईकमान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

अमित शाह से रंधावा की गुप्त मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल

पंजाब की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गुरदासपुर के कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा अचानक गुपचुप तरीके से दिल्ली पहुंच गए। दिल्ली में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से एक अहम मुलाकात की है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह रही कि इस मुलाकात के दौरान रंधावा भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ के साथ नजर आए। कांग्रेस सांसद की भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार के साथ हुई इस गुप्त बैठक के बाद से ही पंजाब के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि रंधावा जल्द ही कांग्रेस का हाथ छोड़कर कोई बड़ा सियासी कदम उठा सकते हैं।

राजा वड़िंग को दोबारा कमान मिलने से भड़के चन्नी, खोला मोर्चा

कांग्रेस आलाकमान ने हाल ही में लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PPCC) के अध्यक्ष पद पर बरकरार रखने का फैसला किया है। हाईकमान के इस फैसले से राज्य के कई वरिष्ठ नेताओं में भारी नाराजगी है। प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर अपनी दावेदारी मजबूत मान रहे पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी इस फैसले से खासे आहत बताए जा रहे हैं। राजा वड़िंग को दोबारा कमान सौंपे जाने के विरोध में चन्नी ने अब खुलकर बगावती तेवर अपना लिए हैं और अपने घर पर नेताओं का जमावड़ा बुलाकर हाईकमान को अपनी ताकत का अहसास कराना शुरू कर दिया है।

मोरिंडा में चन्नी का शक्ति प्रदर्शन, विधायकों समेत 25 दिग्गज पहुंचे

नाराज चल रहे पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने मोरिंडा स्थित आवास पर कांग्रेस नेताओं की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई, जिसे राजनीतिक जानकार उनका शक्ति प्रदर्शन मान रहे हैं। चन्नी के इस बुलावे पर कांग्रेस के तीन मौजूदा विधायकों समेत करीब 25 वरिष्ठ नेता उनके घर पहुंचे, और नेताओं के आने का सिलसिला अभी भी लगातार जारी है। इस अहम बैठक में शामिल होने वालों में विधायक तृप्त राजिंदर बाजवा, बरनाला के विधायक काला ढिल्लों, कपूरथला के विधायक राणा गुरजीत, पूर्व डिप्टी सीएम ओपी सोनी, पूर्व मंत्री भारत भूषण आशू और गुरकीरत कोटली जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

इसके अलावा पूर्व विधायक गुरप्रीत कांगड़, नाजर सिंह मानशाहिया, परमिंदर सिंह पिंकी, दविंदर सिंह घुबाया, इंद्रबीर सिंह बुलारिया, लखबीर लखखा, तरसेम डीसी, दर्शन बराड़, हरमिंदर सिंह गिल, मदनलाल जलालपुर, यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बरिंदर ढिल्लो, कमलजीत कड़वल, पूर्व सांसद मोहम्मद सदीक और दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह भी चन्नी के आवास पर पहुंचे हैं। इतने बड़े पैमाने पर नेताओं के जुटने से पंजाब कांग्रेस में एक बड़े विभाजन की संभावना गहरी हो गई है।

संक्षिप्त न्यूज

मिशन 2027 को लेकर बब्बरी नंगल में जुटे कार्यकर्ता, कश्मीर सिंह वाहला ने दिया जीत का मंत्र

मेरा निर्वाचन क्षेत्र, मेरा परिवार अभियान के तहत संगठन विस्तार पर जोर

गुरदासपुर (ब्यूरो)- आम आदमी पार्टी के मेरा निर्वाचन क्षेत्र, मेरा परिवार-मिशन 2027 अभियान के तहत गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र के सेवादार (प्रतिनिधि), पूर्व जिला प्रभारी एवं पीएसआईडीसी के निदेशक कश्मीर सिंह वाहला ने गांव बब्बरी नंगल का दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरा। इस अवसर पर उन्होंने ब्लॉक अध्यक्ष हितपाल के आवास पर आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।कश्मीर सिंह वाहला ने कहा कि मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और जनता के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर पहुंचकर सरकार की जनहितैषी नीतियों और विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेरा निर्वाचन क्षेत्र, मेरा परिवार अभियान के माध्यम से क्षेत्र के हर परिवार से जुड़कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझा जा रहा है। बैठक में संगठन विस्तार, युवा भागीदारी बढ़ाने और जनाधार मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने भी मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लिया। वाहला ने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के सहयोग से पार्टी गुरदासपुर में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

कुर्सी की लड़ाई में उलझी कांग्रेस, पंजाब के मुद्दे पूरी तरह गायब : अक्षय शर्मा

चन्नी के घर हुई बैठक पर भाजपा नेता का कटाक्ष जो अपनी पार्टी नहीं संभाल पा रहे, वे पंजाब को क्या संभालेंगे

अमृतसर (साहिब दयाल) अमृतसर उत्तरी विधानसभा से भाजपा नेता अक्षय शर्मा ने पंजाब कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के आवास पर हुई बैठक से पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को लगातार पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी दो धड़ों में बंट चुकी है। अक्षय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता एक ओर पंजाब में सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर मुख्यमंत्री की कुर्सी और नेतृत्व की दौड़ में उलझे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरी खींचतान में पंजाब के असली मुद्दे और जनता का एजेंडा पूरी तरह गायब हो गया है। शर्मा ने कहा, जो नेता अपनी पार्टी को एकजुट नहीं रख पा रहे, वे पंजाब को कैसे संभालेंगे? कांग्रेस आज नेतृत्व संकट और आपसी गुटबाजी से घिरी हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब की जनता विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और नशे जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है, लेकिन कांग्रेस इन मुद्दों की बजाय आंतरिक राजनीति में उलझी हुई है। शर्मा ने दावा किया कि यही कारण है कि प्रदेश की जनता का कांग्रेस पर से लगातार भरोसा कम होता जा रहा है। अक्षय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में हमेशा से ही कुर्सी की खींचतान चलती आ रही है इसीलिए देश में बीजेपी को समर्थन मिलता जा रहा है वहीं अब पंजाब निवासियों को भी समझ आ गया है कि पंजाब की भलाई के लिए बीजेपी इकलौती पार्टी है इसीलिए 2027 में इस पर मुहर लगाकर लोग पंजाब को फिर तरक्की की राह पर चलाएंगे।

पंजाब की धरती बिकने नहीं देंगे, किसान की एक इंच जमीन छिनने नहीं देंगे : अशोक सरीन हिक्की

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री राज्यसभा सांसद तरुण चुग से मिले अशोक सरीन हिक्की

» प्रथम न्यूज । जालंधर
03 जुलाई (शैली अल्बर्ट)

राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग से भाजपा के जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने मिलने के बाद पंजाब सरकार की लैंड पुलिंग पॉलिसी 2026 पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह नीति विकास नहीं, बल्कि पंजाब के किसानों की पुश्तैनी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश है। आम आदमी पार्टी ने पहले पंजाब को नशे, गैंगस्टर राज, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की आग में झोंका, अब किसानों की जमीन पर भी नजर डाल दी है।

अशोक सरीन हिक्की ने कहा, भगवंत मान सरकार सुन ले, पंजाब का किसान अपनी जमीन किसी कीमत पर नहीं छोड़ेगा। यह जमीन हमारे पूर्वजों की विरासत है, इसे किसी बिल्डर, किसी दलाल या किसी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ने देंगे। उन्होंने कहा कि आज पंजाब का किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। चुनावों में किसानों के नाम पर वोट लेने वाली आम आदमी पार्टी अब किसानों के अधिकारों पर ही हमला कर रही है। यदि यह नीति किसानों के हित में है तो सरकार बताए कि किसान संगठनों और गांवों से खुली सहमति क्यों नहीं ली गई? अशोक सरीन हिक्की ने जालंधर कैंट विधानसभा समेत आसपास के कुक्कड़ पिंड, कोट खुर्द,जंडियाला, नंगल करार खान, धालीवाल, कोट कलां, परागपुर, काला बकरा, नाहल, लिद्दड़ां, खांबड़ा, कंगनीवाल, बड़िंग, दकोहा तथा पूरे क्षेत्र के किसानों से आह्वान करते हुए कहा यह किसी एक गांव की नहीं, पूरे पंजाब की लड़ाई है। आज यदि हम नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। आइए, अपनी धरती, अपने खेत और अपने अधिकार बचाने के लिए एकजुट हों।उन्होंने कहा कि भाजपा हर गांव, हर किसान और हर खेत के साथ मजबूती से खड़ी है। यदि सरकार ने किसानों की आवाज दबाने का प्रयास किया तो भाजपा गांव-गांव जनजागरण करेगी और लोकतांत्रिक तरीके से इस नीति का पुरजोर विरोध करेगी।अंत में अशोक सरीन हिक्की ने कहा यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, पंजाब की अस्मिता, किसान के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की है। भाजपा का संकल्प है-न किसान झुकेगा, न खेत बिकेगा, न पंजाब की धरती लुटने देंगे। हम किसानों की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए हर लोकतांत्रिक मंच पर संघर्ष करेंगे।

जंगलात विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से बहोड़ू पुल की नहर के किनारों से पेड़ काटने का सिलसिला जारी

उच्च अधिकारी नहर किनारों की रक्षा में कर रहे अनदेखी

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
03 जुलाई (साहिब दयाल)

वन विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत से बहोड़ू पुल से कोट मित सिंह रोड और झब्बाल रोड रस्ते को जाती नहर के किनारों से हरे-भरे पेड़ काटने का सिलसिला जारी है। उच्च अधिकारियों के ध्यान में मामला लाए जाने के बावजूद यह रुक नहीं रहा है। सूत्रों ने बताया कि हर दिन क्विंटल के हिसाब से लकड़ी जड़ के ऊपरी हिस्से से काटकर बेची जा रही है। पेड़ों को चुपके से जड़ से काटा जा रहा है। वन विभाग को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। गौरतलब है कि वन विभाग का काम नए पेड़ लगाकर जंगल को हरा-भरा रखना और पर्यावरण की रक्षा व शुद्धता सुनिश्चित करना है। हैरानी की बात है कि इस गंभीर अपराध और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत आपराधिक मामले की जानकारी अधिकारियों को खबरों के माध्यम से दिए जाने के बावजूद, इस पर कोई बड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। यह मामला संदिग्ध है और कई बातें उजागर कर रहा है। जब इस मामले के संबंध में वन रेंज आफिसर सुखविंदर सिंह से बात करनी चाही तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। यहां यह बताना भी जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति सरकारी पेड़ों को अवैध रूप से काटकर बेचता है, तो उस पर इंडियन फॉरेस्ट एक्ट 1927 और फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट 1980 लागू होते हैं। इसके तहत रिपोर्ट दर्ज की जाती है और मामला अदालत में भेजा जाता है, जिसमें छह महीने से लेकर सात साल तक की जेल और भारी जुर्माना भी हो सकता है। नहर किनारों की रक्षा पर वन रेंज अधिकारी केवल दिखावे का काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों और पंजाब के वन मंत्री से अपील और मांग की है कि अधिकारियों की कथित मिलीभगत से नहर के किनारे से पेड़ों की अवैध कटाई और उनकी लकड़ी को पास के गांवों की आरा मशीनों को बेचे जाने को रोका जाए और नहर के किनारे नए पेड़ लगाए जाएं ताकि उन्हें हरा-भरा बनाया जा सके और प्रदूषित पर्यावरण को बचाया जा सके।

खालसा कॉलेज माहिलपुर में भांगड़ा प्रशिक्षण शिविर संपन्न, शिक्षार्थियों को किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर/ माहिलपुर
03 जुलाई (तरसेम दीवाना)

क्षेत्र के प्रतिष्ठित श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज, माहिलपुर में प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह के नेतृत्व और भांगड़ा टीम के संयोजक प्रो. मनप्रीत सेठी की देखरेख में आयोजित 20 दिवसीय भांगड़ा प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हो गया। शिविर के आखिरी दिन भाग लेने वाले सभी शिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान भांगड़ा सिखाने के लिए कोच राजिंदर कुमार ने विशेष सेवाएं निभाईं। वहीं शिविर की सफलता में कॉलेज की भांगड़ा टीम के पूर्व छात्रों खुशवंत सिंह बैंस, हरलीन राय और शरनदीप सिंह झूटी ने भी विशेष योगदान दिया।

हर आयु वर्ग के लोगों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में हर आयु वर्ग के व्यक्तियों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूल-कॉलेज के बच्चों ने बेहद उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने आगे बताया कि सुबह और शाम के सत्रों में आयोजित इस शिविर के दौरान उस्ताद राजिंदर कुमार ने शिक्षार्थियों को इस पारंपरिक लोक नृत्य की प्रस्तुति के विभिन्न पहलुओं और बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस समापन समारोह के अवसर पर इंजीनियर तरलोचन सिंह संधू ने विशेष रूप से शिरकत की और कॉलेज प्रबंधकों द्वारा लगाए गए इस रचनात्मक शिविर की जमकर सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा भांगड़ा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

श्रीमती आशा धीर की रस्म पगड़ी 6 जुलाई को श्री देवी तालाब मंदिर में होगी

जालंधर, 3 जुलाई (महेश रहेजा) : शहर की सम्मानित महिला और जालंधर के मेयर विनीत धीर की माता जी श्रीमती आशा धीर के निधन उपरांत उनकी आत्मिक शांति के लिए रस्म पगड़ी का आयोजन 6 जुलाई 2026 (सोमवार) को श्री देवी तालाब मंदिर, टांडा रोड, जालंधर में किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक आयोजित होगा।

स्वर्गीय श्रीमती आशा धीर, स्वर्गीय श्री विनोद कुमार धीर की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने 24 जून 2026 को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर प्रभु चरणों में विलीन हो गईं। शोक संतप्त परिवार ने सभी रिश्तेदारों, मित्रों एवं शुभचिंतकों से विनम्र आग्रह किया है कि वे रस्म पगड़ी में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

रेड क्रॉस कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान कैंप में 27 यूनिट रक्त एकत्रित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
03 जुलाई (संदीप सन्नी)

डिप्टी कमिश्नर-कम-अध्यक्ष, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, गुरदासपुर आदित्य उप्पल के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए जिला रेड क्रॉस सोसाइटी और विलिंग टू सर्व सोसाइटी के साझा सहयोग से रेड क्रॉस कार्यालय में एक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्य का विधिवत उद्घाटन कुलदीप चंद, सहायक कमिश्नर (जनरल), गुरदासपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए सहायक कमिश्नर कुलदीप चंद ने कहा कि रक्तदान एक बेहद महान और पुण्य का कार्य है और इस सेवा को करने वाला व्यक्ति भी समाज में महान स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा दान की गई रक्त की एक-एक बूंद बेहद कीमती है और एक बोतल खून से कई इंसानी जानें बचाई जा सकती हैं।

रक्तदाताओं से मिलकर जाना युवाओं का उत्साह : शिविर के दौरान सहायक कमिश्नर ने स्वयं रक्तदाताओं के पास जाकर उनके साथ बातचीत की। उन्होंने विशेष रूप से नोट किया कि जिला गुरदासपुर के युवाओं में रक्तदान करने की भारी इच्छा और उत्साह है। रक्तदान करते समय युवा बेहद गौरवान्वित और गर्व महसूस कर रहे थे।

बिना किसी देरी के जरूरतमंदों को मिलेगी मदद : राजीव सिंह

इस मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजीव सिंह ने समूह जिला वासियों से पुरजोर अपील की कि रेड क्रॉस द्वारा शुरू की गई इस स्वैच्छिक रक्तदान मुहिम में आम जनता बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य रक्त बैंक में पर्याप्त रक्त सुनिश्चित करना है, ताकि जब भी किसी दुर्घटनाग्रस्त या बीमार व्यक्ति को आपातकाल में खून की जरूरत पड़े, तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिना किसी देरी के मौके पर ही उसकी तत्काल मदद की जा सके।

करीब 27 लोगों ने किया रक्तदान; यह रहे उपस्थित : इस चल रहे स्वैच्छिक शिविर में गाँव बब्बेहाली की रहने वाली कुमारी विशाली ने विशेष रूप से पहुँचकर रक्तदान किया। पूरे कैंप के दौरान कुल 27 के करीब व्यक्तियों द्वारा अपना खून दान किया गया। इस मानवीय और सामाजिक समागम के अवसर पर राजीव सिंह (सचिव रेड क्रॉस सोसाइटी), स्वास्थ्य विभाग की ओर से ब्लड बैंक की बीटीओ डॉ. पूजा, संदीप सिंह बोपाराए, गाँव बब्बेहाली से आशु कुमार और स्वास्थ्य विभाग की विशेष तकनीकी टीम के सदस्यों के अलावा रेड क्रॉस सोसाइटी का समूह स्टाफ व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क की अध्यक्षता में 'नशा मुक्ति मोर्चा' की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

नशा तस्करों के खिलाफ कोई ढील नहीं; अब तक 67,027 नौकरियां और 3,000 खेल स्टेडियमों का निर्माण जारी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
03 जुलाई (संदीप सन्नी)

राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए शुरू की गई युद्ध नशे विरुद्ध मुहिम के तहत लगातार कारगर और सफल प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नशा मुक्ति मोर्चा की टीम द्वारा जमीनी स्तर पर किया जा रहा कार्य बेहद सराहनीय है। यह बात पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने दीनानगर के एस.एस.एम. कॉलेज में आयोजित नशा मुक्ति मोर्चा की जिला स्तरीय रिव्यूबैठक के दौरान कही। इस महत्वपूर्ण बैठक में डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर आदित्य उप्पल, एसएसपी गुरदासपुर आदित्य, एसएसपी बटाला डॉ. मेहताब सिंह, हलका प्रभारी दीनानगर शमशेर सिंह और एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (विकास) गुरप्रीत सिंह गिल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों का मुफ्त इलाज : विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए नशा मुक्ति मोर्चा के हल्का प्रभारियों, कोऑर्डिनेटरों और ब्लॉक प्रभारियों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कटारूचक्क ने कहा कि आप सभी पंजाब के सच्चे वारिस हैं, जो नशे जैसी नामुराद बीमारी को खत्म करने के लिए दिन-रात जमीनी स्तर पर डटे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा

जीरो टॉलरेंस नीति : पंजाब सरकार नशा तस्करों के खिलाफ बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है और उनके साथ किसी भी प्रकार की ढील या रियायत नहीं बरती जाएगी। इस मुहिम के तहत अब तक हजारों तस्करों को गिरफ्तार कर उन पर एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

मुफ्त इलाज और पुनर्वास : सरकार केवल तस्करों पर ही कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि नशे की दलदल में फंसे पीड़ितों का नशा छुड़ाऊ केंद्रों में पूरी तरह मुफ्त इलाज करवाकर उनके पुनर्वास के लिए भी वचनबद्ध है।

रंगला पंजाब बनाने के लिए रोजगार और खेलों को बढ़ावा : कैबिनेट मंत्री ने युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के सरकार के प्रयासों को साझा करते हुए बताया कि राज्य में युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए बड़े स्तर पर खेल प्लेटफॉर्म तैयार किए जा रहे हैं, जिसके तहत सूबे में करीब 3,000 खेल स्टेडियमों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार मुहैया करवाते हुए अब तक सरकार द्वारा 67,027 सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। पिछले साढ़े चार वर्षों में पंजाब सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने दिए कड़े संदेश : डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने जिले में युद्ध नशे विरुद्ध अभियान को जनता के भरपूर सहयोग से चलाया जा रहा है। इस बैठक का मुख्य मकसद भी यही है कि आपसी तालमेल को और मजबूत कर इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके।

एसएसपी गुरदासपुर आदित्य : गुरदासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ पूर्ण रूप से जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। नशे का अवैध कारोबार करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

एसएसपी बटाला डॉ. मेहताब सिंह : पुलिस प्रशासन नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के साथ-साथ भटके हुए युवाओं को इलाज के लिए अस्पतालों और नशा मुक्ति केंद्रों तक पहुँचाने में मदद कर रहा है।

बैठक में ये सभी रहे उपस्थित - इस समीक्षा बैठक में नशा मुक्ति मोर्चा के जोन प्रभारी रोहित सियाल, जिला अध्यक्ष (आप) जोबन रंधावा, आरटीए जोबनजीत कौर, जिला कोऑर्डिनेटर-1 डॉ. अर्शदीप सिंह, जिला कोऑर्डिनेटर-2 अनमोलजोत सिंह रंधावा, सभी डीएसपी, एस.एस.एम कॉलेज दीनानगर के प्रिंसिपल आर.के. तुली, हलका कोऑर्डिनेटर नीरज सल्होत्रा, मनजीत सिंह बमराह सहित सभी विधानसभा क्षेत्रों के कोऑर्डिनेटर, वाइस-कोऑर्डिनेटर और ब्लॉक वाइस-कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे, जिन्होंने जमीनी स्तर की फीडबैक प्रशासन के साथ साझा की।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

भटियात में स्वास्थ्य, परिवहन और सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल, जनआंदोलन की चेतावनी

चुवाड़ी/चंबा (एएम नाथ) : भटियात क्षेत्र में स्वास्थ्य, परिवहन और सफाई व्यवस्था को लेकर समाजसेवी संस्थाओं ने सरकार और संबंधित विभागों के खिलाफ आवाज बुलंद की है। संस्थाओं का आरोप है कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे आम लोगों को रोजमर्रा की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन और सरकार से समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

समाजसेवी संगठनों ने सबसे पहले हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि पठानकोट-दादरियाडा बस सेवा को निर्धारित रूट तक संचालित नहीं किया जा रहा है, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कई रूटों पर पुरानी और जर्जर बसें चलाई जा रही हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

संगठनों ने बताया कि चुवाड़ी से होवार रूट पर शाम साढ़े पांच बजे के बाद कोई बस सेवा उपलब्ध नहीं होती, जबकि इस मार्ग से छह से सात पंचायतों के लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस रूट पर चलने वाली अंतिम बस करीब 40 वर्ष पुरानी है। वहीं साढ़े पांच बजे के बाद चुवाड़ी में अन्य रूटों की चार-पांच बसें पहुंचती हैं, लेकिन होवार क्षेत्र के लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों को घर पहुंचने के लिए महंगी टैक्सी सेवाओं का सहारा लेना पड़ता है। लोगों ने आरएम चम्बा से शाम साढ़े छह या सात बजे के आसपास अतिरिक्त बस सेवा शुरू करने की मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी संस्थाओं ने चिंता जताई। उनका कहना है कि चुवाड़ी सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। कई मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। संस्थाओं ने अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। नगर पंचायत चुवाड़ी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। संस्थाओं का आरोप है कि लोगों से नियमित रूप से सफाई कर और अन्य शुल्क वसूले जाते हैं, लेकिन सफाई व्यवस्था अपेक्षित स्तर की नहीं है। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता और कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था में सुधार की मांग की। हालांकि, संगठनों ने भटियात के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पाठनिया पर भरोसा जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। संस्थाओं ने जनता से भी जागरूक होकर जनहित के मुद्दों पर एकजुट होने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

सहकारिता सप्ताह पर बिलासपुर में होगी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विजेताओं को मिलेंगे 3100 तक के नकद पुरस्कार

बिलासपुर(जितेंद्र गौतम)- हिमकोफेड निदेशक आशीष ठाकुर ने बताया कि सहकारिता सप्ताह के उपलक्ष्य पर हिमकोफेड विभाग के द्वारा 4 जुलाई 2026 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र बिलासपुर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 3100,द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 2100 व तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी को 1100 रुपये की नगद राशि प्रदान की जाएगी उन्होंने बताया कि जूनियर और सीनियर विंग की अलग अलग प्रतियोगिताएं होंगी,उन्होंने छात्रों से अपील की है कि भारी संख्या में प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लें.

स्वीकृत करुणामूलक मामलों को एक माह के भीतर नियुक्ति पत्र जारी करे सरकार : करुणामूलक संघ

बंगाणा, (जोगिंद्र देव आर्य) - करुणामूलक परिवारों के लिए सरकार द्वारा आए दिन नई-नई अधिसूचनाएं जारी की जा रही हैं, लेकिन धरातल पर अभी तक इन आश्रित परिवारों के लिए कोई ठोस कार्य नहीं हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार, मीडिया प्रभारी गगन कुमार और राज्य आईटी सेल गुलशन कुमार ने कहा कि सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा इन परिवारों के लिए कई कमेटियां गठित की गईं। पहले शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई और अब मल्टी टास्क कमेटी की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री को दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या करुणामूलक परिवार केवल कमेटियों तक ही सीमित रहेंगे या सरकार धरातल पर भी कार्य करेगी।

उन्होंने बताया कि पहली कमेटी ने करीब दो वर्षों तक इस मामले पर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं दिया। लगातार संघर्ष और मुख्यमंत्री से मुलाकातों के बाद कमेटी ने करुणामूलक नीति के तहत वार्षिक आय सीमा ढाई लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये करने की सिफारिश की, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सके।

इसके बाद सरकार ने तीन लाख रुपये वार्षिक आय सीमा वाले पात्र आश्रितों के लिए अधिसूचना जारी कर सभी विभागों, बोर्डों, निगमों और विश्वविद्यालयों से 31 दिसंबर 2025 तक पात्र मामलों का ब्यौरा सचिव स्तर पर मांगा। सभी विभागों ने समय पर रिपोर्ट भेज दी, जिसमें लगभग 1300 आश्रित पात्र पाए गए। संघ का कहना है कि विभागीय कमेटियों से स्वीकृत होकर सरकार की सभी शर्तें पूरी कर चुके इन 1300 मामलों की फाइलें वित्त एवं सचिव स्तर पर लंबित हैं। सरकार स्पष्ट करे कि इन पात्र आश्रितों को नियुक्तियां कब दी जाएंगी। संघ ने हाल ही में अधिक आय के कारण 62,500 रुपये आय सीमा के तहत अस्वीकृत मामलों पर पुनर्विचार करने संबंधी अधिसूचना का स्वागत किया और सरकार का धन्यवाद भी किया। साथ ही मांग की कि 31 दिसंबर 2025 की अधिसूचना के तहत स्वीकृत सभी मामलों को एक माह के भीतर नियुक्ति पत्र जारी किए जाएं तथा चतुर्थ श्रेणी भर्ती नीति को भी शीघ्र सार्वजनिक किया जाए।

NH-5 बंद, कई वाहन क्षतिग्रस्त, सड़कों पर लंबा जाम... हिमाचल के किन्नौर में भारी बारिश से तबाही

» प्रथम न्यूज । शिमला
03 जुलाई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ते ही तबाही मचानी शुरू कर दी है। जनजातीय जिला किन्नौर में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ ने राष्ट्रीय उच्च मार्ग-5 (एनएच-5) को पूरी तरह बंद कर दिया। वहीं लाहौल-स्पीति में उफनते जाहलमा नाले के कारण एक मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए बैकहो लोडर का सहारा लेना पड़ा।

किन्नौर के चोलिंग क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ अपने साथ भारी मात्रा में मलबा और दलदल लेकर आई, जिससे एनएच-5 पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। सड़क पर चल रहे कई वाहन मलबे में फंस गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया। उपायुक्त (डीसी) डॉ. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि चोलिंग के पास सड़क से मलबा हटाने और फंसे वाहनों को निकालने के लिए भारी मशीनरी तैनात कर दी गई है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां राष्ट्रीय राजमार्ग को जल्द से जल्द यातायात के लिए बहाल करने में जुटी हैं।

उधर, लाहौल-स्पीति जिले में जाहलमा नाले में आई बाढ़ के कारण लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। नाले पर बना पुल पहले ही क्षतिग्रस्त था और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा बनाई गई अस्थायी पुलिया भी तेज बहाव में बह गई। इसके चलते उदयपुर उपमंडल और पांगी घाटी का संपर्क प्रभावित हो गया।

इसी बीच उदयपुर उपमंडल के शेनुर गांव की रहने वाली शांति देवी को सीने में संक्रमण और सांस लेने में तकलीफ होने पर कुल्लू रेफर किया गया। जब एंबुलेंस जाहलमा नाले के पास पहुंची तो तेज बहाव के कारण आगे बढ़ना संभव नहीं था।

ऐसे में बीआरओ और पुलिस के जवानों ने साहस का परिचय देते हुए मरीज को स्ट्रेचर सहित बैकहो लोडर की मदद से उफनता नाला पार कराया। दूसरी ओर पहुंचने के बाद उन्हें एंबुलेंस के जरिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू भेजा गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

बीआरओ ने गुरुवार सुबह नाले पर अस्थायी पुल बनाकर यातायात आंशिक रूप से बहाल कर दिया। उल्लेखनीय है कि मई में भूस्खलन के कारण जाहलमा पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद नए पुल का निर्माण कार्य जारी है। स्थानीय विधायक अनुराधा राणा ने उम्मीद जताई है कि इस महीने के अंत तक नया पुल तैयार हो जाएगा।

मणिमहेश यात्रा-2026 की तैयारियों की समीक्षा, सभी विभागों को समयबद्ध कार्य पूरे करने के निर्देश

मणिमहेश यात्रा में पंजीकरण रहेगा अनिवार्य, सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष जोर

चंबा (एएम नाथ)- श्री मणिमहेश यात्रा-2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र चंबा में मंडलायुक्त कांगड़ा मंडल संदीप कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

मंडलायुक्त ने कहा कि श्री मणिमहेश यात्रा हिमाचल प्रदेश की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में से एक है, जिसमें देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक तैयारियां पूरी करें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण अनिवार्य रहेगा। पंजीकरण शुल्क संबंधी निर्णय शीघ्र लिया जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन को यातायात, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि परिक्रमा मार्ग पर केवल अधिकृत एवं प्रशिक्षित गाइड के साथ ही श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति होगी। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता, बिजली, अस्थायी शौचालय, विश्राम स्थलों तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। लोक निर्माण विभाग और वन विभाग को यात्रा मार्गों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पुलियों के पुनर्निर्माण तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की निगरानी समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल ने बताया कि जिला प्रशासन यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कर रहा है। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

होमगार्ड जवानों के भविष्य और सामाजिक सुरक्षा पर उठे सवाल, समान सुविधाओं की मांग तेज

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
03 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष जोगिंदर सिंह चौबिया ने प्रदेश के हजारों होमगार्ड जवानों के भविष्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन से जुड़े मुद्दों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के हितों के लिए समय-समय पर अनेक नीतियां बनाई हैं, लेकिन होमगार्ड जवान आज भी कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

चौबिया ने कहा कि होमगार्ड जवान दिन-रात प्रदेश के सभी जिलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, चुनाव ड्यूटी, आपदा प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों और जनसेवा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उनके भविष्य, सामाजिक सुरक्षा

और आर्थिक स्थिरता को लेकर कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। उन्होंने सरकार के एकपक्षीय निर्णयों का विरोध करते हुए कहा कि होमगार्ड जवान भी प्रदेश के नागरिक हैं और अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हैं। ऐसे में उन्हें भी ईपीएफ, बीमा, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वित्तीय लाभ समान रूप से दिए जाने चाहिए। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा गृह विभाग से मांग की है कि होमगार्ड जवानों के लिए बेहतर सेवा शर्तें, उचित मानदेय, ईपीएफ, बीमा, पेंशन और कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षों तक राज्य और समाज की सेवा करने वाले जवान सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं। चौबिया ने सरकार से अपील की कि वह इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर होमगार्ड जवानों के हित में शीघ्र ठोस एवं सकारात्मक निर्णय ले।

मोक्षिका गर्ग ने एक साथ दो प्रवेश परीक्षाओं में सफलता हासिल कर बढ़ाया विद्यालय का मान

जवाहर नवोदय में हुआ चयन

बरठी, 03 जुलाई(देशराज) - राजकीय प्राथमिक केंद्र पाठशाला कुठेड़ा की होनहार छात्रा मोक्षिका गर्ग ने एक साथ दो प्रतिष्ठित विद्यालयों की प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है।

मोक्षिका ने पहले विद्या ज्ञान अकादमी की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके बाद अब उसने जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा की कक्षा छठी की प्रवेश परीक्षा भी सफलतापूर्वक पास कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वर्तमान में वह विद्या ज्ञान अकादमी, बुलंदशहर में शिक्षा ग्रहण कर रही है।

मोक्षिका की इस उपलब्धि पर उसके पिता जय कुमार सहित पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों राजीव कुमार, सुनीता तथा नीलम कुमारी ने बताया कि मोक्षिका की सफलता उसकी मेहनत, लगन, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मोक्षिका भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

सेब सीजन से पहले सड़कें दुरुस्त करे प्रशासन, पिछली बार की लापरवाही दोहराई गई तो बागवानों को होगा भारी नुकसान : अतुल शर्मा

» प्रथम न्यूज । शिमला
03 जुलाई (बी.शर्मा)

चौपाल विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या-15 गोरली मडावग से जिला परिषद सदस्य अतुल शर्मा ने आगामी सेब सीजन को लेकर क्षेत्र की जर्जर सड़क व्यवस्था एवं प्रशासनिक तैयारियों के अभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) शिमला को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि ऊपरी शिमला की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से सेब उत्पादन पर आधारित है और हजारों किसान-बागवान पूरे वर्ष की आय के लिए इसी फसल पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में यदि समय रहते आवश्यक तैयारियां नहीं की गईं तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतुल शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष प्रशासनिक तैयारियों के अभाव में एचपीएमसी के गोदामों, बगीचों और सड़कों पर हजारों टन सेब फंस गया था, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी बरसात शुरू हो चुकी है और 15 जुलाई से विभिन्न क्षेत्रों में सेब सीजन आरंभ होने जा रहा है, लेकिन अभी तक प्रशासन की ओर से पर्याप्त तैयारियां दिखाई नहीं दे रही हैं। उन्होंने बताया कि करगोली नाला-देहा मुख्य मार्ग, देहा-चौपाल सड़क,सरांह-जोड़ना-पुलबाहल-नेरीपुल मार्ग तथा बमटा-मडावग-खिड़की सड़क सहित अनेक महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों की हालत अत्यंत खराब है। जगह-जगह गहरे गड्ढे, क्षतिग्रस्त सड़कें और झुके हुए पेड़ दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं। यदि सेब सीजन से पहले इन सड़कों की मरम्मत नहीं हुई तो परिवहन बुरी तरह प्रभावित होगा।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सेब सीजन शुरू होने से पहले सभी मुख्य एवं वैकल्पिक मार्गों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें पूरी तरह यातायात योग्य बनाया जाए। भारी वर्षा के दौरान आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग की मशीनों की अलग से व्यवस्था की जाए तथा पुलिस विभाग द्वारा ट्रैफिक प्रबंधन की प्रभावी योजना लागू की जाए, ताकि सेब समय पर मंडियों तक पहुंच सके। अतुल शर्मा ने पंचायत स्तर पर लिंक रोड खोलने के लिए विशेष फंड जारी करने, एचपीएमसी द्वारा किसानों का पिछला लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने, बिना लाइसेंस सेब खरीद पर रोक लगाने तथा आढ़तियों को किसानों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों और बागवानों को प्रशासनिक तैयारियों की पूरी जानकारी समय रहते उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सेब केवल एक फसल नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि सरकार और प्रशासन समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाते हैं तो इसका सीधा नुकसान प्रदेश के हजारों किसान परिवारों को होगा। इसलिए प्रशासन को इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करनी चाहिए। इस अवसर पर कमल ठाकुर, नीलाक्ष, पूर्व बीडीसी सदस्य अनिल काकू, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुनीष वर्मा, नितीश सहित अनेक स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

श्री नैना देवी जी श्रावण अष्टमी मेले को लेकर जिला प्रशासन ने शुरू की तैयारिया

13 से 22 अगस्त तक आयोजित होगा श्रावण अष्टमी मेला, उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
03 जुलाई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

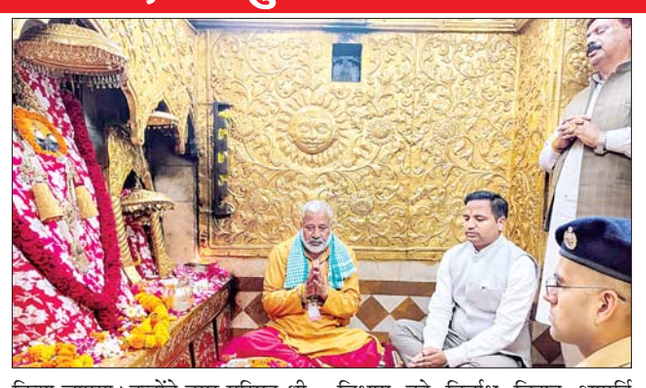

श्री नैना देवी जी , धर्मपाल उपायुक्त एवं आयुक्त, श्री नैना देवी जी मंदिर ट्रस्ट राहुल कुमार की अध्यक्षता में आगामी 13 से 22 अगस्त तक आयोजित होने वाले श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियों को लेकर आज (शुक्रवार) को मातृ आंचल भवन, श्री नैना देवी जी में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान भी उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि अतिरिक्त उपायुक्त मेला अधिकारी जबकि एसडीएम श्री नैना देवी जी सहायक मेला अधिकारी होंगे। इसी तरह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर पुलिस मेला अधिकारी जबकि डीएसपी श्री नैना देवी जी सहायक पुलिस मेला अधिकारी के तौर पर तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र को 9 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा तथा प्रत्येक सेक्टर में एक-एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी की तैनाती की जाएगी। इसके अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए 400 से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी। श्रद्धालुओं की भीड़ को सुव्यवस्थित ढंग से नियंत्रित करने के लिए बस अड्डे से मुख्य मंदिर तक 6 बैरिकेड स्थापित किए जाएंगे।

उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिलासपुर मेला चिकित्सा अधिकारी तथा बीएमओ, श्री नैना देवी जी सहायक मेला चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर 6 स्थायी एवं अस्थायी चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए टोबा, घवांडल तथा रोप-वे सहित तीन प्रमुख स्थानों पर बैरियर स्थापित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत विशेष बस सेवाएं भी संचालित की जाएंगी।

उपायुक्त ने कहा कि मेला अवधि के दौरान लंगर लगाने के लिए ऑनलाइन अनुमति एसडीएम कार्यालय श्री नैना देवी जी द्वारा दी जाएगी। इस दौरान समुचित साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए लंगर आयोजकों को सख्त नियमों का पालन करना सुनिश्चित बनाया जाएगा।

साथ ही ग्रीन मेला की एक अभिनव पहल करते हुए जहां साफ-सफाई को विशेष अधिमान दिया जाएगा तो वहीं नो प्लास्टिक यूज को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने नगर परिषद श्री नैना देवी जी को मेला अवधि के दौरान समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम समयबद्ध उठाने के निर्देश दिये। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंजाब से आने वाले लगभग 300 स्वयं सेवकों की भी तैनाती रहेगी। उन्होंने कहा कि आपदा की दृष्टि से त्वरित कार्य बल (क्यूआरटी) टीम की भी तैनाती रहेगी ताकि किसी विपरीत परिस्थिति में तुरंत आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

राहुल कुमार ने स्वास्थ्य तथा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग को मेले के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से सैंपलिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल शक्ति विभाग को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल तथा विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण करने को भी कहा।

उपायुक्त ने कहा कि मेला अवधि के दौरान माता जी की पिंडी के सीधा प्रसारण करने को विभिन्न स्थानों पर तीन एलईडी स्क्रीन को भी स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को एक जर्मन हैंगर भी स्थापित किया जाएगा जिसमें लगभग एक हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था रहेगी। साथ ही पूरा मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से भी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने सभी विभागों से सामूहिक भागीदारी के साथ कार्य करते हुए मेला आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान करने को भी कहा।

उपायुक्त ने मंदिर में की पूजा-अर्चना, जिला वासियों की सुख समृद्धि की कामना की

बैठक के उपरांत उपायुक्त ने मां श्री नैना देवी जी के मंदिर में पूजा अर्चना की तथा जिला वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस बीच मंदिर न्यास की ओर से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को माता की पवित्र की पवित्र चुनरी भी भेंट की।

जिला प्रशासन का संपूर्ण प्रयास रहेगा कि मेला अवधि के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इस दिशा में हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

बैठक का संचालन एसडीएम श्री नैना देवी जी धर्मपाल ने किया तथा मेला आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रधान, नगर परिषद श्री नैना देवी जी के प्रतिनिधियों सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का
संपादकीय

आधुनिकीकरण और सामाजिक भय

आज के परिपेक्ष मे आधुनिकीकरण कोई बुराई नहीं है यह विकास का ही हिस्सा है आधुनिकीकरण ने बेहतर तकनीक तेज रफ्तार जिंदगी और स्वतंत्रता भी दी है तकनीकीकरण के कारण सब तेज गति से आगे बढ़ रहा है दुनिया की जानकारी चंद मिनट में आसानी से मिल जाती है अव्यवहारिक रूप से जुड़ाव बढ़ा है प्रचार प्रसार के साधन बढ़े हैं समस्या तब आती है जब हम तकनीकी और रफ्तार के चक्कर में अपनी मानवीय संवेदना और आपसी जुड़ाव को पीछे छोड़ देते हैं जब समाज तेजी से बदलता है इंसानी दिमाग और पुरानी व्यवस्था उसके साथ सही तालमेल नहीं बिठा पाती है जिससे एक अनजान डर पैदा होता है वहीं से सामाजिक भय भी उत्पन्न होता है

अकेलापन और अलगाव

तकनीकी के कारण हम दुनिया भर के लोगों से जुड़ गए हैं लेकिन पड़ोसियों, रिश्तेदारों और अपनों से दूर हो गए है आधुनिकीकरण ने केंद्रक और एकाकी परिवारों के प्रचलन को बढ़ावा दिया है पहले लोग संयुक्त परिवारों या बड़े समुदायों में मिलकर इकट्ठे रहते थे परिवरों मे सब कुछ साँझा ही होता था अहम की भावना भी नहीं होती थी

पहचान का संकट

आधुनिकीकरण के कारण हमारे पास चुनने के लिए इतने ज्यादा विकल्प हो गए हैं समझ ही नहीं आता क्या चुने और क्या छोड़े इसके कारण व्यक्ति लगातार इस तनाव में रहता है क्या मैं सही कर रहा हूँ या मैं दूसरों से पीछे तो नहीं छूट रहा हूँ पारंपरिक समाज में व्यक्ति की भूमिका पहले से ही तय होती है परिवारिक व्यवसाय को अपनाना व्यवसाय भी परम्परागत होते थे हर व्यक्ति अपने व्यवसाय मे माहिर होता था

परिवर्तन की तेज रफ्तार

तकनीकी और काम करने के तरीके में इतनी तेजी से बदल रहे हैं लोगों को नौकरी खोने का डर प्रमोशन ना मिलने का डर प्रसंगिकता खोने का डर बना रहता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से रोजगार का भय भी हो गया है

पारंपरिक समाज में सभी अपने व्यवसाय में परंपरागत होते हैं कोई एक दूसरे का व्यवसाय को नहीं छीनते थे लोग शांति और सुकून का जीवन यापन करते थे

दिखावे की संस्कृति

आधुनिकीकरण, तकनीकीकरण और सोशल मीडिया ने इंसान के जीवन को एक ऐसी दुनिया में से जोड़ दिया है जहां हर कोई अपनी जिंदगी को संपूर्ण बनाकर दिखाता है इस देखा देखी से आम आदमी में हीन भावना उत्पन्न होती है सामाजिक रूप से अस्वीकृत किए जाने का भय बना रहता है सामाजिक भय को कम करने के लिए व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर बदलाव की जरूरत है

व्यक्तिगत स्तर

डिजिटल डिटॉक्स दिन का कुछ समय सोशल मीडिया और स्क्रीन से दूर रहे मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग ना करें सामाजिक दूरियाँ भी बढ़ी है वास्तविक दुनिया मे लोगों से, रिश्तेदारों से और दोस्त मित्रों के साथ बैठकर सामाजिक समस्या और ज्वलंत मुद्दों पर बातचीत करें

संतुष्टि का भाव

दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर चीज सच या पूरी नहीं होती थोड़ी देर को सकून मिलता है बाद मे मानसिक परेशानी, दवाब और तनाव की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है परंपरागत समाज में लोग पहले एक साथ बैठकर एक दूसरे की यह बात को सुनते और समझते थे समस्या का हल निकालते थे सामुदायिक संगठन और एकता की बात होती थी विकट परिस्थितियों उत्पन्न नहीं होती थी

ना कहना सीखे

सामाजिक बदलाव ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है प्रतियोगिता की होड़ में आगे बढ़ाने के लिए व्यक्ति अपने बॉस को कभी ना नहीं कह सकता है दबाव में आकर भी काम करना पड़ता है व्यक्तियों पर निर्भर करता है वह अपने कार्य को किस तरह से क्रियान्वित करते हैं जीवन को सही ढंग से जीने के लिए अपनी मानसिक शांति और स्कून को प्राथमिकता दें

सामाजिक स्तर पर

समुदायिक केंद्रों को बढ़ावा दे पुस्तकालयों, सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थल, पार्क और कल्बों को सक्रिय किया जाए जहां पर लोग बिना किसी डिजिटल स्क्रीन के आपस में मिल सके और सुख-दुख बाँट सके परंपरागत समाज में समस्याओं का हल समझदार बड़े बुजुर्गों की निगरानी में होता था समाधान होता था किसी प्रकार की समस्या भी पैदा नहीं होती थी

मानसिक स्वास्थ्य पर भी खुलकर बात

समाज में मानसिक तनाव या भय को कलंक ना मानकर इस पर खुलकर बात होनी चाहिए ताकि लोग बिना डर के मदद माँग सके आज के समय में हर तीसरा आदमी मानसिक परेशानियों से गुजर रहा है क्योंकि काम का बोझ इतना ज्यादा है व्यक्ति उस बोझ को सहन नहीं कर पा रहा है बहुत सी बीमारियों का एक बड़ा कारण भी बन रहा है आधुनिकता के इस दौर में इंसान को परिस्थितियों के साथ समाजस्य बनाना ही पड़ेगा तभी वह अपने आपको स्वस्थ रखकर आगे की तरफ बढ़ पाएगा

आधुनिकीकरण जहां पर प्रगति और विकास के लिए सही है लेकिन उसी के साथ मानवीय रिश्तों की भी अहम भूमिका होती है अगर मानवीय रिश्ते ही नहीं रहेंगे या खत्म होते जाएंगे वह आधुनिकीकरण किस काम का होगा।

डॉ राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

आत्मचिंतन कीजिए, जीवन संवारिए

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

आत्मचिंतन का अर्थ है खुद से सवाल करना खुद को टटोलना और अपने भीतर झांकना जीवन की भागदौड़ में हम बाहर की दुनिया में इतने उलझ जाते हैं कि खुद से मिलना ही भूल जाते हैं सुबह से शाम तक नौकरी कारोबार परिवार और समाज की जिम्मेदारियों में हम ऐसे बंध जाते हैं कि यह सोचने का समय ही नहीं मिलता कि हम क्या कर रहे हैं क्यों कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा स्वामी विवेकानंद कहते थे कि जब तक आप खुद को नहीं जानोगे तब तक दुनिया को नहीं जान पाओगे आत्मचिंतन कोई कठिन साधना नहीं है यह सिर्फ रुककर खुद से बात करना है आज के दौर में हर व्यक्ति तनाव में है कोई पैसे के पीछे भाग रहा है कोई पद के पीछे कोई रिश्तों में उलझा है कोई भविष्य की चिंता में डूबा है पर कोई यह नहीं सोचता कि मैं खुश क्यों नहीं हूं मेरे पास सब कुछ होकर भी मन अशांत क्यों है इसका जवाब बाहर नहीं मिलेगा जवाब भीतर है जब हम अकेले बैठकर सोचते हैं कि आज मैंने किसका दिल दुखाया किसकी मदद की गुस्सा क्यों आया लालच क्यों जागा झूठ क्यों बोला तभी असली यात्रा शुरू होती है आत्मचिंतन हमें हमारी कमजोरियों से मिलवाता है और जब कमजोरी दिख जाती है तो उसे ताकत में बदलना आसान हो जाता है व्यापारी वर्ग में भी जो लोग रोज अपनी गलती का विश्लेषण करते हैं वे ही बाजार में टिकते हैं जो अपनी सफलता पर घमंड करते हैं और असफलता का दोष दूसरों पर डालते हैं वे जल्द ही गिर जाते हैं परिवार में भी यही नियम लागू होता है पति पत्नी अगर रोज पांच मिनट बैठकर सोचें कि आज मैंने साथी से ऊंची आवाज में बात क्यों की उसकी भावना को समझा या नहीं तो रिश्ते में मिठास बनी रहती है बच्चे अगर दिन खत्म होने पर सोचें कि आज मैंने मां का कहना माना या नहीं पढ़ाई में ईमानदारी बरती या नहीं तो उनका चरित्र मजबूत होता है समाज में भी जो लोग आत्मचिंतन करते हैं वे ही दूसरों के लिए मिसाल बनते हैं आत्मचिंतन का पहला कदम है समय निकालना सुबह उठकर पांच मिनट या रात को सोने से पहले दस मिनट सिर्फ अपने लिए रखिए मोबाइल बंद कर दीजिए टीवी से दूर हो जाइए आंख बंद करके गहरी सांस लीजिए और दिन को फिल्म की तरह देखिए कहां चूके कहां सुधर सकते हैं दूसरा कदम है ईमानदारी खुद से झूठ मत बोलिए अगर गलती की है तो मानिए बहाना मत बनाइए तीसरा कदम है लिखना जो सोच रहे हैं उसे कागज पर उतारिए लिखने से विचार साफ होते हैं और अगली बार वही गलती दोहराने से बचते हैं चौथा कदम है।

सुधार अगले दिन उस गलती को न दोहराने का संकल्प लीजिए एक एक गलती सुधरेगी तो जीवन संवर जाएगा महाभारत में अर्जुन को जब मोह हुआ तो कृष्ण ने उसे गीता का ज्ञान दिया वह ज्ञान आत्मचिंतन ही था कृष्ण ने अर्जुन को बाहर के शत्रु से नहीं भीतर के भ्रम से लड़ना सिखाया आज भी हर व्यक्ति अर्जुन है और उसके भीतर का मोह क्रोध लोभ अहंकार ही कौरव हैं इनसे जीतने का हथियार आत्मचिंतन है जो व्यक्ति रोज खुद से लड़ता है वह दुनिया की किसी जंग में नहीं हारता आज का युवा डिप्रेशन का शिकार है कारण वही है कि वह दूसरों को देखता है खुद को नहीं सोशल मीडिया पर दूसरों की चमक देखकर अपने अंधेरे से तुलना करता है जबकि आत्मचिंतन सिखाता है कि तुम्हारी दौड़ किसी और से नहीं खुद से है कल तुम कहां थे आज कहां हो और कल कहां पहुंचना है यह तुलना ही असली प्रगति है जो छात्र परीक्षा में कम नंबर आने पर यह सोचता है कि मैंने मेहनत कहां कम की वह अगली बार टॉप करता है जो कर्मचारी बॉस की डांट पर यह सोचता है कि मुझसे चूक कहां हुई वह प्रमोशन पाता है आत्मचिंतन शिकायत को समाधान में बदल देता है गांव के एक किसान की कहानी याद आती है उसकी फसल हर साल खराब होती थी वह भगवान को कोसता था एक दिन उसने सोचा कि गलती कहां है उसने पाया कि वह समय पर बीज नहीं बोता खाद सही नहीं डालता फिर उसने समय का ध्यान रखा मेहनत की अगली साल खेत लहलहा उठा यह चमत्कार नहीं आत्मचिंतन का परिणाम था जीवन संवारना है तो दूसरों को बदलने से पहले खुद को बदलिए क्योंकि दुनिया का सबसे कठिन काम दूसरों को सुधारना है और सबसे आसान काम खुद को सुधारना है।

जब आप सुधर जाते हैं तो आपके आसपास की दुनिया खुद सुधरने लगती है आपके बच्चे आपको देखकर सीखते हैं आपके कर्मचारी आपको देखकर ईमानदार बनते हैं आपका परिवार आपको देखकर सुकून पाता है आत्मचिंतन से मन शांत होता है शांत मन ही सही फैसला लेता है और सही फैसले ही जीवन को ऊंचाई देते हैं इसलिए आज से संकल्प लीजिए कि दिन में एक बार खुद से जरूर मिलेंगे अपनी गलती मानेंगे अच्छाई को सराहेंगे और कल को आज से बेहतर बनाएंगे यही आत्मचिंतन है और यही जीवन संवारने की पहली सीढ़ी है याद रखिए भीतर का दीपक जलेगा तो बाहर का अंधेरा खुद मिट जाएगा।

आपदाओं से हमने आखिर क्या सबक लिए

बरसात की पहली बारिश का आगाज होते ही किनौर में बादल फटने से काचरंग नाले पर बना पुल बहने कारण काफी क्षति हुई है।पुल सहित, सड़क पानी में बह गई है।हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन बर्षों में निरंतर आपदाओं का दौर जारी है।बरसात रूपी तांडव में हिमाचल प्रदेश को काफी जान, माल का नुकसान झेलना पड़ा है।देवभूमि में आखिर भयावह हो रही बरसात में बारिश जलवायु परिवर्तन,प्राकृतिक आपदाएं और मानव निर्मित खतरा इससे जनता अंजान है।प्रत्येक बर्ष बरसात में लोग बेमौत मर रहे, पुल, सड़कें, ढंगें,भवन, होटल,रेस्टोरेंट,मंदिर तक जल मग्न तक हो चुके हैं। राज्य सरकार मृतक परिवारजनों को पुन्य बसाने का दावा करके,कुल नुकसान का व्यौरा सार्वजानिक करती है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

केंद्र सरकार की टीम हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान का जायजा लेकर चली जाती है।राज्य सरकार केंद्र सरकार पर बजट पर्याप्त न दिए जाने का आरोप लगाती है।केंद्रीय नेता राज्य सरकार द्वारा बजट का सही ब्यौरा न दिए जाने का आरोप लगाते हैं।देवभूमि का अस्तित्व बरकरार रखने पर आत्म मंथन किए जाना जरूरी है।ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए आम जनमानस अधिक जिमेवार है।जंगलों में नियमों को ताक पर रखकर भवनों का निर्माण,खड्ड,नालों में पानी का वहाव मोड़कर अवैध अतिक्रमण से भवन,मंदिर,रेस्टोरेंट तक बनाए हैं।पहाड़ों में पेड़ों की कमी भूसखलन का सबसे बड़ा कारण है।पेड़ों की जड़े पहाड़ो को जकड़कर रखती थी।जंगलों में पेड़ों का अस्तित्व मिट रहा इसलिए ऐसी आपदाओं की रोकथाम करना चुनौती है।पीपल पेड़ गांवों में देखने तक को नहीं मिलते हैं।कभी इस पेड़ को कच्चे धागे से बांधते हुए जल आदि चड़ाकर लोग अपनी मनोकामना पूर्ण किया करते थे।पीपल पेड़ों के अभाव कारण लोग आजकल चमड़ी रोग के साथ साथ दमा के शिकार होते जा रहे हैं।इस पेड़ की लकड़ी का हवन सामग्री में उपयोग किया जाता है।अगर समय रहते आक्सीजन मुहैया करवाने बाले इस इस पेड़ों की सुरक्षा की व्यवस्था नहीं कि गई तो मानवजाति को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

सरकारें हर साल पौधरोपण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं।मगर वावजूद इसके जंगली पहाड़ों के मिटते बजूद को कायम रखने में फिलहाल सफल नहीं हो पा रही हैं।पौधारोपण अब सिर्फ सोशल मीडिया के लिए सेल्फी लेकर प्रकृति से प्यार जताने के साधन बनता जा रहा है।ऐसे पौधारोपण क्या सच में प्रकति की सुरक्षा कर पा रहे सभी जानते हैं।पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाकर भी हम लोग इस दिशा में सफल नहीं हो पा रहे हैं।पर्यावरण प्रदूषण बड़ी तेजी से बढ़ता जा रहा जिसके चलते एक आम आदमी को निकटम भविष्य में स्वच्छ वायु मिल पाना मुश्किल हो सकता है। पहाड़ी राज्यों तक में पर्यावरण में अब जमीन आसमान का अंतर आ गया लगता है।एक समय ऐसा था कि पहाड़ में चलने ठंडी हवाएं सबका मन मोह लेती थी,मगर पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण में अचानक आए बदलाव से बेतहाशा पड़ने बाली गर्मी से लोग आहत हैं।बेमौसमी हो रही बारिशें भी इस बात का संकेत देती की पहाड़ की जल,वायु अब मौसम के विपरीत चल रही है।कहाँ गए बो दिन जब लोग घरो के आंगन में लगाए गए शहतूत पेड़ों के नीचे चारपाई पर बैठकर घण्टों आराम किया करते थे।बांस पेड़ की टहनियां अक्सर झूलती हुई बातावरण शीतल युक्त बनाती थी।बांस का पेड़ आक्सीजन देने के साथ साथ कई लोगों के घरों की रोजी रोटी का जरिया भी हुआ करती थी।लोग बांस की टोकरियाँ, पेड़ू,टोकरु,शज आदि बनाकर भी आजीविका कमाते थे।हालात आज ऐसे बन चुके की ऐसे आक्सीजन देने बाले पेड़ देखने तक को नहीं मिल रहे है। नतीजन ऑक्सीजन अभाव में लोग अपने घरों की चारदिवारी के अंदर बिजली से चलने बाले पंखों और एयरकंडीशनर की हवाओं में दुबके पड़े हैं।लगातार बिजली से मिलने बाली आक्सीजन का आम आदमी के शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता कोई सोचने को तैयार नहीं है। प्रकृति ने अपना कहर भूस्खलन के नाम से बरपाना शुरू कर रखा है।आए दिन पहाड़ दरक कर मानबता के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।

स्कूल,कालेजों में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयां चलाई जा रही जो समाज सेवा करने में हमेशा आगे रहती आई हैं।प्रदेश सरकारों को ऐसे स्वयं सेवकों से लगातार पौधारोपण करवाकर पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए।बांस पौधे स्वच्छ आक्सीजन मुहैया करवाते थे।बदलते सामाजिक परिवेश चलते अब घरों में बांस से बनी बस्तुओं की जगह पर प्लास्टिक ने कब्जा जमा रखा है।प्लास्टिक वस्तुओं का हमारे स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर क्या दुष्प्रभाव पड़ रहा जरूर मंथन करना होगा।जंगलों में वन माफिया इस कदर सक्रिय हो चुका की अब पेड़ कम और खरपतवार के पौधे ज्यादा नजर आते हैं।वन विभाग कर्मचारी मूलभूत असुविधाओं की दुहाई देते हुए उनका संरक्षण सही नहीं कर पा रहे हैं।जंगलों की जमीनों पर अवैध कब्जे किए जाने का निरंतर सिलसिला चल रहा है।

अवैध कब्जाधारियों की मंशा की सरकार एक दिन उन्हें इस भूमि का मालिकाना हक जरूर देगी।नतीजन जंगलों से पेड़,पौधे और जड़ी बूटियां दिनोदिन खत्म होती जा रही हैं।सरकारी विभाग जंगलों का सरंक्षण किए जाने में सफल नहीं हो रहे हैं। गर्मियों का मौसम आते ही जंगलों में आगजनी की घटनाओं में वृद्धि होती है।लोग अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए जंगलों में आग लगा देते ताकि बरसात में वह अपने मवेशियों के लिए घरी घास जुटा सकें।इस आगजनी की चपेट में कई जीव,जंतु मौत का ग्रास बन जाते हैं।ठीक इसी वजह से चीते,हिरण, बाघ आदि जानवर मैदानी इलाकों में उतरकर लोगों पर घातक हमले करते हैं।जलवायु आज विश्व की सबसे बड़ी जटिल समस्या वन चुकी है।विश्व देश इस नवीन समस्या का समाधान किए जाने की नित नए दिन बैठकों का आयोजन रहे,मगर उन्हें सफलता नहीं मिल पा रही है।केंद्र सरकार ने तीस वर्ष पुरानी फॉरेस्ट्री नीति को बदलने का ऐलान किया था।इस फरमान की कार्यवाही कहां तक पहुंची कोई नहीं जानता है।वन संरक्षण के लिए सरकारों को दोबारा जंगलों में पेड़ कटान पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाना चाहिए।हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा से पहाड़ की जनता को निकालने के लिए सतापक्ष और बिपक्ष को मिलकर काम करके काम करके केंद्र सरकार से आर्थिक मदद की मांग उठानी चाहिए।

नई शिक्षा व्यवस्था में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

भारत की शिक्षा व्यवस्था को अधिक लचीला, समावेशी, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इन्हीं सुधारों में से एक प्रमुख पहल अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट है, जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित किया गया है तथा जिसका नियमन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया जाता है। यह एक डिजिटल मंच है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों से अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट को सुरक्षित रूप से संग्रहित करना, उनका प्रबंधन करना, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरित करना तथा निर्धारित शर्तों के अनुसार उनका उपयोग करके डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करना है।

विशाल कल्याण

वर्तमान समय में शिक्षा केवल किसी एक विश्वविद्यालय या महाविद्यालय तक सीमित नहीं रह गई है। विद्यार्थी पारंपरिक संस्थानों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यमों से भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट विद्यार्थियों को उनकी संपूर्ण शैक्षणिक यात्रा का डिजिटल अभिलेख एक ही स्थान पर सुरक्षित रखने की सुविधा प्रदान करता है। यह व्यवस्था शिक्षा को अधिक आधुनिक, सुविधाजनक तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व में यदि कोई विद्यार्थी आर्थिक, पारिवारिक, स्वास्थ्य संबंधी अथवा अन्य किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देता था, तो उसके द्वारा अर्जित शैक्षणिक उपलब्धियाँ कई बार व्यर्थ हो जाती थीं। भविष्य में यदि वह किसी अन्य संस्थान में प्रवेश लेना चाहता था, तो उसे अनेक विषयों की पढ़ाई पुनः करनी पड़ती थी। इससे विद्यार्थियों का समय, धन और परिश्रम तीनों व्यर्थ होते थे। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी पढ़ाई बीच में रोकने के बाद भी भविष्य में उसी स्तर से शिक्षा पुनः प्रारंभ कर सकता है, जहाँ तक उसने पहले अध्ययन किया था। इसके अतिरिक्त यदि कोई विद्यार्थी किसी अन्य विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है, तो वह अपने पहले से अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट को नए संस्थान में स्थानांतरित कर सकता है। इस प्रकार विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता मिलती है।

इस व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थी सबसे पहले अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के पोर्टल पर पंजीकरण करता है, जिसके बाद उसे एक विशिष्ट शैक्षणिक पहचान संख्या प्रदान की जाती है। यह पहचान संख्या आधार तथा डिजिलॉकर से जुड़ी होती है, जिससे विद्यार्थी के सभी शैक्षणिक अभिलेख सुरक्षित रूप से डिजिटल रूप में उपलब्ध रहते हैं। जब विद्यार्थी किसी मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययन करता है और सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करता है, तब संबंधित संस्थान उसके अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट को सीधे उसके डिजिटल खाते में जमा कर देता है। आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी इन क्रेडिट को किसी अन्य उच्च शिक्षण संस्थान में स्थानांतरित कर सकता है। निर्धारित नियमों के अनुसार इन क्रेडिट का उपयोग डिग्री, डिप्लोमा अथवा प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए किया जाता है। सामान्यतः ये क्रेडिट अधिकतम सात वर्षों तक अथवा संबंधित पाठ्यक्रम की निर्धारित अवधि तक मान्य रहते हैं तथा एक बार किसी डिग्री या प्रमाणपत्र के लिए उपयोग किए जाने के बाद उनका पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

इस पूरी प्रक्रिया में राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सभी शैक्षणिक अभिलेखों तथा प्रमाणपत्रों को सुरक्षित रखने का कार्य करता है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिशीलता प्रदान करता है। अब विद्यार्थी केवल एक ही संस्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा ऑनलाइन शिक्षण मंचों से भी क्रेडिट अर्जित कर सकेगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत लागू बहु-प्रवेश एवं बहु-निर्गमन प्रणाली को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि कोई विद्यार्थी किसी कारणवश बीच में पढ़ाई छोड़ देता है, तो वह भविष्य में पुनः प्रवेश लेकर अपने पहले से अर्जित क्रेडिट का उपयोग कर सकता है। इससे शिक्षा अधिक लचीली तथा विद्यार्थी-केंद्रित बनती है।

इसके अतिरिक्त, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का स्वयं ऑनलाइन शिक्षण मंच के साथ भी एकीकरण किया गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी डिग्री के लिए आवश्यक कुल क्रेडिट का अधिकतम 40 प्रतिशत ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से अर्जित कर सकते हैं। यह सुविधा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक पहुँचाने में भी सहायक है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट राष्ट्रीय क्रेडिट रूपरेखा के अनुरूप कार्य करता है, जिसमें शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास तथा अनुभव-आधारित शिक्षा को भी समान महत्व दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि रोजगारोन्मुखी और कौशल-आधारित शिक्षा का भी लाभ प्राप्त होता है।

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट प्रणाली विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रकार से लाभकारी सिद्ध हो रही है। इससे शिक्षा में लचीलापन बढ़ता है, क्रेडिट स्थानांतरण की सुविधा मिलती है, समय और धन की बचत होती है, डिजिटल दस्तावेज़ों का सुरक्षित संग्रहण संभव होता है तथा प्रमाणपत्रों का सत्यापन अधिक सरल और तेज़ हो जाता है। साथ ही, फर्जी डिग्रियों और प्रमाणपत्रों पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए भी यह व्यवस्था अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आती है, कागजी कार्यवाही कम होती है तथा विभिन्न संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है।

हालाँकि इस महत्वाकांक्षी पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए कुछ चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। देश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का पूर्ण डिजिटलकरण अभी शेष है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक बड़ी चुनौती है।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा संस्थानों के बीच इस व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। सभी उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा क्रेडिट स्थानांतरण की समान व्यवस्था अपनाना तथा मजबूत तकनीकी अवसंरचना विकसित करना भी आवश्यक है। यदि इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जाता है, तो आने वाले वर्षों में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट भारतीय शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

यह व्यवस्था जीवनपर्यंत सीखने की अवधारणा को सुदृढ़ करेगी, विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करेगी तथा भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इसलिए कहा जा सकता है कि अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट केवल एक डिजिटल मंच नहीं, बल्कि भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक परिवर्तन लाने वाली एक ऐतिहासिक पहल है, जो भविष्य की शिक्षा को अधिक आधुनिक, लचीला, समावेशी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/ 2010/36540

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

संत सुधांशु जी महाराज के सानिध्य में 4 एवं 5 जुलाई को मनाया जाएगा गुरुपूर्णिमा महोत्सव

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) - विश्व जागृति मिशन, पंचकूला-चंडीगढ़-मोहाली मंडल की ओर से गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन 4 एवं 5 जुलाई को शिवधाम आश्रम, सेक्टर-31, मोरनी रोड, पंचकूला में परम पूज्य संत श्री सुधांशु जी महाराज के पावन सानिध्य में किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर आज आश्रम परिसर में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता दिल्ली से पधारे कार्यक्रम प्रभारी मनोज शास्त्री ने की। बैठक में आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सेवाओं और जिम्मेदारियों का वितरण किया गया। इस दौरान पंचकूला, चंडीगढ़ और मोहाली मंडल के गुरु भाई-बहन एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

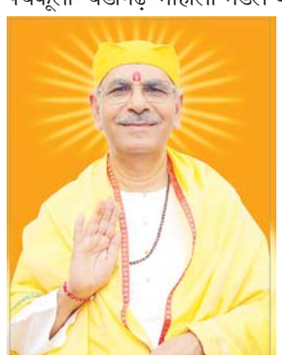

कार्यक्रम प्रभारी मनोज शास्त्री ने बताया कि गुरुपूर्णिमा महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को संत श्री सुधांशु जी महाराज के दर्शन, पूजन एवं अमृत वचनों का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई (शनिवार) को सायं 5 बजे से 7 बजे तक संत श्री सुधांशु जी महाराज के मुखारविंद से सत्संग एवं भजन का आयोजन किया जाएगा।

वहीं, 5 जुलाई (रविवार) को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक गुरु दर्शन तथा प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सत्संग, गुरु अमृत वचन एवं भंडारा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस गुरुपूर्णिमा महोत्सव में हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं आवास की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है।

बैठक में मिशन के आचार्य कुलदीप पांडेय, कार्यवाहक प्रधान नरेंद्र सिंह, महामंत्री पंकज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल, वरिष्ठ पदाधिकारी योगराज मुंजाल, विनोद कौशिक सहित विभिन्न मंडलों एवं समितियों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

सेक्टर 43 के सभी पार्कों में टाइल्स लगाने का कार्य शुरू

पार्षद प्रेमलता ने 43क्रनेबरहुड पार्क से किया शुभारंभ

चंडीगढ़, 3 जुलाई (पुनीत महाजन) - एरिया पार्षद प्रेमलता जी के नेतृत्व में सेक्टर 43 के सभी पार्कों के चारों ओर आकर्षक टाइल्स लगाने का कार्य आज शुरू कर दिया गया। आज दिनांक 3 जुलाई को 43B नेबरहुड पार्क में पार्क की ग्रिल के साथ टाइल्स लगाने का कार्य पार्षद प्रेमलता द्वारा शुभारंभ किया गया। यह कार्य चरणबद्ध तरीके से सेक्टर 43 के समस्त पार्कों में विस्तारित किया जाएगा।

इस कार्य से न केवल पार्कों की सौंदर्यता में वृद्धि होगी, बल्कि पैदल चलने वाले निवासियों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को सुविधाजनक, स्वच्छ और आकर्षक वॉकवे उपलब्ध हो सकेगा। शुभारंभ अवसर पर जे.ई. जगतार सिंह, आर.डब्ल्यू.ए. प्रतिनिधि अशोक पराशर ,विक्रम चोपड़ा, राजेश राय, सर्वप्रकाश शर्मा ,लोकेश चोपड़ा, अवतार सिंह, गुरिंदर सिंह, श्रीमती अनीता एवं अन्य गणमान्य निवासी उपस्थित रहे। अशोक पराशर ने पार्षद प्रेमलता का वार्ड में निरंतर हो रहे विकास कार्यों के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और इस कार्य की सराहना की।

पीर बाबा भीखम शाह मीरा जी की दरगाह आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक : बाबा गफूर शाह

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) - ठसका मीरा जी गांव में स्थित पीर बाबा भीखम शाह मीरा जी की पावन दरगाह आज भी हिंदू, मुस्लिम और सिख समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर चादर चढ़ाते हैं और देश में अमन, शांति तथा खुशहाली की दुआ करते हैं। यह ऐतिहासिक दरगाह लंबे समय से सांप्रदायिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश देती आ रही है। दरगाह के गद्दीनशीन बाबा गफूर शाह ने कहा कि पीर बाबा भीखम शाह मीरा जी ने हमेशा प्रेम, मानवता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य लोगों को जोड़ना है, न कि बांटना। आज समाज को नफरत नहीं बल्कि प्रेम, सेवा और सद्भाव की आवश्यकता है।

बाबा गफूर शाह ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे पीर बाबा की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं तथा सभी धर्मों और समुदायों का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि दरगाह पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का समान भाव से स्वागत किया जाता है और यहां किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि दरगाह पर समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रम, दुआ और लंगर का आयोजन किया जाता है, जिनमें सभी वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से सामाजिक एकता, प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि यही पीर बाबा भीखम शाह मीरा जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राखीगढ़ी विश्व मानचित्र पर भारत की प्राचीन सभ्यता का सबसे सशक्त प्रतीक बनेगा : मुख्यमंत्री

8 हजार वर्ष पुरानी सरस्वती-सिंधु सभ्यता को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत रूप में देख सकेंगे देश-विदेश के पर्यटक

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

3 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में राखीगढ़ी में विकसित किए जा रहे विश्वस्तरीय साइट म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर की प्रगति तथा डिजाइन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक गुरुवार को देर सायं आयोजित की गई। बैठक में परियोजना के प्रत्येक पहलू की विस्तार से समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि राखीगढ़ी केवल एक पुरातात्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का वैश्विक केंद्र बनकर उभरे।

बैठक के दौरान प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव डॉ. यशपाल, हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय के उप निदेशक डॉ. नरेंद्र परमार भी मौजूद थे।

राखीगढ़ी को लेकर आगामी योजानाओं के बारे में विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विकसित किए जा रहे इंटरप्रिटेशन सेंटर और साइट म्यूजियम में पारंपरिक संग्रहालय की अवधारणा से आगे बढ़ते हुए अत्याधुनिक डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो-विजुअल का उपयोग किया जाएगा। पर्यटक केवल पुराने अवशेषों को देखेंगे ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से उस काल की जीवनशैली, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था का अनुभव भी कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि लगभग 1 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल में यह विकसित किया जा रहा है। इसके ग्राउंड फ्लोर और प्रथम तल पर पांच-पांच विषय आधारित गैलरियां बनाई जाएंगी, जिनमें सरस्वती-सिंधु सभ्यता के विभिन्न आयामों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इन गैलरियों में राखीगढ़ी के सातों टीलों का विस्तृत परिचय, विभिन्न चरणों में हुए पुरातात्विक उत्खनन, प्राप्त महत्वपूर्ण अवशेष, नगर नियोजन, आवास व्यवस्था, गलियां, जल निकासी प्रणाली, जल प्रबंधन, अन्न भंडारण, व्यापारिक गतिविधियां, आजीविका, सामाजिक जीवन तथा उस समय की तकनीकी और सांस्कृतिक उपलब्धियों को आकर्षक एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। ओरिएंटेशन गैलरी में सप्त नदियों की सभ्यता तथा सरस्वती-सिंधु सभ्यता के विकास की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा लघु फिल्मों, डिजिटल प्रोजेक्शन, 3-डी प्रस्तुतीकरण और अन्य आधुनिक माध्यमों के जरिए पर्यटकों को पूरी सभ्यता की कहानी सहज और रोचक ढंग से समझाई जाएगी। इंटरप्रिटेशन सेंटर में बच्चों और युवाओं के लिए विशेष रूप से अनुभवात्मक गतिविधियों की भी व्यवस्था की जाएगी। यहां घूमने आने वाले बच्चों और अन्य पर्यटकों के लिए प्राचीन काल की सील बनाने की प्रक्रिया, उस समय उपयोग की जाने वाली ईंटों, पुरावशेषों की प्रतिकृतियों तथा अन्य ऐतिहासिक सामग्रियों को नजदीक से देख और समझ सकेंगे।

अखंड भारत का प्रतिरूप भी आएगा नजर

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य राखीगढ़ी को ऐसा वैश्विक विरासत केंद्र बनाना है, जहां आने वाला प्रत्येक पर्यटक भारत की प्राचीन सभ्यता की वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक समृद्धि और मानवीय विकास यात्रा को गर्व के साथ अनुभव कर सके। उन्होंने कहा कि राखी गढ़ी में प्राचीन काल के अखंड भारत के अवलोकन को भी दिखाया जाए और राखी गढ़ी की विरासत कहां तक फैली थी उसको प्रदर्शित भी किया जाए। ताकि पर्यटकों को उस प्राचीन अखंड भारत के बारे में भी पता चल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय का उद्देश्य केवल इतिहास को प्रदर्शित करना नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाकर नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। यहां आने वाले परिवारों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और देश-विदेश के पर्यटकों को एक ऐसा अनुभव मिले, जिससे वे हजारों वर्ष पुरानी भारतीय सभ्यता को आधुनिक दृष्टिकोण से समझ सकें।

बच्चों के लिए उस दौर के पारंपरिक खेलों एवं अन्य सहभागितापूर्ण गतिविधियों की भी व्यवस्था होगी, जिससे इतिहास को सीखना उनके लिए रोचक अनुभव बने। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राखीगढ़ी के तीन टीलों पर पुरातात्विक उत्खनन कार्य जारी है। संग्रहालय में यह भी दर्शाया जाएगा कि विभिन्न चरणों में कब-कब उत्खनन हुआ, कौन-कौन से महत्वपूर्ण अवशेष प्राप्त हुए तथा इन खोजों ने विश्व इतिहास और भारतीय सभ्यता की समझ को किस प्रकार नई दिशा प्रदान की। राष्ट्रीय राजमार्ग-152 के निकट स्थित होने के कारण राखीगढ़ी में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के प्रमुख पर्यटन, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक केंद्रों में शामिल होगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 90 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा आगंतुकों की सुविधा के लिए शेड तथा अन्य आवश्यक आधारभूत ढांचा विकसित करने की योजना है, ताकि पर्यटकों को पुरातात्विक स्थल का सुरक्षित, सुविधाजनक एवं वास्तविक अनुभव प्राप्त हो सके।

गांव भानपुरा महिला पर हमला करके चोटे मारने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

कैथल (कृष्ण गर्ग)- कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले आरोपियों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। ऐसे ही गांव भानपुरा में महिला व लड़कियों पर हमला करके चोटे मारने के मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर लिया गया। थाना सदर एसएचओ एसआई कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 जुलाई को गांव भानपुरा निवासी महिला रेखा की एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें उसके द्वारा उसके पति, देवर, देवरानी व सास पर उसके व उसकी बेटियों पर लाठी डंडे से हमला करके चोटे मारने के आरोप लगाए गए थे। जिस घटना की एक विडियो भी सामने आई थी। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा तुरंत थाना सदर पुलिस को कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। थाना सदर में मामला दर्ज करके थाना सदर पुलिस द्वारा महिला के पति आरोपी रामचंद्र निवासी भानपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

कनाडा स्क्रीन अवार्ड्स के अंतरराष्ट्रीय मंच पर छाई मेकअप आर्टिस्ट सलोनी

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

3 जुलाई (मुकेश डोलिया)

फिल्मों में नायक नायिका की खूबसूरती भगवान ने तो बख्शी ही है लेकिन उसमें चार चांद लगाते हैं मेकअप आर्टिस्ट , साधारण से दिखने वाले चेहरे को अपनी कला से खूब सूरत स्वर्ग की अप्सरा बनाने का हुनर अच्छे आर्टिस्ट की महारत होती है । कस्बे पिहोवा की सलोनी ने अपनी बेहतरीन मेकअप कला से शहर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। सलोनी मेकअप स्टूडियो की संचालिका सलोनी ने हरियश क्रिएशन के बैनर तले बनी चर्चित शॉर्ट फिल्म ईमान में अभिनय करने वाले कलाकारों का मेकअप किया, जिसकी खूब सराहना हुई ।सलोनी ने बताया बॉलीवुड फ़िल्मों में अपने कौशल का प्रदर्शन करना मेरे जीवन का एक सपना था , जिसे मैं धीरे धीरे अपनी कला और लग्न से पूरी कर रही हूं। उन्होंने बताया सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म ने कनाडा स्क्रीन अवार्ड्स 2026 (ऑनलाइन फेस्टिवल) में चार अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है ।शॉर्ट फिल्मों के मशहूर यूट्यूब चैनल पॉकेट फिल्म्स पर रिलीज के महज एक दिन में फिल्म को कब और इंस्टाग्राम पर 3 लाख 30 हजार से अधिक व्यूज मिले। मेघदूत थिएटर ग्रुप सोसाइटी भिवानी द्वारा पावर्ड इस यथार्थवादी फिल्म का निर्देशन, चर्चित फिल्म मकड़ी से 9 इंटरनेशनल अवार्ड जीत चुके युवा डायरेक्टर यश केजरीवाल ने किया है। रविंद्र सिवाच और टैलेंटेड रितु इंसान के विशेष सहयोग से तैयार

हुए तथा अपूर्व यादव द्वारा लिखित इस प्रोजेक्ट में कौशल भारद्वाज (रमाकांत), डॉ. योगमाया भारद्वाज (सुनीता) और सूरज (उस्मान) ने अपने शानदार अभिनय की छाप छोड़ी

है। सलोनी के उत्कृष्ट मेकअप के साथ-साथ, तकनीकी मोर्चे पर भी पूरी टीम ने कमाल किया है। आदित्य सैनी, मेघदूत स्टूडियोज (रूहानी संगीत), ध्रुव केजरीवाल व डॉ. पुलकित भारद्वाज ने अहम भूमिका निभाई है। इनके अलावा ओम प्रकाश, मयंक यादव, पूरू अग्रवाल, चिन्मय प्रधान, अर्पित आदि ने पूरी लगने से काम को अंजाम दिया।

चंडीगढ़ पुलिस के जांच अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

03 जुलाई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस द्वारा जांच अधिकारियों की पेशेवर दक्षता और अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय विशेष कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 जुलाई से 3 जुलाई, 2026 तक सेक्टर-26 स्थित रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चंडीगढ़ पुलिस के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं अन्य जांच इकाइयों से कुल 42 जांच अधिकारियों (Investigation Officers) ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के रूप में आईपीएस अधिकारी एवं एसपी मानव वर्मा, अमितोज सिंह (पीपी), आदित्य (पीपी), डीएसपी नवीन चंदर, डीएसपी नितिन सिंह (एनआईए मुख्यालय), डीएसपी प्रीतिंदर कौर विर्क, बायो एक्सपर्ट डॉ. मीनाक्षी शर्मा, विस्फोटक विशेषज्ञ डॉ. सचिदानंदन तथा डीएसपी अविनाश प्रसाद तिवारी ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम [UA(P) Act] के तहत अभियोजन, अनुसूचित अपराधों की जांच, विस्फोट के बाद की जांच प्रक्रिया, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (हब्ब) की संरचना एवं कार्यप्रणाली, एनआईए अधिनियम, संगठित अपराधों की जांच, व्यक्तिगत पहचान तकनीकों, नार्को-आतंकवाद की जांच, जांच से जुड़े कानूनी पहलुओं, केस फाइल तैयार करने और साक्ष्यों को आरोपियों से जोड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जांच अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रियाओं, कानूनी प्रावधानों, पेशेवर आचरण और सर्वोत्तम जांच पद्धतियों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उनकी जांच संबंधी दक्षता को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाना था। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों की जांच क्षमता को मजबूत करने और मामलों के प्रभावी एवं विधिसम्मत निस्तारण के लिए आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

तंवरा-लोडसर में अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 14 वाहनों के चालान

1.83 लाख से अधिक की जुर्माना एवं कर देयता निर्धारित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

3 जुलाई (पुनीत महाजन)

लाडनूं, उपखण्ड 3 जुलाई प्रशासन द्वारा अवैध खनिज परिवहन, ओवरलोडिंग तथा परिवहन नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्राम तंवरा एवं लोडसर स्थित क्रेशर क्षेत्रों में राजस्व विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने सघन जांच अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की।

उपखण्ड अधिकारी ममता लहुआ के निर्देशन में संचालित इस विशेष अभियान के दौरान कुल 14 वाहनों के चालान किए गए। जांच में एक वाहन ओवरलोडिंग करते हुए पकड़ा गया, जबकि 12 वाहन आवश्यक दस्तावेजों के अभाव, अपूर्ण दस्तावेज अथवा बिना नंबर प्लेट के संचालित होते पाए गए। इसके अलावा एक वाहन बिना कर जमा किए संचालित होने पर कार्रवाई के दायरे में आया।

संयुक्त टीम ने विभिन्न प्रकरणों में 83,900 का जुर्माना अधिरोपित किया, वहीं एक लोडर वाहन पर करीब 1 लाख की कर देयता निर्धारित की गई।

इस प्रकार कुल 1,83,900 की जुर्माना एवं कर देयता निर्धारित की गई। उपखण्ड अधिकारी ममता लहुआ ने कहा कि अवैध खनिज परिवहन, ओवरलोडिंग तथा बिना वैध दस्तावेज एवं कर के वाहनों का संचालन कानून के विरुद्ध है और ऐसे मामलों में प्रशासन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने वाहन संचालकों एवं संबंधित व्यक्तियों को परिवहन संबंधी सभी नियमों की पालना करने तथा वैध दस्तावेजों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप ही वाहनों का संचालन करने की हिदायत दी। इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अनिरुद्ध देव पाण्डेय, परिवहन विभाग के करणाराम, संबंधित पटवारी तथा राजस्व एवं परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। उपखण्ड प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज परिवहन एवं नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएलएसए द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

03 जुलाई (बृज मोहन)

जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशानिर्देशानुसार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थानेसर स्थित केशव सदन में जिला स्तरीय कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर कानूनी जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज में संवेदनशील कानूनी विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस कार्यक्रम में जिले भर से विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के लीगल लिटरेसी क्लब प्रभारी एवं संयोजकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में राकेश कुमार, डेप्युटी चीफ एल.ए.डी.सी., कुरुक्षेत्र उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) तथा दहेज प्रथा जैसी गंभीर सामाजिक एवं कानूनी समस्याओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

उन्होंने विभिन्न कानूनी प्रावधानों, संभावित परिस्थितियों तथा विद्यालय एवं समाज स्तर पर उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों के बारे में उपस्थित सदस्यों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक रूप से अवगत कराया। डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। प्रत्येक विद्यालय में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराई जाए। इस कार्यक्रम में रोड सेफ्टी इंचार्ज उप निरीक्षक शेर सिंह ने दीन दयाल उपाध्याय दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा उनके सकारात्मक परिणामों पर भी प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि किसी भी साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देकर आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इस्माईलाबाद से लीगल लिटरेसी क्लब प्रभारी बलवान सिंह ने कानूनी साक्षरता कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं, उनके नियमों, पुरस्कारों एवं तैयारी के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सुरेश कुमार एवं विकास शर्मा ने कानूनी साक्षरता से संबंधित क्विज प्रतियोगिताओं की रूपरेखा, उद्देश्य एवं विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उप जिला शिक्षा अधिकारी सीमा मदान ने कहा कि शिक्षक एवं विद्यालय संयोजक समाज और कानून के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यालयों में कानूनी जागरूकता गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम के अंत में जिला संयोजक, लीगल लिटरेसी क्लब, स्कूल शिक्षा विभाग, शीशपाल जांगड़ा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने लीगल लिटरेसी क्लबों की भूमिका, उनके प्रभावी संचालन तथा विद्यार्थियों में संवैधानिक एवं सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों को सौहार्दपूर्ण निपटान के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

बिलासपुर (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम) : सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर प्रतीक गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्याय को अधिक सुलभ, त्वरित एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किए गए समाधान समारोह-2026 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण निपटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि यह पहल उन पक्षकारों के लिए एक सुनहरा अवसर है जिनके मामले सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है तथा जो आपसी सहमति, सुलह एवं मध्यस्थता के माध्यम से अपने विवादों का समाधान करना चाहते हैं। मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का निपटारा अपेक्षाकृत कम समय में, कम व्यय पर तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में संभव हो पाता है।

उन्होंने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 21 अप्रैल 2026 से समाधान समारोह-2026 आयोजित किया जा रहा है इस विशेष अभियान के अंतर्गत उपयुक्त मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाने का प्रयास किया जा रहा है. जिससे न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या में कमी लाई जा सके तथा पक्षकारों को शीघ्र न्याय प्राप्त हो सके।

प्रतीक गुप्ता ने बताया कि इस उद्देश्य के लिए एक सरल ऑनलाइन गूगल फॉर्म तैयार किया गया है, जो सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इच्छुक पक्षकार निर्धारित लिंक के माध्यम से आवेदन कर अपने मामले को इस विशेष मध्यस्थता अभियान में शामिल करवा सकते हैं।

उन्होंने जिला बिलासपुर के सभी अधिवक्ताओं, वादकारियों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा उपयुक्त मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रस्तुत करें। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दूरभाष नम्बर 01978-221452 पर संपर्क कर अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

जल शक्ति विभाग चम्बा में पैरा पंप ऑपरेटर, पैरा फिटर एवं मल्टीपर्पज वर्कर्स के 30 पदों पर भर्ती

इच्छुक अभ्यार्थी 15 जुलाई तक करें आवेदन

चम्बा (एएम नाथ)- जल शक्ति विभाग, चम्बा मंडल में विभिन्न जलापूर्ति एवं सीवरेज योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव के लिए पैरा पंप ऑपरेटर, पैरा फिटर एवं मल्टीपर्पज वर्कर्स के पदों पर मानदेय आधार पर भर्ती की जाएगी।

अधिशाषी अभियंता जितेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जल शक्ति मंडल चम्बा के अंतर्गत कुल 30 पद भरे जाएंगे, जिनमें पैरा पंप ऑपरेटर के 8 पद, पैरा फिटर के 3 पद तथा मल्टीपर्पज वर्कर्स के 19 पद शामिल हैं। पैरा पंप ऑपरेटर एवं पैरा फिटर को 7100 रुपये प्रतिमाह तथा मल्टीपर्पज वर्कर्स को 6 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यार्थियों की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पैरा फिटर पद के लिए अभ्यार्थी का किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मैट्रिक के साथ फिटर, प्लंबर अथवा प्लंबिंग एवं सैनिटेशन ट्रेड में आईटीआई या दसवीं के साथ ऊपर बताए गये ट्रेड में कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रमाणपत्र होना आवश्यक है, जिसके लिए डिटेल्ड मार्क्स सर्टिफिकेट दिखाना होगा।

पैरा पंप ऑपरेटर पद के लिए अभ्यार्थी के पास मैट्रिक के साथ इलेक्ट्रिशियन, वायरमैन, डीजल मैकेनिक, पंप मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, पंप ऑपरेटर-कम-मैकेनिक अथवा संबंधित ट्रेड में आईटीआई या दसवीं के साथ ऊपर बताए गये ट्रेड में कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रमाणपत्र होना चाहिए जिसके लिए डिटेल्ड मार्क्स सर्टिफिकेट दिखाना होगा। वहीं मल्टीपर्पज वर्कर पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यार्थी निर्धारित आवेदन प्रपत्र में अपने आवेदन आवश्यक प्रमाणित दस्तावेजों सहित 15 जुलाई तक कार्यालय समय के दौरान अधिशाषी अभियंता, जल शक्ति मंडल, चम्बा के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

अभ्यार्थियों के लिए बोनाफाइड हिमाचली प्रमाण पत्र, बेरोजगारी प्रमाण पत्र, आरक्षित वर्ग प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), चरित्र प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

अधिशाषी अभियंता ने बताया कि चयन प्रक्रिया के अंतर्गत पात्र अभ्यार्थियों का स्किल टेस्ट/फिजिकल टेस्ट आयोजित किया जाएगा, जिसकी तिथि केवल उन्हीं अभ्यार्थियों को सूचित की जाएगी जिनके आवेदन पूर्ण एवं सही पाए जाएंगे। जल शक्ति विभाग ने पात्र एवं इच्छुक अभ्यार्थियों से निर्धारित समयावधि के भीतर आवेदन करने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित, 10 जुलाई तक करें स्व-नामांकन

उत्कृष्ट शिक्षकों को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी

चंबा (एएम नाथ)- स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए पात्र शिक्षकों से ऑनलाइन स्व-नामांकन आमंत्रित किए हैं। उप-निदेशक स्कूल शिक्षा (प्रारम्भिक) ने बताया कि इच्छुक शिक्षक नेशनल टीचर्स अवॉर्ड्स पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पुरस्कार का उद्देश्य उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने नवाचार, समर्पण और उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 जून से शुरू हो चुकी है।

पात्र शिक्षक 10 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं, जबकि आवेदन का अंतिम सबमिशन एवं पुष्टि 13 जुलाई तक की जा सकेगी। इसके बाद जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चयनित शिक्षकों को अगस्त माह में सूचित किया जाएगा तथा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह 5 सितंबर को आयोजित होगा। अधिकारियों ने शिक्षकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने का आग्रह किया है।

निदान सेवाओं में शून्य प्रतीक्षा समय सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री

आईजीएमसी शिमला को शीघ्र मिलेगी 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन

» प्रथम न्यूज । शिमला
03 जुलाई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी निदान सेवाओं में शून्य प्रतीक्षा अवधि सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे मरीजों को समय पर और बिना किसी असुविधा के बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आवश्यक श्रम शक्ति और आधुनिक निदान उपकरण उपलब्ध करवा रही है तथा विभाग को इन आवश्यक सेवाओं में प्रतीक्षा समय समाप्त करने के लिए समन्वित प्रयास करने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (आईजीएमसी), शिमला तथा चमियाना सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निदान विभागों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों से निदान सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने तथा मरीजों के लिए शून्य प्रतीक्षा समय के लक्ष्य को साकार करने के लिए सुझाव और सहयोग भी मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदेश के भीतर ही उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से चिकित्सकों, पैरामेडिकल तथा तकनीकी कर्मचारियों के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भर रही है ताकि उन्नत उपचार के लिए मरीजों को हिमाचल से बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना के उन्नयन और प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सुक्खू ने आईजीएमसी के चिकित्सकों की मांग पर संस्थान को शीघ्र ही 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों के लिए धन की कोई कमी नहीं है तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और प्रदेशवासियों की बेहतर सेवा के लिए सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वास्थ्य अवसंरचना को व्यापक रूप से सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि एम्स, नई दिल्ली के समकक्ष उच्चस्तरीय चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह अत्याधुनिक मशीनें केवल चिकित्सा महाविद्यालयों में ही नहीं, बल्कि राज्य के जिला अस्पतालों, जोनल अस्पतालों तथा अन्य नागरिक अस्पतालों में भी स्थापित की जाएंगी, जिससे प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सुदृढ़ होगी।

प्रधान सचिव देवेश कुमार, सचिव (स्वास्थ्य) एम. सुधा देवी, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

केवीके चंबा का 'खेत बचाओ अभियान' सफलतापूर्वक संपन्न, 6 हजार किसानों तक पहुंचा संदेश

» प्रथम न्यूज । चंबा
03 जुलाई (एएम नाथ)

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) चंबा द्वारा कृषि विभाग, आत्मा (ATMA) तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से 1 जून से 30 जून, 2026 तक चलाए गए राष्ट्रव्यापी खेत बचाओ अभियान का सफलतापूर्वक समापन हो गया। अभियान के दौरान जिले भर में किसानों को मृदा संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया गया।

केवीके चंबा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. धर्मिंदर कुमार ने बताया कि एक माह तक चले इस अभियान में केवीके, कृषि विभाग और आत्मा की संयुक्त टीमों ने पूरे जिले में सक्रिय रूप से कार्य किया। इस दौरान 51 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से लगभग 6,000 किसानों एवं अन्य हितधारकों तक पहुंच बनाई गई। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग में कमी लाना तथा वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना था। किसानों को संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम), मृदा परीक्षण तथा जैविक एवं प्राकृतिक कृषि आदानों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

मिट्टी बचाओ, खेती बचाओ, किसान बचाओ थीम पर आधारित इस अभियान के माध्यम से किसानों को स्वस्थ मिट्टी, टिकाऊ खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने इसे जिले में कृषि जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

नगर निगमों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस के झूठ का हुआ पर्दाफाश, जनता ने सुक्खू सरकार को दिया करारा जवाब : डॉ. राजीव बिंदल

» प्रथम न्यूज । शिमला
03 जुलाई (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि धर्मशाला, मंडी और सोलन नगर निगमों में भाजपा के मेयर एवं डिप्टी मेयर बनने के साथ ही कांग्रेस पार्टी के झूठ और दुष्प्रचार की पूरी तरह पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही थी कि नगर निकाय और पंचायतीराज चुनावों में उसे जनसमर्थन प्राप्त हुआ है, लेकिन चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश की जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास जताया है और कांग्रेस सरकार को करारा जवाब दिया है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि 17 मई को नगर निकाय एवं नगर निगम चुनाव तथा 26, 28 और 30 मई को जिला परिषद, बीडीसी और पंचायत चुनाव संपन्न हुए, जिनमें भाजपा ने दो-तिहाई बहुमत के साथ शानदार विजय प्राप्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार शुरू से ही इन चुनावों को करवाने के पक्ष में नहीं थी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने के बाद ही चुनाव करवाने पड़े। इसके बाद भी सरकार ने लगभग डेढ़ महीने तक मेयर, डिप्टी मेयर, चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनावों को जानबूझकर टालने, लटकाने और प्रभावित करने का प्रयास किया, ताकि राजनीतिक लाभ उठाया जा सके।

उन्होंने कहा कि सोलन नगर निगम में कांग्रेस सरकार ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सारी सीमाएं पार कर दीं। पार्षदों के निर्वाचित होने के एक महीने बाद तक शपथ प्रक्रिया को लंबित रखा गया। इतना ही नहीं, चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियमों में बदलाव कर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। जबकि चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद नियमों और अधिनियमों में संशोधन लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है।

डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पहले 2024 में नियमों में संशोधन कर चुनाव करवाए और धर्मशाला, पालमपुर तथा मंडी नगर निगम चुनाव उन्हीं नियमों के तहत संपन्न हुए। लेकिन जब सोलन में हार सामने दिखाई देने लगी तो 2 जून को होने वाले चुनाव से ठीक एक दिन पहले, 1 जून की रात को अधिसूचना बदल दी गई, ताकि राजनीतिक दबाव और कथित हॉर्स ट्रेडिंग के माध्यम से जनादेश को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद भाजपा के 10 पार्षद विजयी हुए और स्पष्ट बहुमत के आधार पर भाजपा ने मेयर और डिप्टी मेयर दोनों पदों पर जीत दर्ज की। यह जीत सोलन की जनता के विश्वास और कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनादेश का प्रमाण है। डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल ने सोलन नगर निगम पर राजनीतिक कब्जा करने के लिए प्रतिदिन नए-नए हथकंडे अपनाए, लेकिन जनता ने लोकतंत्र की ताकत से उन सभी प्रयासों को विफल कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पूरे चुनावी दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, नियमों में मनमाने बदलाव करने और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करने का प्रयास किया, लेकिन जनता का जनादेश किसी भी राजनीतिक षड्यंत्र से बड़ा होता है। धर्मशाला, मंडी और सोलन की जीत इस बात का स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की कार्यशैली से पूरी तरह निराश है और भाजपा की नीतियों तथा नेतृत्व पर विश्वास जता रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की रक्षा, पारदर्शी चुनाव व्यवस्था और जनता के अधिकारों के लिए आगे भी मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

आईटीसी क्लासिक गोल्फ रिसोर्ट में मीडिया काउंसिल ऑफ जर्नलिस्ट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित

11 राज्यों के पत्रकारों ने की सहभागिता,एआई और डीपफेक के दौर में जिम्मेदार पत्रकारिता की अहम भूमिका :शांति गौतम

» प्रथम न्यूज । नूंह
03 जुलाई (बी.शर्मा)

तावडू उपमंडल के गांव सराय खाटा स्थित आईटीसी ग्रैंड भारत होटल परिसर के क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिसोर्ट में मीडिया काउंसिल ऑफ जर्नलिस्ट का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अधिवेशन में देश के लगभग 11 राज्यों से संगठन के पदाधिकारी, पत्रकार एवं प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय राठी, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एवं आयोजक कासिम खान सहित विभिन्न राज्यों से आए पत्रकारों ने भाग लिया। मंच का कुशल संचालन संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज गोयल ने किया। बैठक में संगठन के विस्तार, कार्यकारिणी के सुदृढ़ीकरण, पत्रकारों के समक्ष आने वाली चुनौतियों तथा मीडिया जगत से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, पत्रकारिता की विश्वसनीयता तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों पर भी मंथन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से अधिवेशन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया केवल लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ही नहीं, बल्कि समाज और सरकार के बीच संवाद का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि एआई, डिजिटल मीडिया और डीपफेक तकनीक के बढ़ते प्रभाव के दौर में पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने मीडिया संगठनों से आत्मनियमन को मजबूत करने तथा नई तकनीकों का सकारात्मक उपयोग कर समाज तक तथ्यात्मक और विश्वसनीय जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही डिजिटल इंडिया, यूपीआई और तकनीकी विकास से देश में आए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका लाभ पत्रकारिता जगत को भी मिल रहा है।

इस अवसर पर नूंह के पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने कहा कि निष्पक्ष, सटीक और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र की असली ताकत है। प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय समाज में कानून-व्यवस्था, भाईचारा और सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि समाचार प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्यों का सत्यापन करना प्रत्येक पत्रकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और गलत सूचनाओं से सावधान रहने तथा सत्यापित जानकारी ही जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया।

आई.ए.एस. अधिकारी एवं पूर्व संयुक्त सचिव डी. एस. मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल समाचारों के वाहक नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, पारदर्शिता और जनहित के प्रहरी भी हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक ललित शर्मा ने पत्रकारों से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कर रहे महंत नरेश गिरी जी महाराज ने अपना आशीर्वाद सभी को दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सोहना विधायक तेजपाल तंवर के सुपुत्र विजय तंवर, विश्व संवाद केंद्र से राजेश शांडिल्य, राष्ट्रीय संयोजक ललित शर्मा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री नीरज गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार धर्मपाल धनखड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शांति गौतम, राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सैनी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय शर्मा, नवनियुक्त बिहार प्रदेश संयोजक अमरजीत मौर, सहसंयोजक डॉ धनंजय, यूपी संयोजक मफतलाल अग्रवाल, चंडीगढ़ संयोजक सुरेंद्र वर्मा, पंजाब से गुरविंदर गुरी, जैसमीन ,राजस्थान संगठन मंत्री योगेश जोशी, डॉ रमेश देहराज, पिंगवा सरपंच मनोज कुमार, वकील, आईटीसी से प्रदीप, शाहिद ,नरेंद्र,सहित अन्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी का आभार कासिम खान ने किया।

पट्टा नरयाली नाले पर निर्माणाधीन पुली का कार्य एक वर्ष में नहीं हुआ पूरा

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
03 जुलाई (तारा)

लोक निर्माण विभाग मंडल कसौली के तहत पट्टा से बनलगी सुबाथू की ओर जाने वाली सड़क पर पट्टा बस सटॉप के नजदीक गांव नरयाली नाले पर निर्माणाधीन पुलिया का कार्य एक साल बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हुआ है।जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी है। हालांकि विभाग ने पुलिया लगाने से पहले एक वैकल्पिक सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए बनाई है।लेकिन पहली ही बरसात में जब नाले से पानी आया तो निर्माणाधीन पुलिया का मलबा और कीचड़ वाला पानी सड़क पर आ गया।

देखते ही देखते पानी ने रौद्र रूप ले लिया व नाले का यह पानी व अन्य कचरा व दल दल वाली मिट्टी के साथ बस स्टैंड पट्टा तक आ गया व साथ लगती दुकानों में घुस गया। जिससे कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर पानी के तेज बहाव से काफी समय तक न केवल वाहनों की आवाजाही बाधित हुई बल्कि सामान्य जन जीवन भी प्रभावित हुआ। स्थानीय पंचायत बाड़िया के प्रधान बिनोद गुप्ता व ज्योति गुप्ता सहित अन्य लोगों ने बताया कि पुली निर्माण का यह कार्य पिछले एक साल से चल रहा है।

हालांकि यह कार्य बहुत बड़ा नहीं है। लेकिन यह धीमा चल रहा है।जबकि यह कार्य आज तक पूरा होना चाहिए था।उन्होंने निर्माणाधीन पुलिया के धीमे चल रहे कार्य को जल्द पूरा करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यह कार्य लंबे समय से धीमी गति से किया जा रहा है।जिस पर विभाग ने कोई भी संज्ञान नहीं लिया है।लोगों ने कहा कि सड़क के साथ पानी की निकासी के लिए नालियां बनाई जानी जरूरी है व निर्माणाधीन पुलिया के अधूरे कार्य को बरसात शुरू होने से पहले पूरा किया जाए। अधूरे कार्य की वजह से नाले का पानी सड़क में आ गया,जिससे वाहनों की आवाजाही में रुकावट आई।

वाहन चालक काफी प्रतीक्षा की बाद जान जोखिम में डाल कर अपने अपने गंतव्यों को निकलते रहे,लेकिन गनीमत यह रही की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। स्थानीय ग्रामीण व्यवसायियों ने विभाग से इस पुलिया का शेष कार्य शीघ्र पूरा करने की गुहार लगाई है।

अपना विद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत एडीसी ने घाघस में स्कूल में विद्यार्थियों को किया जागरूक

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
03 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल सरकार की अपना विद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त उपायुक्त बिलासपुर ओम कांत ठाकुर ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घाघस में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त भारत अभियान तथा चिट्टा जैसे घातक नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और स्वस्थ, अनुशासित तथा जागरूक युवा ही समाज को सही दिशा दे सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से संतुलित जीवनशैली अपनाने, स्वच्छता को अपनी आदत का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि चिट्टा सहित किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, अपने साथियों को भी इसके प्रति जागरूक करने तथा किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित गतिविधि की जानकारी संबंधित प्रशासन या पुलिस को देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशा मुक्त भारत एवं चिट्टा विरोधी अभियान की शपथ भी दिलाई। विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

श्रीलंकाई गेंदबाजों पर सुदर्शन का प्रहार, लगातार दूसरा शतक ठोक मचाई तबाही; पडिक्कल भी चमके

साई सुदर्शन के शतकीय प्रहार और देवदत्त पडिक्कल के नाबाद 94 रनों की पारी के दम पर इंडिया ए ने श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिच टेस्ट मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सुदर्शन का बल्ला श्रीलंका के खिलाफ जमकर हल्ला बोल रहा है। पहले मैच के शतकवीर ने दूसरे मुकाबले में भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और शतक लगाया।

गाले में खेले जा रहे मुकाबले में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने मैच में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। मेजबान लंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 366 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने एक विकेट के नुकसान पर 247 रन बना लिए हैं। सुदर्शन ने 104, जबकि पडिक्कल 94 रन बनाकर नाबाद हैं।

दूसरे दिन भारत ने दिखाया अपना दबदबा

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंकाई टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 288 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम इंडिया के गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की और उन्हें 366 रनों पर समेट दिया। भारत के लिए गुरनूर बरार और सारांश जैन ने कमाल की बॉलिंग की। दोनों ने 4-4 विकेट हासिल किए। यश ठाकुर को भी दो सफलता मिली। श्रीलंका के लिए कप्तान सहान अराच्चिगे ने 127 रन बनाए।

भारत की अच्छी शुरुआत

श्रीलंका को 366 रनों पर समेटने के बाद भारत के लिए साई सुदर्शन और अमन मोखाड़े बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की। अमन को शुरुआत मिली लेकिन वे बड़ा स्कोर बनाने से चूक गए और 48 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद पडिक्कल और सुदर्शन क्रीज पर जमे रहे। दोनों ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की पूरे दिन कुटाई की और नाबाद लौटे।

साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल की कमाल की बल्लेबाजी

सुदर्शन ने पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में भी शतक लगाया था। उन्होंने दूसरे मैच में सेंचुरी ठोकी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने एक विकेट के नुकसान पर 247 रन बना लिए हैं। सुदर्शन 184 गेंदों पर 104 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरी तरफ पडिक्कल शतक के बेहद नजदीक हैं और 151 गेंदों पर 94 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों के बीच 301 गेंदों पर 181 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

ओलंपियन भवानी देवी अब विजयी भारत फाउंडेशन के साथ, युवा खिलाड़ियों का करेंगी मार्गदर्शन

सैबर तलवारबाज सी.ए. भवानी देवी एशियन गेम्स 2026 से पहले विजयी भारत फाउंडेशन (वीबीएफ) में शामिल हो गई हैं। वह वीबीएफ के उच्च-प्रदर्शन तलवारबाजी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी।

भवानी देवी टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली फेंसर (तलवारबाज) बनी थीं। भवानी का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में दमदार रहा था और उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। साल 2018 में हुए कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में भवानी ने अपने दमदार खेल के बूते गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।2022 में भी वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराने में सफल रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने 2023 में आयोजित हुई एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। टोक्यो ओलंपिक में भवानी ने महिलाओं के व्यक्तिगत इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 32 तक का सफर तय किया था। उन्होंने राउंड ऑफ 64 में ट्यूनीशिया की नादिया बेन अजीजी को एकतरफा मुकाबले में 15-3 से शिकस्त दी थी। हालांकि राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भवानी को फ्रांस की मानोन ब्रूनेट के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। वीबीएफ में उनके शामिल होने से ग्लोबल फेंसिंग सर्किट का बेजोड अनुभव मिला है, जो वीबीएफ की टैलेंट पाइपलाइन में युवा फेंसर्स की भी मदद करेगा।

इस एसोसिएशन के बारे में बात करते हुए भवानी ने कहा, मैं विजयी भारत फाउंडेशन और उनकी टीम से जुड़कर बहुत खुश हूं। मैं उनके खेल विकास कार्यक्रम, खासकर फेंसिंग के बारे में बहुत अच्छी खबरों को फॉलो कर रही हूं। मैं उनके सपोर्ट से आने वाले एक रोमांचक सीजन का इंतजार कर रही हूं।

भवानी ने हाल ही में दिल्ली में एशियन सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लिया था, जिसका हिस्सा विजयी भारत फाउंडेशन के सात फेंसर्स भी रहे थे। भवानी देवी के ओलंपिक तक का सफर तय करने के चलते भारत में तलवारबाजी के खेल को पहचान भी मिली।

भवानी नेशनल लेवल पर 9 बार चैंपियन रह चुकी हैं। भवानी को साल 2021 में भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से भी नवाजा जा चुका है।

संजू सैमसन की फॉर्म ने बढ़ाई चिंता, वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

01, 00, 05... पिछले तीन मैचों में संजू सैमसन के आंकड़ों ने वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण की तपिश को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे संजू के रन इकाई में सिमटते जा रहे हैं, वैसे-वैसे कुछ साल पहले दहाई की उम्र में प्रवेश करने वाले वैभव को मौका देने की मांग उठ रही है।

आयरलैंड से पहली सीरीज हारने के झटके ने संजू की लाइफलाइन को और छोटा कर दिया है। वर्षा के कारण रद हुए इंग्लैंड के विरुद्ध पिछले मैच में भी वह 01 रन ही बना सके। वह तो भला हो अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर का जिन्होंने पचासे ठोक कर स्कोर को 189 पर पहुंचाया।

मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने खिलाड़ियों को लंबा रास्ता देने का सोच रखते हैं लेकिन संजू अपने रास्ते को खुद ब खुद छोटा करते जा रहे हैं। शनिवार को मैनचेस्टर में संजू को मौका मिलेगा या असाधारण प्रतिभाशाली वैभव उनकी जगह ओपनिंग करने उतरेंगे ये आज तय होगा।

सीम लेती पिचों पर तकनीक के मामले में सैमसन की कमजोरी सामने आती है। राजस्थान के टोंक के रहने वाले आयरलैंड के गुमनाम से तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर उनका विकेट लिया। टीम प्रबंधन 15 वर्ष के सूर्यवंशी को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं करना चाहता लेकिन अगले कुछ मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया तो इस फैसले पर सवाल उठने तय हैं।

अभिषेक की जगह पक्की

दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपनी जगह पक्की कर ली है। सैमसन के अलावा उपकप्तान तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में तेज खेलना होगा। स्पिनरों के आने के बाद वह तेजी से रन नहीं बना पाते हैं। इस साल 12 टी-20 में वह सिर्फ 12 छक्के लगा सके हैं। एक फिनिशर के लिए यह बेहद खराब आंकड़ा है। स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर गेंदबाजी में किसी बदलाव की संभावना नहीं है।

इंग्लैंड की टीम मजबूत

पहले टी-20 के शुरुआती ओवरों में ही इंग्लिश टीम ने बता दिया था कि वह आयरिश टीम से ज्यादा अनुभवी और खतरनाक हैं। उन्हें वर्षा के कारण बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उनके पास कप्तान हैरी ब्रूक के साथ फिल सॉल्ट और टॉम बेंटन जैसे ताबड़तोड़ बल्लेबाज हैं। पिछले मैच की तरह इंग्लैंड ने एक दिन पहले ही अंतिम 11 घोषित करके बता दिया है कि वह किस मानसिकता के साथ उतरेंगे।

वार्ड नंबर 26 के विकास के लिए मनी फरवाहा ने साथियों सहित शुरू किया तूफानी चुनाव प्रचार, मिल रहा भारी जनसमर्थन

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) - वार्ड नंबर 26 में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और नई सोच के साथ आगे बढ़ने के उद्देश्य से राजनीति में अपनी पहली पारी खेल रहे कांग्रेस पार्टी के समझदार, सूझवान और शिक्षित उम्मीदवार मनी फरवाहा द्वारा वार्ड में चुनाव प्रचार तेज कर दिया गया है।

अपनी चुनाव मुहिम के तहत मनी फरवाहा ने साथियों और समर्थकों की बड़ी संख्या के साथ वार्ड नंबर 26 का तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर (डोर-टू-डोर) जाकर मतदाताओं से सीधा संपर्क साधा और क्षेत्र के बहुमुखी विकास के लिए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस चुनावी दौरे के दौरान वार्ड वासियों में मनी फरवाहा को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। वार्ड के मतदाता मनी फरवाहा को अपने नए एम.सी. (पार्षद) के रूप में देखने के लिए इतने उत्साहित हैं कि वे अपने काम-काज छोड़कर खुद-ब-खुद इस तूफानी दौरे में शामिल हो रहे हैं। मनी फरवाहा जैसे शिक्षित और समझदार युवा के नेतृत्व से ही वार्ड नंबर 26 की लंबे समय से लटकी आ रही समस्याओं का समाधान हो सकता है। वार्ड को एक ऐसे प्रतिनिधि की जरूरत है जो लोगों के सुख-दुख में हमेशा खड़ा रहे। इस अवसर पर मतदाताओं को संबोधित करते हुए उम्मीदवार मनी फरवाहा ने कहा कि राजनीति में आने का उनका एकमात्र उद्देश्य वार्ड नंबर 26 को शहर का सबसे विकसित और सुंदर वार्ड बनाना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जीत हासिल करने के बाद बिना किसी भेदभाव के हर गली-मोहल्ले का विकास करवाया जाएगा और लोगों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस मौके पर उनके साथ कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, क्षेत्र के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में युवा साथी मौजूद थे, जिन्होंने मनी फरवाहा की जीत सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात एक करने का संकल्प लिया।

विधायक डॉ. जसबीर संधू के निर्देशानुसार प्राथमिकता से हल करवाई जा रहीं वार्ड की समस्याएं : भगत रवि शंकर

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

03 जुलाई (साहिब दयाल)

पश्चिमी हल्के के वार्ड नंबर 72 से फूड एवं सिविल सप्लाई के चेयरमैन और आप एससी विंग के जिला मीत प्रधान भगत रवि शंकर अपने वार्ड के लोगों के अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं के लिए लगातार आवाज़ उठा रहे हैं। उन्होंने इलाके की जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया है। रवि शंकर आज अपने वार्ड के लोगों को राशन किटें बाँट रहे थे।

वहीं हल्का पश्चिमी के विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू के निर्देशों के अनुसार रवि शंकर द्वारा पार्टी को मजबूत करने के लिए वार्ड वासियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। डॉ. जसबीर सिंह संधू भी वार्डों में जा रहे हैं। रवि शंकर ने कहा कि इलाके की जनता की समस्याओं का समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाकर इलाके के मामलों के समाधान के लिए प्रयास किए हैं। स्थानीय महिलाओं का कहना है कि रवि शंकर हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और हर वर्ग के लोगों

की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। रवि शंकर ने अपने वार्ड के लोगों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए उनको राशन किटें मुहैया करवाई हैं और मांवाँ धीयां सतिकार योजना के फार्म भरवाकर इलाके की महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है। रवि शंकर ने कहा कि वे भविष्य में भी इलाके के विकास व जनता की आवाज बनकर काम करते रहेंगे।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की खास तैयारी, छुट्टी वाले दिन भी मिलेगी राखी की बुकिंग : सत्यम तिवारी

अमृतसर (साहिब दयाल) 28 अगस्त को रक्षाबंधन के त्योहार में राखियां समय से पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। इस संबंध में श्री सत्यम तिवारी, वरिष्ठ प्रवर अधीक्षक डाकघर अमृतसर मंडल ने बताया कि जैसे-जैसे रक्षा बंधन का अवसर नजदीक आ रहा है, अमृतसर डाक मंडल ने अपने अधीनस्थ डाकघरों में एक ही छत के नीचे नए वॉटर-प्रूफ राखी-लिफाफों/बॉक्स की बिक्री, बुकिंग और प्रेषित करने की सुविधा देने की व्यवस्था की है। डाकघरों में राखी की पैकिंग और बुकिंग के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए हैं ताकि सभी ग्राहक भारतीय डाक विभाग की त्वरित सेवाओं के माध्यम से आसानी से अपने प्रियजनों को राखी भेज सकें। 15 जुलाई से 28 अगस्त तक अमृतसर डाक मंडल के पांच उप डाकघरों अजनाला, जंडियाला गुरु, पट्टी, गांधी बाजार और मजीठा उप डाकघर एवं अमृतसर व तरनतारन मुख्य डाकघर में इस साल रविवार/सरकारी अवकाश पर भी सुबह 9 से 4:30 बजे तक राखी बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। ग्राहक राखी बुकिंग के साथ-साथ इन डाकघरों में आधार अपडेट की सुविधा का भी लाभ उठा सकते हैं।

राखी मेल के व्यापक प्रेषण के लिए डाकघरों में प्राथमिकता दी गई है ताकि राखी पैकेज/लिफाफों का तेजी से वितरण सुनिश्चित किया जा सके। उचित और सस्ती दरों पर छोटे और बड़े आकार के लिफाफों की अच्छी रेंज सभी डाकघरों में उपलब्ध है।

जीरा विकास परिषद आज फोर्टिस अस्पताल के सहयोग से एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन करेगी

जीरा, 3 जुलाई (अंग्रेज बराड़) - सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर नए मानक स्थापित कर रही जीरा विकास परिषद द्वारा फोर्टिस अस्पताल लुधियाना के सहयोग से 4 जुलाई को आयोजित किए जा रहे विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर को लेकर इलाके में जबरदस्त उत्साह है।

इस महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी पहल का औपचारिक उद्घाटन श्वेता स्टॉक इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजिंदर कुमार वधवा सुबह 10 बजे करेंगे। शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्री राजिंदर कुमार वधवा ने जीरा विकास परिषद के संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज और अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने परिषद के सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए आर्थिक सहायता देने का भी संकल्प लिया और इस पहल की सराहना की। श्री वधवा ने कहा कि सेवा, समर्पण और जन कल्याण की भावना से जीरा विकास परिषद ने बहुत कम समय में जो विश्वास अर्जित किया है, वह प्रशंसनीय है।

उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न सामाजिक कार्य उपलब्ध कराने का यह प्रयास अन्य सामाजिक सेवा संगठनों के लिए भी एक उदाहरण बन रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस शिविर के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं और स्वास्थ्य संबंधी सलाह का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर सुखदेव बिट्टू विजय और चरणप्रीत सिंह सोनू ने श्री राजिंदर कुमार वधवा को धन्यवाद देते हुए कहा कि समाज के जागरूक और परोपकारी लोगों के सहयोग से ही ऐसे जन कल्याणकारी कार्य बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीरा विकास परिषद आने वाले समय में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में इसी उत्साह के साथ नए प्रयास जारी रखेगी।

पार्क हॉस्पिटल पटियाला में पहला OCT-गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर किया

» प्रथम न्यूज । पटियाला

03 जुलाई (जगमीत घुम्मन)

पार्क हॉस्पिटल, पटियाला ने अपना पहला ओसीटी -गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया है, जो कॉम्प्लेक्स कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ के इलाज में एक बड़ा कदम है।

कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अर्शदीप सिंह संधू ने कहा कि यह प्रोसीजर एक ऐसे मरीज़ पर किया गया था जिसकी कोरोनरी आर्टरी बहुत ज़्यादा कैल्सीफाइड थी, यह एक मुश्किल कंडीशन है जिससे एंजियोप्लास्टी और स्टेंट लगाना मुश्किल हो सकता है। कैल्शियम जमाव कितना है, इसका सही-सही अंदाज़ा लगाने के लिए, कार्डियक टीम ने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) का इस्तेमाल किया, जो एक एडवांस्ड इमेजिंग टेक्नोलॉजी है जो आर्टरी के अंदर से डिटेल्ड, हाई-रिज़ॉल्यूशन विज़ुअलाइज़ेशन देती है। ओसीटी के नतीजों के आधार पर, टीम ने रोटाट्रिप्सी की, जो रोटेशनल एथेरेक्टॉमी (रोटाब्लेशन) और इंट्रावावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी (IVL) को मिलाकर एक नई टेक्निक है। रोटाब्लेशन का इस्तेमाल सख्त कैल्शियम जमाव को बदलने के लिए किया गया, जबकि IVL शॉकवेव थेरेपी ने बचे हुए कैल्शियम को फ़ैक्चर करने और वेसल फ्लेक्सिबिलिटी को बेहतर बनाने में मदद की। इस एडवांस्ड तरीके से स्टेंट को सबसे अच्छे तरीके से लगाना और फैलाना मुमकिन हुआ, जिससे प्रोसीजर का नतीजा बहुत अच्छा रहा। पूरा प्रोसीजर बिना किसी दिक्कत के सफलतापूर्वक पूरा हो गया।

भबात में ए.एस.पी. की जनसभा, बढ़ती चोरियों पर अंकुश लगाने के लिए बीट बॉक्स स्थापित करने की तैयारी

» प्रथम न्यूज । जीरकपुर

03 जुलाई (बंटी)

क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा बढ़ती चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से आज ए.एस.पी. जीरकपुर ने गांव भबात में स्थानीय निवासियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान क्षेत्र में बढ़ रही चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस की मौजूदगी को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गांव में बीट बॉक्स स्थापित करने के लिए संभावित स्थान का निरीक्षण किया गया। साथ ही स्थानीय लोगों की समस्याएं और सुझाव भी ध्यानपूर्वक सुने गए। ए.एस.पी. ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण तभी संभव है जब पुलिस और आम जनता मिलकर कार्य करें।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना बिना किसी देरी के पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में मौजूद ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में तीन गुणा गति से करवा रहे हैं विकास कार्यों रामकुमार कश्यप

कुरुक्षेत्र (बृज मोहन): चीफ व्हिप एवं इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विकास कार्यों को करवाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। प्रदेश के किसी भी कार्य को जब मुख्यमंत्री को कहा जाता है तो मुख्यमंत्री उन्हें तुरंत मंजूरी देते हैं। लाडवा के विकास में प्रदेश सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। शहर में तीन गुणा गति के साथ विकास कार्य करवाएं जा रही है। चीफ व्हिप एवं इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप शनिवार देर सायं लाडवा के महर्षि कश्यप चौक पर बोल रहे थे। लाडवा पहुंचने पर चीफ व्हिप एवं इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप का नगर पालिका चेयरपर्सन साक्षी खुराना ने पुष्प कुछ देकर स्वागत किया।

चीफ व्हिप एवं इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप ने महर्षि कश्यप चौक के सौंदर्यीकरण का लोकार्पण किया। चीफ व्हिप एवं इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल बचाओ आह्वान पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस वर्ष महर्षि कश्यप जयंती का कार्यक्रम छोटे स्तर पर किए जाने का फैसला लिया है। इस बार समाज के गणमान्य लोगों को चंडीगढ़ में बुलाकर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में समाज के लोगों को कई बड़ी सौगात मिलने जा रही है। इस मौके पर नगर पालिका चेयरपर्सन साक्षी खुराना, मार्केट कमेटी के चेयरमैन डॉ. गणेश दत्त, समय सिंह कश्यप, परमजीत कश्यप, संजय गोगडिया, राजू आर्य, प्रदीप सहगल, पूनम सैनी, सुरेंद्र माजरी, विनोद कश्यप, अमित खुराना, देवराज, वेद प्रकाश पटवारी, श्रवण कश्यप, बंटी कश्यप, संजीव बड़ैचपुर, रिंकू कश्यप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा बचाना ही भविष्य बचाने के बराबर

कुरुक्षेत्र (बृज मोहन): आज शहीद स्मारक कुरुक्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को समर्पित एक प्रेरणादायक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों एवं वीर जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को ऊर्जा बचत, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित भारत के प्रति जागरूक करना रहा। इस जागरूकता अभियान में डीपीआरओ डॉ. नरेंद्र सिंह की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही अनेक पूर्व सैनिकों एवं सम्मानित सैन्य अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पूर्व सैनिक एवं अधिकारियों ने रैली के माध्यम से लोगों को संदेश दिया कि ऊर्जा बचाना ही भविष्य बचाना है तथा पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह रैली देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी एवं पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनी। सभी प्रतिभागियों ने समाज को ऊर्जा संरक्षण अपनाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित पूर्व सैनिक एवं अधिकारियों में कैप्टन अशोक कुमार, सूबेदार मेजर मलकीत सिंह, हवलदार होशियार सिंह, सूबेदार रमेश कुमार, नायब सूबेदार महेंद्र सिंह सैनी, नायब सूबेदार धर्मपाल सैनी, सूबेदार गुरपाल सिंह, सूबेदार शमशेर सिंह, कैप्टन गुलजार सिंह, सूबेदार गुरनैल सिंह, सूबेदार रविंदर कौशिक, सूबेदार आर.आर. शर्मा, डीपीआरओ डॉ. नरेंद्र सिंह,वेद प्रकाश काजल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देश की तरक्की में स्वस्थ युवा ही दे सकता है अपना योगदानःसोहन लाल

कुरुक्षेत्र (बृज मोहन): हरियाणा खेल विभाग के हॉकी प्रशिक्षक सोहन लाल ने कहा कि देश की तरक्की में युवा पीढ़ी का स्वस्थ होना जरूरी है। इस युवा के साथ ही भविष्य जुड़ा हुआ है। इसलिए देश के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए युवा पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की जरूरी है। हॉकी प्रशिक्षक सोहन लाल भारतीय खेल प्राधिकरण की तरफ रविवार को आयोजित साइक्लोथॉन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस से हॉकी कोच सोहन लाल, सेवानिवृत्त डीएसओ यशवीर सिंह, हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, साइकिलिंग कोच कोमल, समाजसेवी विनोद कुमार, नरेश सैनी ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों ने कई किलोमीटर साइकिल चलाई। सोहन लाल ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत के क्षेत्रीय निदेशिका रीतू पथिक आदेशानुसार व सहायक निदेशक विजय मनचंदा के मार्गदर्शन में युवाओं को शामिल कर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस साइक्लोथॉन का आयोजन करते हुए एक साल से ज़्यादा समय हो चुका है। इस लक्ष्य है कि लोगों को फिट रहने के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साई की तरफ से निकाली जा रहीं साइक्लोथॉन में हर वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह, सेवानिवृत्त हॉकी चीफ कोच गुरविंद्र सिंह, हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, प्रशिक्षक पूनम शर्मा, प्रशिक्षक सुनील कुमार, बजरंग मंजू, मनोज, सुरेंद्र सिंह राठौर, समाजसेवी विनोद गर्ग, वीरभान सिंह, नरेश सैनी आदि मौजूद थे।

पाकिस्तान में अनियंत्रित होकर पत्थरों से भरी गहरी खाई में गिरी बस, मची चीख-पुकार; 40 यात्रियों की मौत

» प्रथम न्यूज । इस्लामाबाद
03 जुलाई (एजेंसी)

पाकिस्तान में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां तेज रफ्तार और लापरवाही ने 40 लोगों की जिंदगी छीन ली।

खैबर पख्तूनख्वाह और बलूचिस्तान की सीमा के पास यात्रियों से खचाखच भरी एक बस अनियंत्रित होकर पत्थरों से भरी गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक दुर्घटना में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया है और राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

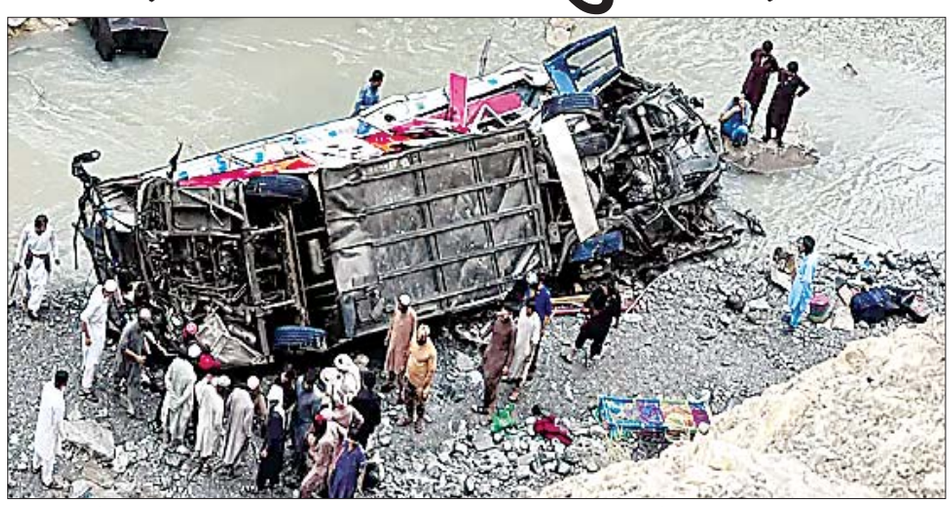

रास्ते में खराब हुई दूसरी बस की सवारियों को बैठाना पड़ा भारी

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के अनुसार, यह हादसा दानासर इलाके में हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बस हाईवे पर बेहद तेज रफ्तार से दौड़ रही थी, तभी चालक ने स्टीयरिंग से अपना नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह बस पहले से ही अपनी क्षमता के मुताबिक यात्रियों से भरी हुई थी, लेकिन रास्ते में एक अन्य बस खराब हो गई थी। उस खराब बस के यात्रियों को भी इसी बस में बैठा लिया गया था। क्षमता से अधिक भार (ओवरलोडिंग) और तेज रफ्तार इस बड़े हादसे की मुख्य वजह बनी, जिससे बस अनियंत्रित होकर सीधे पत्थरों वाली गहरी खाई में समा गई।

राष्ट्रपति जरदारी और मुख्यमंत्री बुगती ने जताया गहरा शोक

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेस्क्यू टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं और गहरी खाई से शवों व घायलों को निकालने का काम शुरू किया गया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस भीषण दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं जाहिर करते हुए प्रशासन को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। वहीं, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी घटना पर शोक जताते हुए राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने और इलाज में कोई लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

पाकिस्तान के पहाड़ी रास्तों पर लगातार जारी है हादसों का सिलसिला

गौरतलब है कि पाकिस्तान में जर्जर सड़कें, यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही से वाहन चलाना अक्सर ऐसे बड़े और जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं। विशेष रूप से पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इस ताजा घटना से पहले, मई महीने में भी उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक ऐसा ही हादसा हुआ था, जहां एक तेज रफ्तार मिनीबस के खड़ी बस से टकराने से 17 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

औद्योगिक इकाइयों की सहभागिता से एचआईवी एड्स जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन पर कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । बद्दी
03 जुलाई (गुरजीत सिंह)

एचआईवी एड्स के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, कार्यस्थलों पर भेदभाव को समाप्त करने तथा औद्योगिक क्षेत्र की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बद्दी में औद्योगिक इकाइयों एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ जागरूकता एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोलन डॉ. अजय पाठक ने की। शिविर में एचआईवी/एड्स की वर्तमान स्थिति, संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के उपाय, ट्रिपल एलिमिनेशन अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं में सिफिलिस एवं हेपेटाइटिस-बी'' की समयबद्ध जांच एवं रोकथाम विषयों पर चर्चा की गई। डॉ. अजय पाठक ने कहा कि समाज में एचआईवी/एड्स, क्षय रोग, भेदभाव को समाप्त करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने औद्योगिक संस्थानों से अपने कर्मचारियों के बीच नियमित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा सुरक्षित एवं समावेशी कार्यस्थल विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एचपीवी टीकाकरण के महत्व, क्षय रोग कार्यक्रम के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों में उद्योगों के सहयोग पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने तथा भेदभाव समाप्त करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में पद्मिनी मल्होत्रा, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया डॉ. गगन दीप, सहित लगभग 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नूरपुर पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई; 17.46 ग्राम चिट्टे (हैरोइन) के साथ दो युवक गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जब्त

» प्रथम न्यूज । इन्दौरा
03 जुलाई (दिनेश धीमान)

जिला नूरपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बाई इंदोरियां के पास मोटरसाईकिल सवार 02 युवकों से 17.46 ग्राम चिट्टा (हेरॉइन) बरामद की गई है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने काठगढ़ से इंदौरा रोड़ के पास नाकाबंदी की हुई थी। नाके के दौरान पुलिस ने एक काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल (नंबर- एच पी 97 ए 8273) को जांच के लिए रोका। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ली गई तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों के कब्जे से 17.46 ग्राम हैरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ और मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है। आरोपियों की पहचान साहिल कुमार उर्फ लब्बी उम्र 25 वर्ष पुत्र अशोक कुमार निवासी वार्ड नंबर 3 वी.पी.ओ. इंदौरा, पुलिस जिला नूरपुर (हि.प्र.) नितिन कुमार उर्फ नन्नू (उम्र 26 वर्ष), पुत्र बलविंदर, निवासी वार्ड नंबर 3, वी.पी.ओ. इंदौरा पुलिस जिला नूरपुर (हि.प्र.) के रूप में की गयी है मामले में आरोपियों के विरुद्ध पुलिस थाना इंदौरा में मुकदमा संख्या 102/2026 धारा 21, 25, 29 मादक पदार्थ अधिनियम (NDPS Act) के अंतर्गत दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और आगामी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नूरपुर पुलिस द्वारा मामले की आगामी गहन जांच की जा रही है ताकि इनके अन्य संपर्कों का पता लगाया जा सके की यह हीरोइन कहाँ से लाये व किसे सप्लाई करने वाले थे।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट

राजनाथ सिंह के इस्तीफे की अटकलें, क्या अमित शाह को भी मिलेगा प्रमोशन

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
03 जुलाई (ब्यूरो)

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में जल्द ही एक बड़े कैबिनेट फेरबदल की संभावनाओं ने सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे अहम राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ चौंकाने वाले और बड़े फैसले ले सकते हैं।

सूत्रों और सियासी अटकलों की मानें तो इस संभावित विस्तार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी नेताओं को कैबिनेट में तरजीह मिल सकती है, जिससे सरकार और संगठन में नए समीकरण देखने को मिल सकते हैं।

राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं राजनाथ सिंह

केंद्र सरकार में आधिकारिक तौर पर नंबर-2 की हैसियत रखने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कैबिनेट से इस्तीफा देने की जोरदार चर्चा है। सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा उन्हें अगले साल यानी 2027 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना सर्वमान्य उम्मीदवार बना सकती है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है और इसी दौरान उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लंबे समय तक गृह व रक्षा मंत्रालय संभाल चुके राजनाथ सिंह का बेदाग और अनुभवी राजनीतिक सफर उन्हें देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार बनाता है।

लखनऊ लोकसभा सीट से नीरज सिंह को मिल सकता है मौका

अगर राजनाथ सिंह राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनते हैं और इस सर्वोच्च पद पर आसीन होते हैं, तो उनकी पारंपरिक और भाजपा के लिए बेहद खास मानी जाने वाली लखनऊ लोकसभा सीट खाली हो जाएगी।

राजनीतिक हलकों में अब इस बात पर भी मंथन शुरू हो गया है कि इस हाई-प्रोफाइल सीट का अगला दावेदार कौन होगा। चर्चा है कि पार्टी इस महत्वपूर्ण सीट से राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को चुनावी मैदान में उतार सकती है, जो लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय राजनीति का हिस्सा हैं।

क्या अमित शाह को मिलेगा उप-प्रधानमंत्री का दर्जा?

संभावित कैबिनेट फेरबदल के बीच सबसे बड़ी और चौंकाने वाली चर्चा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रमोशन को लेकर है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी फेरबदल में उन्हें देश का उप-प्रधानमंत्री (डिप्टी पीएम) बनाया जा सकता है। वैसे तो अमित शाह मौजूदा समय में भी सरकार के नीतिगत फैसलों, प्रशासनिक ढांचों और संगठन में सबसे अहम भूमिका निभा रहे हैं, ऐसे में पद बदलने से उनकी मौजूदा ताकत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, अगर भाजपा उन्हें उप-प्रधानमंत्री का औपचारिक दर्जा देती है, तो इसे देश और पार्टी के भविष्य के नेतृत्व को लेकर एक बेहद साफ और बड़ा राजनीतिक संदेश माना जाएगा।

कई वरिष्ठ मंत्रियों के बदले जा सकते हैं विभाग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा की नई टीम का खाका लगभग तैयार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीती रात एक महत्वपूर्ण बैठक की है, जिसके बाद से ही संभावित मंत्रियों के नामों और विभागों के बंटवारे पर सबकी नजरें टिक गई हैं। इस बदलाव में न केवल नए चेहरों को मौका मिलने की उम्मीद है, बल्कि मौजूदा सरकार के कई दिग्गजों की जिम्मेदारियां भी बदली जा सकती हैं। चर्चा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित कुछ प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जा सकता है या फिर पार्टी उन्हें संगठन में कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है।

27 ग्राम 16 मिलीग्राम हेरोइन और इलेक्ट्रॉनिक कंडे समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : गुरदासपुर पुलिस ने दो अलग-अलग थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को हेरोइन और वजन मापने वाले इलेक्ट्रॉनिक कंडे के साथ गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए एसएसपी आदित्य ने बताया कि पुलिस टीमों ने निम्नलिखित गिरफ्तारियां की हैं

1. थाना दीनानगर : हेरोइन के साथ एक आरोपी काबू - थाना दीनानगर की पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए सन्नी उर्फ काली नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 02 ग्राम 16 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी सन्नी उर्फ काली के खिलाफ थाना दीनानगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ए)-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज कर रजिस्टर कर लिया गया है।

2. थाना सिटी गुरदासपुर : 25 ग्राम हेरोइन और इलेक्ट्रॉनिक कंडे के साथ तस्कर गिरफ्तार - इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में थाना सिटी गुरदासपुर की पुलिस टीम ने एक नशा तस्कर को दबोचने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने मौसम नाम के आरोपी को गिरफ्तार करके उसके पास से 25 ग्राम हेरोइन और एक इलेक्ट्रॉनिक कंडा बरामद किया है। इस आरोपी के खिलाफ थाना सिटी गुरदासपुर में धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अगली कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जोगिंद्रा बैंक सोलन के प्रबंधन पर जगदीप शर्मा को बचाने के गंभीर आरोप

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता ने मुख्य सतर्कता अधिकारी को भेजी शिकायत

» प्रथम न्यूज । शिमला
03 जुलाई (एएम नाथ)

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने जोगिंद्रा केंद्रीय सहकारी बैंक, सोलन के प्रबंधन एवं शाखा प्रबंधक जगदीप शर्मा के विरुद्ध बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी को विस्तृत शिकायत भेजकर स्वतंत्र एवं समयबद्ध सतर्कता जांच की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैंक प्रबंधन को विभिन्न ऋण मामलों से संबंधित रिकॉर्ड की जानकारी होने के बावजूद सुबाथू शाखा प्रबंधक जगदीप शर्मा के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि उनके कार्यकाल के दौरान विभिन्न ऋण नियमों, बैंक दिशानिर्देशों तथा RBI, NABARD एवं अन्य लागू प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए कई ऋण स्वीकृत एवं वितरित किए गए, जिनमें से अनेक खाते बाद में एनपीए तथा कुछ कथित रूप से धोखाधड़ी के मामलों में परिवर्तित हो गए।

शिकायत में विशेष रूप से मन्नत सेल्फ हेल्प ग्रुप, कोटला नाला के वर्ष 2015 के लगभग ?1.50 लाख के ऋण का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि आवश्यक एनओसी प्राप्त किए बिना तथा बैंक नियमों का पालन किए बिना ऋण स्वीकृत किया गया। अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने यह भी आरोप लगाया है कि संबंधित ऋण फाइलों में रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ एवं उन्हें दबाने का प्रयास किया गया।

शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि जगदीप शर्मा द्वारा विभिन्न शाखाओं में अपने कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए, जिनमें से बहुत से खाते एनपीए हो गए। साथ ही बैंक प्रबंधन पर आरोप लगाया गया है कि शिकायतें मिलने के बावजूद संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। मुख्य सतर्कता अधिकारी से शिकायत में मांग की गई है कि पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, जगदीप शर्मा द्वारा विभिन्न शाखाओं में स्वीकृत सभी ऋण खातों का फोरेंसिक ऑडिट कराया जाए, मूल अभिलेखों को सुरक्षित रखा जाए तथा यदि जांच में कोई वित्तीय अनियमितता, नियमों का उल्लंघन, पद के दुरुपयोग या रिकॉर्ड दबाने के तथ्य सामने आते हैं तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय, दीवानी अथवा आपराधिक कार्रवाई की जाए।

फिलहाल इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

सनराइज पैराडाइज पब्लिक स्कूल का प्रशासनिक निरीक्षण, विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि - ज्योति राणा

» प्रथम न्यूज । शिमला
3 जुलाई (बी. शर्मा)

जिला प्रशासन शिमला द्वारा सनराइज पैराडाइज पब्लिक स्कूल, संजौली के सुचारू संचालन एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियुक्त प्रशासक एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा ने शुक्रवार को विद्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान ज्योति राणा ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, शिक्षण व्यवस्था, अध्यापकों की उपलब्धता तथा विद्यालय में मिल रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया। विद्यार्थियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं एवं सुझाव उनके समक्ष रखे, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन उनकी शिक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है तथा किसी भी छात्र के भविष्य से समझौता नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि अब विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित होंगी और शैक्षणिक गतिविधियां व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ेंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरी लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशासन उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं, कक्षाओं की व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। साथ ही विद्यालय का वातावरण सुरक्षित, अनुशासित एवं शिक्षण के अनुकूल बनाए रखने पर विशेष बल दिया। ज्योति राणा ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि विद्यालय में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी को बिना किसी व्यवधान के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए प्रशासन लगातार विद्यालय की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है तथा समय-समय पर निरीक्षण भी किए जाएंगे।

उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की स्कूल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या या सुझाव होने पर जिला प्रशासन अथवा विद्यालय प्रशासन के साथ साझा करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक एवं अभिभावकों के सामूहिक सहयोग से विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा तथा विद्यार्थियों के हितों की प्रभावी रूप से रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

कृष्णगढ़ उप तहसील को 35 वर्षों में नहीं मिला तहसील का दर्जा

12 पटवार सर्कलों के लोग मायूस, नायब तहसीलदार का पद एक माह से रिक्त

» प्रथम न्यूज । कुठाड़
3 जुलाई (तारा)

जिला सोलन की सबसे पुरानी उप तहसील कृष्णगढ़ को 35 साल बीत जाने के बाद भी तहसील का दर्जा नहीं मिल पाया है।यह उप तहसील 35 वर्ष का सफल कार्यकाल पूरा करने के बाद अपग्रेड (स्तरोन्नत) होने की राह देख रही है। जानकारों का कहना है कि प्रदेश व जिला में इस उप तहसील के बाद स्थापित हुई अन्य उप तहसीलों के दर्जे बढ़ चुके हैं। लेकिन इस उप तहसील का दर्जा नहीं बढ़ने से क्षेत्र के 12 पटवार सर्कलों के लोग मायूस हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 1989 में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. राजा वीरभद्र सिंह की सरकार ने व कृष्णगढ़ के स्थानीय समाजसेवी राणा अरुण सेन के प्रयासों से कृष्णगढ़ को उप तहसील का दर्जा दिया था।उप तहसील भवन के लिए क्षेत्र के समाजसेवी राणा अरुण सेन ने भूमि दान कर विभाग ने यहां भवन बनाया था।

पूर्व की भाजपा सरकार के समय दून के पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी के प्रयासों से पूर्व मुख्य मंत्री जयराम ठाकुर ने इसकी वरिष्ठता को देखते हुए चुनाव से पूर्व इस उप तहसील को तहसील का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की थी। घोषणा की कुछ दिन बाद यहां पर तहसीलदार की तैनाती भी कर दी थी।लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद वर्तमान सरकार ने इसको डिनोटिफाइड कर इस फैसले को पलट दिया व फिर से यह उप तहसील बन कर रह गई।

ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ के प्रधान पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि इस उप तहसील का दर्जा बढ़ाया जाना वाजिब है।क्योंकि कुछ कार्य ऐसे हैं जिन्हें करवाने के लिए ग्रामीणों को 40 किलो मीटर दूर कसौली तहसील में जाना पड़ता है। क्योंकि इस उप तहसील में कॉपिंग एजेंसी,निशानदेही व इंतकाल की नकल, जमांदार ब्रांच, समन दर्ज व तामील करने जैसी राजस्व सुविधाएं उपलब्ध नहीं है।स्थानीय कृष्णगढ़ रियासत के वंशज राणा अरुण सेन ने कहा कि तहसील का यह भवन 40 वर्ष पूर्व बिना किसी योजना के बनाया गया था।

अब यह भवन क्षतिग्रस होने लगा है।उन्होंने कहा कि नया भवन बनाने के लिए उन्होंने सड़क के साथ भूमि दान की है,जिसका विभागीय कर्मियों ने निरीक्षण भी किया है,लेकिन आगामी कार्यवाही नहीं हुई है।राणा अरुण सेन ने दून के विधायक चौधरी रामकुमार व विभाग के उच्च अधिकारियों से इस संबंध में उचित कार्यवाली करने की मांग की है। राणा अरुण सेन ने चिंता जताई कि पिछले एक महीने से यहां नायब तहसीलदार का पद खाली है,जिससे लोगों के राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं।वहीं पिछले एक माह से यहां सन्नाटा पसरा हुआ है।उन्होंने सरकार के उच्च अधिकारियों से शीघ्र नायब तहसीलदार की नियुक्ति की मांग उठाई है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा) ने दिए विभाग की पारदर्शिता, जवाबदेही और लोक सेवा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के निर्देश

» प्रथम न्यूज । शिमला
3 जुलाई (बी. शर्मा)

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीxएजी) श्री के. संजय मूर्ति ने अपने तीन दिवसीय शिमला प्रवास के दौरान प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), हिमाचल प्रदेश के कार्यालय के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभाग की पारदर्शिता, जवाबदेही, नवाचार, क्षमता निर्माण तथा लोक सेवा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: रेखांकित किया। अपने दौरे के दौरान नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने कार्यालय के कार्यों का व्यापक अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान 02 जुलाई को वार्षिक लेखा परीक्षा योजना के क्रियान्वयन, डेटा-आधारित लेखापरीक्षाओं की प्रगति तथा तैयार की जा रही लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों की स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), हिमाचल प्रदेश, श्री पुरुषोत्तम तिवारी ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के समक्ष कार्यालय की कार्यप्रणाली, प्रमुख उपलब्धियों तथा वर्तमान में संचालित महत्त्वपूर्ण पहलों का प्रस्तुतीकरण किया। साथ ही, लेखापरीक्षा में डेटा एनालिटिक्स एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम लेखापरीक्षा पद्धतियों के उपयोग, इन लेखापरीक्षाओं से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों तथा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन एवं जवाबदेही को सुदृढ़ बनाने में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई।

नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने अधिकारियों की प्रतिबद्धता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली, साक्ष्य-आधारित लेखा परीक्षा निरंतर संपादित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कार्यपालिका को समयबद्ध, प्रासंगिक एवं क्रियान्वयन योग्य अनुशंसाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को और अधिक व्यवस्थित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

15 जून से 15 जुलाई 2026 तक चल रहे राज्यव्यापी री-केवाईसी संतृप्ति अभियान का उठाएं लाभ

» प्रथम न्यूज । सोलन
3 जुलाई (बी. शर्मा)

भारतीय रिज़र्व बैंक शिमला द्वारा राज्यव्यापी री-केवाईसी संतृप्ति अभियान के अंतर्गत यूको बैंक, अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय, सोलन के सहयोग से जिला परिषद् सभागार, सपरून, सोलन में एक मेगा री-केवाईसी जागरूकता एवं संतृप्ति शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक ग्राहकों को समय पर री-केवाईसी के प्रति जागरूक करना, सुरक्षित एवं निर्बाध बैंकिंग सेवाओं को सुनिश्चित करना, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वित्तीय समावेशन को और अधिक सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय रिज़र्व बैंक के मुख्य महाप्रबंधक, आर गिरिधरन, द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक आर. गिरिधरन ने कहा कि री-केवाईसी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रत्येक बैंक ग्राहक को निर्बाध बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने तथा वित्तीय एवं साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं।

उन्होंने फर्जी फोन कॉल, एसएमएस, ई-मेल, व्हाट्सएप संदेश, फिशिंग लिंक, नकली मोबाइल एप, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाली ठगी तथा यूपीआई आधारित साइबर धोखाधड़ी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने सभी बैंक ग्राहकों से अपील की कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी, पासवर्ड अथवा बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक पर विश्वास न करें तथा साइबर धोखाधड़ी की किसी भी घटना की तत्काल अपने बैंक को सूचना दें और राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएँ।

इस अवसर पर झ्यूको बैंक के उप महाप्रबंधक एवं एसएलबीसी संयोजक कमल शर्मा ने राज्यव्यापी री-केवाईसी संतृप्ति अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक का यह अभियान प्रत्येक पात्र बैंक ग्राहक तक सुरक्षित एवं निर्बाध बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी बैंकों से अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा अधिक से अधिक ग्राहकों की समयबद्ध री-केवाईसी सुनिश्चित करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सभी बैंकों के समन्वित प्रयास और जनसहभागिता से ही इस अभियान को पूर्ण सफलता मिल सकती है।

कार्यक्रम के दौरान बैंक ग्राहकों को री-केवाईसी की सरल प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, वीडियो केवाईसी, स्व-घोषणा, सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से संबंधित जानकारी भी दी गई तथा पात्र ग्राहकों का नामांकन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित बैंक ग्राहकों से 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक चल रहे राज्यव्यापी री-केवाईसी संतृप्ति अभियान का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि जिन ग्राहकों के नाम एवं पते में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, वे स्व-घोषणा के माध्यम से भी री-केवाईसी करा सकते हैं, जबकि परिवर्तन होने की स्थिति में अद्यतन पहचान एवं पते के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है।

मेगा जागरूकता शिविर में लगभग 225 बैंक ग्राहकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक, शिमला के उप महाप्रबंधक जसविंदर सिंह ओझला, सहायक महाप्रबंधक आशीष शर्मा, पूजा चंद, तथा अग्रणी जिला प्रबंधक, यूको बैंक, सोलन तमन्ना मोदगिल, सहित विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

9.78 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

चंडीगढ़, 3 जुलाई (पुनीत महाजन) - चंडीगढ़ पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए थाना मलोया क्षेत्र से 9.78 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) यूटी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर, आईपीएस के निर्देशों तथा पुलिस अधीक्षक (सिटी) के.एम. प्रियंका एवं एसडीपीओ (साउथ-वेस्ट) धीरज कुमार के मार्गदर्शन में थाना मलोया के प्रभारी इंस्पेक्टर बलदेव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 1 जुलाई 2026 को एएसआई रोहन कुमार (नं. 1924/सीएचजी) अपनी टीम के साथ गश्त पर थे।

इस दौरान ग्रीन बेल्ट, आरसी-1 स्कूल, ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, मलोया के पास एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 9.78 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई, जिसे वह बिना किसी लाइसेंस अथवा वैध अनुमति के अपने पास रखे हुए था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक कुमार (26 वर्ष), पुत्र राजवीर सिंह, निवासी मकान नंबर 2471/2, ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, मलोया, चंडीगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना मलोया में एफआईआर नंबर-87, दिनांक 1 जुलाई 2026, धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी ने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है और उसके खिलाफ पहले किसी आपराधिक मामले में संलिप्तता का रिकॉर्ड नहीं मिला है। चंडीगढ़ पुलिस ने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा।

कादियान में आप की संगठनात्मक मजबूती पर जोर, गुरइकबाल सिंह महल को दी बधाई

मिशन-2027 को लेकर कादियान में आप नेताओं की बैठक, संगठन विस्तार पर चर्चा

» प्रथम न्यूज । कादियान (गुरदासपुर)
03 जुलाई (ब्यूरो)

आम आदमी पार्टी (आप) के नवनियुक्त कादियान निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी एस. गुरइकबाल सिंह महल को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से लगातार शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इसी क्रम में गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला प्रभारी कश्मीर सिंह वाहला ने अपने सहयोगियों के साथ गुरइकबाल सिंह महल से मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर आप के जिला अध्यक्ष जोबन रंधावा भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

कश्मीर सिंह वाहला ने कहा कि आम आदमी पार्टी पंजाब में विकास और पारदर्शी शासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि गुरइकबाल सिंह महल के नेतृत्व में कादियान क्षेत्र में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन-2027 को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी शुरू करने और जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

बैठक में पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने एकजुट होकर आगामी चुनावी चुनौतियों का सामना करने और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इस दौरान क्षेत्र के विकास, जनहित के मुद्दों तथा पार्टी की भावी रणनीति पर भी चर्चा की गई। नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के सहयोग से मिशन-2027 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया जा सकेगा।

विकास खंड पट्टा में वार्ड सदस्यों के लिए वीबीजी रामजी ऐप और पंचायती राज नियमों पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पट्टा मेहलोग , 3 जुलाई (तारा) - विकास खंड कार्यालय पट्टा में एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। बीडीओ पट्टा ब्लॉक कुलदीप सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश (शिमला) द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में आयोजित किया गया।

इस शिविर के तहत वी बी जी राम जी योजना के अंतर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की उपस्थिति मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को वार्ड सदस्यों की शक्तियों पंचायती राज एक्ट एवं नियमों की जानकारी दी गई।

उन्हें जन्म-मृत्यु पंजीकरण और विवाह अधिनियम के तहत कानूनी प्रक्रियाओं व उनके दायित्वों के बारे में भी विस्तार से जागरूक किया गया। यह प्रशिक्षण खण्ड विकास अधिकारी पट्टा कुलदीप सिंह द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के प्रथम चरण के कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायत गुलरवाला, कंडोल, बाडीया, सोडी, जाडला, बढलग के कुल 35 वार्ड सदस्यों ने भाग लिया और विभागीय कार्यप्रणाली को समझा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सुपर-100 अभिनंदन कार्यक्रम में की दो बड़ी घोषणाएं

बुनियाद योजना के तहत संचालित 103 केंद्रों में 25 नए केंद्र जुड़ेंगे, कुरुक्षेत्र सुपर-100 सेंटर को मिलेंगे 100 नए कंप्यूटर, प्रधानमंत्री के युवा ही भारत का भाग्य बदलते हैं के मंत्र को हरियाणा के विद्यार्थियों ने किया साकार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

03 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार देर सायं चंडीगढ़ में आयोजित हरियाणा सुपर-100 अभिनंदन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा सुपर-100 योजना के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर बधाई देते हुए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियाद योजना के तहत वर्तमान में संचालित 103 केंद्रों में 25 नए केंद्र जोड़े जाएंगे, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कुरुक्षेत्र स्थित सुपर-100 सेंटर को 100 नए कंप्यूटर उपलब्ध कराने की भी घोषणा की इस मौके पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री, श्री मनोहर लाल भी मौजूद रहें।

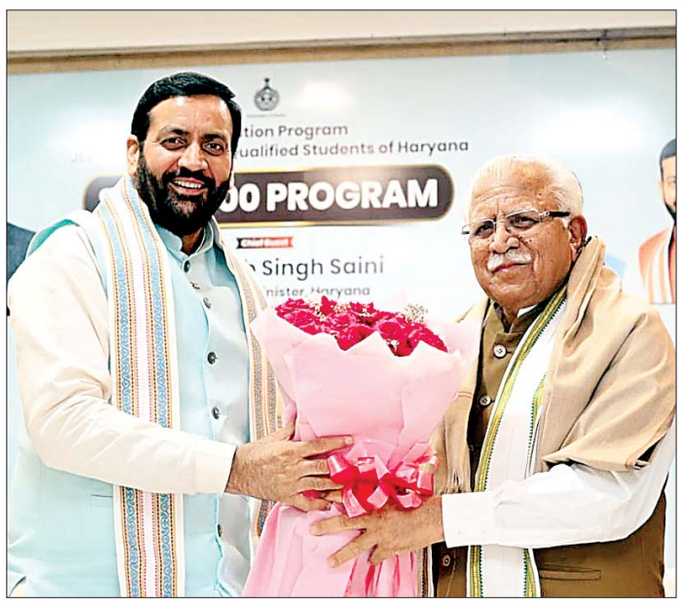

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अपने सामने नए भारत का एक चमकता हुआ भविष्य देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा सुपर-100 के बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत, संकल्प और पुरुषार्थ से यह सिद्ध कर दिया है कि वे देश का भाग्य बदलने की क्षमता रखते हैं।उन्होंने कहा कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन मानी जाने वाली आईआईटी-जेईई (IIT-JEE) परीक्षा उत्तीर्ण कर इन मेधावी विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद हो तो हर बाधा को पार कर सुपर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों, उनके माता-पिता तथा गुरुजनों को इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि हरियाणा सुपर-100 योजना की शुरुआत इस सोच के साथ की गई थी कि धन और संसाधनों की कमी कभी भी किसी मेधावी विद्यार्थी की प्रतिभा के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चों को भी उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो, आज सुपर 100 इसे सार्थक कर रहा है। मुख्यमंत्री ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची में प्रदेश की बेटियां अग्रिम पंक्ति में खड़ी हैं।उन्होंने कहा कि यह सभी बेटियां पूरे प्रदेश की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और उनकी उपलब्धियां समाज के लिए गर्व का विषय हैं।

उन्होंने इस अवसर पर हरियाणा सुपर-100 के शिक्षकों की भी विशेष सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इन बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि उनके भीतर छिपे आत्मविश्वास और विश्वास को भी जागृत किया, जिसके परिणामस्वरूप आज ये विद्यार्थी नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने। उन्होंने कहा कि इस विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण आप जैसे होनहार, प्रतिभाशाली और तकनीकी रूप से सक्षम युवा करेंगे। आपकी बुद्धिमत्ता, नवाचार और खोज मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा सुपर-100 के विद्यार्थी भविष्य में भी अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार के बल पर प्रदेश और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

हरियाणा सुपर-100 बना प्रतिभाओं की उड़ान का सशक्त मंच, 534 विद्यार्थियों ने IIT-NEET जैसी परीक्षाओं में हासिल की सफलता- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

हरियाणा सुपर-100 अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2015 में उनकी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से मेरिट को मिशन बनाया। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य था कि प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को उसकी योग्यता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बिना खर्ची, बिना पर्ची के सिद्धांत पर सरकारी नौकरियां देने की व्यवस्था लागू की तथा योग्यता के आधार पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रतिभा और मेहनत को ही सफलता का आधार बनाया।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार और श्री नवीन मिश्रा के संयुक्त प्रयासों से सुपर-100 योजना की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण तैयारी उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में उनकी सरकार ने योग्यता के आधार पर 18,218 सरकारी नौकरियां प्रदान कीं, जो पारदर्शी एवं मेरिट आधारित भर्ती व्यवस्था का प्रमाण है। श्री मनोहर लाल ने कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 534 विद्यार्थियों ने IIT एवं NEET जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर हरियाणा का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा सरकार की दूरदर्शी पहल का परिणाम बताया।केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके अभिभावकों को भी इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुपर-100 योजना आगे भी हरियाणा के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देती रहेगी। उन्होंने कहा की सरकार ने गांव गांव मे लाइब्रेरी खोलने का संकल्प लिया है।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं सचिव विजय दहिया, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल यादव,महानिदेशक जितेंद्र दहिया, महानिदेशक सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग के एम पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक मनीष लोहान, मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय, विकल्प फाउंडेशन के संस्थापक नवीन मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

मांगों के समर्थन में संयुक्त कर्मचारी मोर्चा की 7 जुलाई को होगी विशाल कर्मचारी कन्वेंशन

कन्वेंशन में आगामी आंदोलन की रूपरेखा और कार्यक्रमों का होगा ऐलान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

03 जुलाई (पुनीत महाजन)

संयुक्त कर्मचारी मोर्चा, यू.टी. एवं एम.सी. चंडीगढ़ के बैनर तले छह कर्मचारी फैडरेशनों के कन्वीनरों और कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज सेक्टर-18, चंडीगढ़ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के कन्वीनर सुरमुख सिंह ने की।

बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सभी छह फैडरेशनों के कन्वीनरों और कार्यकारिणी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों के समर्थन में 7 जुलाई को एक विशाल कर्मचारी कन्वेंशन आयोजित की जाएगी। इस कन्वेंशन में मोर्चा के आगामी आंदोलन और संघर्ष कार्यक्रमों की रूपरेखा का भी ऐलान किया जाएगा।

मोर्चा के नेताओं ने कहा कि यू.टी. प्रशासन और नगर निगम के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। इनमें दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, जेम पोर्टल व्यवस्था के स्थान पर आउटसोर्स कर्मचारियों को सरकारी एजेंसी के अधीन लाना, समान कार्य के लिए समान वेतन, रिक्त पदों को भरना, ठेका एवं आउटसोर्स व्यवस्था में सुधार, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य कर्मचारी हितों से जुड़ी मांगें प्रमुख हैं। इसके बावजूद अब तक इन मांगों के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

मोर्चा ने कहा कि 7 जुलाई की कन्वेंशन का उद्देश्य प्रशासन और शासन का ध्यान कर्मचारियों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना तथा उन्हें कर्मचारियों की लंबित मांगों के शीघ्र समाधान के लिए चेताना है।

बैठक में गोपाल दत्त जोशी, रंजीत मिश्रा, सुरमुख सिंह, सुखबीर सिंह, बिपिन शेर सिंह, राजेन्द्र कटोच, हरकेश चंद, एम.एम. सुब्रमण्यम, नसीब सिंह, रंजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, रविन्द्र बिंदु, हरपाल सिंह, संजय कुमार, राम सुंदर, चंद्र जसवाल, साहिल काहलों और शिव कुमार सहित अनेक कर्मचारी नेताओं ने भाग लिया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कन्वेंशन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों में व्यापक जनसंपर्क चलाया जाएगा और कर्मचारियों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

संयुक्त कर्मचारी मोर्चा ने सभी कर्मचारी संगठनों तथा संविदा, आउटसोर्स, डेलीवेज, वर्कचार्ज और नियमित कर्मचारियों से आह्वान किया है कि वे अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए 7 जुलाई की कर्मचारी कन्वेंशन में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपनी एकजुटता का परिचय दें।

बैठक में फैडरेशन ऑफ यू.टी. एवं एम.सी. चंडीगढ़, यू.टी. सबऑर्डिनेट फैडरेशन, ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ यू.टी. एवं एम.सी., यू.टी. एस.एस. फैडरेशन, ज्वाइंट इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन तथा ऑल काट्रैक्चुअल कर्मचारी संघ भारत सहित विभिन्न कर्मचारी फैडरेशन शामिल रहे।

पंजाब में लॉन्च हुआ 'घर घर सोलर' कैंपेन

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

03 जुलाई (जगमीत घुम्मन)

पंजाब में अपने प्रमुख अभियान 'घर घर सोलर' कैंपेन की आज टाटा पावर सोलरूफ ने शुरुआत की। इसके साथ ही टाटा पावर बैटरी स्टोरेज समाधान भी पेश किए गए हैं, जो पूरे राज्य में स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा तक पहुंच को मजबूत करेंगे। यह अभियान पंजाब के आवासीय उपभोक्ताओं, व्यवसायों और कृषि समुदायों की बदलती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य एक एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम बनाना है जो ऊर्जा उत्पादन, स्टोरेज और खपत का समर्थन करता है।

नवीन तकनीक, फाइनेंसिंग सहायता और स्थानीय सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाकर, टाटा पावर का लक्ष्य शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण बाजारों में स्वच्छ, अधिक टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा समाधानों की ओर संक्रमण को तेज करना है।

सीईओ और एमडी, डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा, अभियान के माध्यम से, हम एक ऐसा व्यापक इकोसिस्टम बना रहे हैं जो रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज और सुलभ फाइनेंसिंग समाधानों को एक साथ लाता है, जिससे उपभोक्ता अधिक आत्मविश्वास के साथ स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन, स्टोरेज और उपयोग कर सकें।

बिजली की बढ़ती खपत, स्थिरता के प्रति बढ़ती जागरूकता और दीर्घकालिक ऊर्जा लागत को कम करने की आवश्यकता के चलते पंजाब में रूफटॉप सोलर अपनाने के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। राज्य की मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, बढ़ती आवासीय मांग और ऊर्जा स्वतंत्रता पर बढ़ता ध्यान इसे वितरित नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के लिए एक प्रमुख बाजार बनाते हैं।

इस गति और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर को अपनाने की बढ़ती दर का लाभ उठाते हुए, टाटा पावर सोलर रूफटॉप अगले तीन वर्षों में 1 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर इंस्टॉलेशन की सुविधा प्रदान करके पंजाब में सोलर अपनाने की प्रक्रिया का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इससे संचयी रूप से लगभग 500+ मेगावाट-पीक (MWp) रूफटॉप सोलर क्षमता का योगदान मिलेगा। यह पहल भारत सरकार के रूफटॉप सोलर कार्यक्रम की पूरक है, जिसके तहत घर 1 किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 और 3 किलोवाट या उससे अधिक के सिस्टम के लिए 78,000 तक की सब्सिडी के पात्र हैं, जिससे स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना काफी किफायती हो जाता है।

वैश्विक दृष्टिकोण, अनुसंधान कौशल, समस्या समाधान क्षमता तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करें विद्यार्थी- प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

03 जुलाई (फकीर चंद)

वैश्विक शिक्षा प्रणाली, उच्च शिक्षा में उभरती संभावनाओं, अनुसंधान संस्कृति, अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करने के उद्देश्य से 3 जुलाई, 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) दिल्ली के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक विशेष संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय कुमार शर्मा के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायक नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित डोमिनियन यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दौरान अधिष्ठाता (एस एंड डबल्यू) डॉ. हरीश कुमार, सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल शर्मा, डॉ अजय कुमार की विशेष उपस्थिति रही। सत्र के दौरान प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार ने विद्यार्थियों को बदलते वैश्विक परिदृश्य में नवाचार, रचनात्मक सोच और शोध आधारित शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि, आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण, अनुसंधान कौशल, समस्या समाधान क्षमता तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए।शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय अवसरों, उच्च अध्ययन, शोध परियोजनाओं एवं वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्किंग के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में हो रहे नवीन परिवर्तनों, तकनीकी प्रगति तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उनके व्याख्यान ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार ने विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। सत्र का वातावरण अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

वहीं सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल शर्मा ने अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार का संस्थान में स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के संवादात्मक सत्र विद्यार्थियों को वैश्विक शैक्षणिक दृष्टिकोण से जोड़ने तथा उनके ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों एवं संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में डीन (फैकल्टी वेलफेयर) डॉ. हरीश कुमार ने धन्यवाद करते हुए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कर प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार के प्रेरणादायक विचारों एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अकादमिक संवाद विद्यार्थियों को नई संभावनाओं से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अनेक संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई सोच एवं दृष्टिकोण प्रदान किया तथा यह सत्र सभी के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

कोलकाता पहुँचे विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा विधायक औरिएन्टेशन कार्यक्रम में लिया भाग

» प्रथम न्यूज । शिमला

03 जुलाई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां आज पूर्वाह्न 11ः45 बजे वायुमार्ग द्वारा चण्डीगढ़ से दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुँचे। जहाँ उन्होने समिति प्रणाली की समीक्षा हेतु आयोजित पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा 18वी पश्चिम बंगाल विधान सभा के नव निर्वाचित विधायकों के लिए पश्चिम बंगाल विधान सभा तथा लोक सभा में संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) के संयुक्त तत्वधान में आयोजित औरिएन्टेशन कार्यक्रम में भाग लिया। गौरतलब है कि यह लोक सभा सचिवालय के तहत एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो सांसदों, विधायकों, अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों को संसदीय प्रक्रियाओं और लोकतंत्र के मामलों में प्रशिक्षित करता है। यह संस्थान लोक सभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में काम करता है और प्रशासनिक रूप से लोक सभा महासचिव की देख रेख में संचालित होता है।

समिति प्रणाली की समीक्षा हेतु लोक सभा अध्यक्ष द्वारा 7 राज्य विधान मण्डलों की समिति का गठन किया गया है जिसके चेयरपर्सन मध्य प्रदेश विधान सभा के पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह तोमर हैं जबकि राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष बासूदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां, सिक्किम विधान सभा अध्यक्ष मिगंमा नोरबू शेरपा, उड़ीसा विधान सभा अध्यक्ष सूरमा पाड़ी तथा पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष रथिन्द्र बसु इसके सदस्य है।

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा नव निर्वाचित पश्चिम बंगाल विधान सभा सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित न्यू टाऊन कन्वेशन सैंटर में पश्चिम बंगाल विधान सभा द्वारा लोक सभा में लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के आपसी तालमेल से किया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान जहाँ विधान मण्डलों की समिति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु समीक्षा बैठक की जाएगी वहीं नव निर्वाचित पश्चिम बंगाल विधान सभा सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए 7 सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। तीसरे सत्र की अध्यक्षता हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां करेंगे तथा लोक सभा सदस्य एन0 के0 प्रेमचन्द्रन भी सत्र के दौरान उनके साथ मौजूद रहेंगे। राज्य सभा सचिवालय के पूर्व संयुक्त सचिव प्रदीप चतुर्वेदी एक विशेषज्ञ / मध्यस्थ के रूप में इस सत्र के लिए उपस्थित रहेंगे। इस सत्र के दौरान विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां विधायी कार्यों के साथ गैर सरकारी सदस्य बिल पर कार्यशाला में मौजूद पश्चिम बंगाल विधान सभा के नव निर्वाचित सदस्यों के साथ अपना अनुभव सांझा करते हुए सम्बोधन देंगे।

सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा किया गया जबकि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुवेन्दु अधिकारी, केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, राज्य सभा के उप सभापति डॉ0 हरिवंश ने उदघाटन समारोह को सम्बोधित किया जबकि पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष रथिन्द्र बसु ने सभी गणमान्य के सम्मान में अपना सम्बोधन दिया।

इससे पूर्व हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां का कोलकाता पहुँचने पर पश्चिम बंगाल सरकार तथा विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सम्मेलन तथा औरिएन्टेशन कार्यक्रम 3 व 4 जुलाई, 2026 को दो दिनों तक आयोजित किया जाएगा। हि0प्र0 विधान सभा सचिव यशपाल शर्मा भी इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने विधान सभा अध्यक्ष के साथ कोलकाता गए हैं।

सम्मेलन के दौरान विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री शुवेन्दु अधिकारी से मुलाकात की तथा उन्हें हिमाचल प्रदेश की ई-विधान प्रणाली तथा क्रिया-क्लापों बारे अवगत करवाया। विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू तथा लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की।

पद्मश्री हंसराज हंस ने अपनी नई आध्यात्मिक पेशकश ओहदियां खेडा के साथ रूहानी सुरीले सफ़र का पुनः किया आगाज़

राजनीति को त्यागकर अब सिर्फ प्रशंसकों की आत्मा को सुकून का अहसास कराएंगे पंजाब के राज गायक हंसराज हंस

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
03 जुलाई (मुकेश डोलिया)

अपनी सुरीली और भावपूर्ण आवाज़ से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले पद्मश्री हंसराज हंस एक बार फिर अपने नए आध्यात्मिक गीत ओहदियां खेडा के साथ श्रोताओं के बीच आ गए हैं। आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में अपनी नवीनतम प्रस्तुति को लेकर मीडिया से रू-ब-रू होने के लिए पधारे पद्मश्री हंसराज हंस ने पत्रकारों के सामने अपना दिल खोल कर रख दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में सिर्फ झूठ का ही बोलबाला है। उन्होंने राजनीति के बारे में एक शब्द भी बोलने से इंकार करते हुए कहा कि अब से वह सिर्फ और सिर्फ अपनी पुरानी पहचान सूफ़ी गायकी की परम्परा को ही आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद रुहानियत से भरपूर रचनाओं से अपने श्रोताओं

की आत्मा को सुकून पहुंचाना है। उनके साथ प्रेस वार्ता में इस शानदार व दिल को छू लेने वाली शब्दावली के रचयिता गीतकार संजीव आनंद, प्रसिद्ध गीतकार शमशेर संधू व गायक कलाकार हरदीप आदि भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि आनंद रिकॉर्ड्स और संजीव आनंद द्वारा प्रस्तुत यह गीत वर्ष का सबसे भावपूर्ण और आत्मिक संगीत है। ओहदियां खेडा आस्था, भक्ति और जीवन की आध्यात्मिक यात्रा को समर्पित एक विशेष प्रस्तुति है। हंसराज हंस की दिल को छू लेने वाली गायकी और गीत के भावपूर्ण बोल श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से जोड़ने का काम करेंगे।

इस गीत के बोल प्रसिद्ध गीतकार संजीव आनंद ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत अमदाद अली ने तैयार किया है और इसके वीडियो का निर्देशन जस्स पेस्सी ने किया है। इस प्रोजेक्ट का निर्माण हर्षित आनंद ने किया है।

बेहतरीन संगीत, प्रेरणादायक बोल और आकर्षक दृश्यांकन से सजा ओहदियां खेड़लां पंजाबी संगीत प्रेमियों और आध्यात्मिक संगीत के श्रोताओं के लिए एक यादगार अनुभव बनने की पूरी क्षमता रखता है। आनंद रिकॉर्ड्स की यह प्रस्तुति एक बार फिर सार्थक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संगीत को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वर्गीय अमित खंडेलवाल की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित, 80 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

» प्रथम न्यूज । पंचकूला
03 जुलाई (पुनीत महाजन)

स्वर्गीय अमित खंडेलवाल की पावन स्मृति एवं वार्षिक श्रद्धांजलि के अवसर पर चंद्रशेखर आज़ाद चैरिटेबल ट्रस्ट एवं गौरक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में पंचकूला में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी विश्वानंद गिरी जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से आयोजित इस सेवा शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री तरुण भंडारी किसी अत्यावश्यक कार्यवश दिल्ली में होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। उनके प्रतिनिधि के रूप में उनकी धर्मपत्नी साक्षी भंडारी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी रक्तदाताओं एवं स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर पंचकूला के मेयर शामलाल बंसल विशिष्ट अतिथि तथा प्रमुख समाजसेवी प्रदीप गोयल सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वर्गीय अमित खंडेलवाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और किसी दिवंगत आत्मा की स्मृति में इस प्रकार के जनसेवा कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं।

चंद्रशेखर आज़ाद चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान सौरव चौधरी एवं चेयरमैन सुनील चहल ने बताया कि शिविर में कुल 95 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से चिकित्सकीय जांच के उपरांत 80 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक एकत्रित किया गया, जबकि 15 इच्छुक रक्तदाता चिकित्सकीय कारणों से रक्तदान नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है और प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को नियमित रूप से रक्तदान के इस महादान में भागीदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर आज़ाद चैरिटेबल ट्रस्ट एवं गौरक्षा परिषद समाज सेवा, गौसेवा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों का सिलसिला जारी रहेगा।

शिविर के दौरान सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रस्ट एवं गौरक्षा परिषद के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में श्रीमती साक्षी भंडारी, मेयर श्री शामलाल बंसल, समाजसेवी प्रदीप गोयल, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों, सहयोगी संस्थाओं एवं सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया। स्वर्गीय अमित खंडेलवाल की स्मृति में आयोजित यह वार्षिक रक्तदान शिविर मानव सेवा, सामाजिक एकता और परोपकार का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा तथा समाज में रक्तदान जैसे महादान के प्रति जनजागरूकता फैलाने में सफल रहा।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को मिले दो स्थायी न्यायाधीश

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) - भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय, न्याय विभाग (नियुक्ति प्रभाग) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरमीत सिंह ग्रेवाल और न्यायमूर्ति दीपिंदर सिंह नलवा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

भारत के राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 217(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दोनों अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की है। यह नियुक्ति उनके संबंधित पदों का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से 3 जुलाई, 2026 को जारी इस अधिसूचना के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में न्यायिक व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। न्यायमूर्ति हरमीत सिंह ग्रेवाल और न्यायमूर्ति दीपिंदर सिंह नलवा के स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालने से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण तथा न्यायिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

यह अधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र (Gazette of India) के भाग-1, खंड-2 में प्रकाशित की जाएगी।

प्रिं. जे.पी. शूर बने राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक

राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ पिछले लंबे समय से पंजाब में गौ माता की स्थिति को सुधारने का प्रयास कर रहा : डॉ. रोहन मेहरा

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
03 जुलाई (साहिब दयाल)

राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. रोहन मेहरा ने बताया कि युवा पीढ़ी को गौ माता के महत्व के बारे में जागरूक करवाएंगे। आज इस विषय पर आयोजित कार्यक्रम में आर्य प्रादेशिक उप सभा पंजाब के अध्यक्ष प्रिं. जे.पी. शूर का राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ के साथ जुड़ने से महासंघ को मजबूती मिली है। श्री शूर को राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ का राष्ट्रीय संरक्षक बनाया गया है। डा. रोहन मेहरा ने कहा कि राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ पिछले लंबे समय से पंजाब में गौ माता की स्थिति को सुधारने का प्रयास कर रहा है। प्रिं. जे.पी. शूर ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि वह राष्ट गौ रक्षा महासंघ के परिवार का हिस्सा बने हैं। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षक गतिविधि पंजाब के राज सुधाकर मुख्यातिथि थे। इस मौके पर सूरज शूर, दीपक शूर, राष्ट्रीय गौ रक्षा महासंघ के पंजाब प्रधान संजीव शर्मा, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष हनी मेहरा, मीडिया इंचार्ज अजय सिंगारी, कार्यकारी सदस्य विमल मेहरा, दीपक कुमार, सुमन नायर, रजनी, दिव्यांश, मनदीप, मिशन आगाज के दीपक बब्बर, विशाल गोहना, मंजीत सिंह, पी.एन. शर्मा आदि उपस्थित थे।

साई स्कूल में एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर का आयोजन

» प्रथम न्यूज । बद्दी
03 जुलाई (गुरजीत सिंह)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला साई में स्वच्छता एवं स्वच्छता के प्रति सामाजिक जागरूकता विषय पर एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वच्छता कचरा प्रबंधन और आसपास के वातावरण को साफ रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था।

शिविर में कुल 53 एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सभी स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन और उत्साह के साथ कार्य किया। स्वयंसेवकों ने कक्षाओं, स्कूल के गलियारों, खेल के मैदान और आसपास के क्षेत्र की सफाई की। सूखा और गीला कचरा अलग-अलग

इकट्ठा करके उचित निपटान किया गया स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और व्यक्तिगत स्वच्छता पर नारे पोस्टर और लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। पाठशाला के प्रधानाचार्य विवेक चौधरी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक आदत होनी चाहिए। उन्होंने एन.एस.एस. स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। शिविर के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने विद्यालय और समाज को स्वच्छ रखने की शपथ भी ली। कार्यक्रम अधिकारी अमर रनोट के मार्गदर्शन में शिविर अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा और छात्रों को स्वच्छ वातावरण के लिए प्रेरित किया गया।

लॉर्ड महावीरा नर्सिंग संस्थान नालागढ़ की 5 छात्राओं ने पूरे प्रदेश में पहला व चौथा स्थान हासिल कर किया टॉप

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
03 जुलाई (गुरजीत सिंह)

अटल आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय नेरचौक मंडी द्वारा घोषित बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के नतीजों में लॉर्ड महावीरा नर्सिंग संस्थान की 5 छात्राओं ने पूरे प्रदेश में पहला, और चौथा स्थान हासिल कर टॉप किया। बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में संस्थान की छात्रा गीतांजलि ठाकुर ने ग्रेड 9.24 के साथ पहला स्थान, इशिका सैनी, हर्षिता, आंचल चौहान और निवेदिता ने ग्रेड 9.06 लेकर पूरे प्रदेश में संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया है। संस्थान के चेयरमैन डॉ अजीत पाल जैन निदेशका आशिमा जैन, संस्थान की प्रिंसिपल एन चंद्रलेखा, वाईस प्रिंसिपल प्रथावन सुब्रमणि, अधीक्षक कुलभूषण शर्मा ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर उनको और उनके अभिभावकों को बधाई दी। संस्थान के चेयरमैन डॉ अजीत पाल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान की छात्राएं हर वर्ष पूरे प्रदेश में अव्वल रहती है।

संस्थान का अपना अत्याधुनिक 100 बेड का अस्पताल है जहां पर बच्चों को ट्रेनिंग के साथ-साथ अच्छे बेहतरीन अध्यापकों द्वारा शिक्षा दी जाती है।

पिछले 6 साल में संस्थान की करीब 90 छात्राएं देश के सबसे बड़े संस्थान एम्स में अपनी सेवाएं दे रही है जो बहुत ही गर्व की बात है। संस्थान की छात्राएं लगातार इसी तरह प्रदेश का अपने संस्थान का और अभिभावकों का नाम रोशन करते रहे ऐसी हम कामना करते हैं।

चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, दो वाहन बैटरी चोर गिरफ्तार, 9 चोरी की बैटरियां बरामद

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
03 जुलाई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस ने मनीमाजरा क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन बैटरी चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 9 वाहन बैटरियां बरामद की हैं।

इस संबंध में थाना मनीमाजरा में एफआईआर नंबर 70 दिनांक 2 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता (क्ष्हस्) की धारा 303(2), 317(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता राम नाथ धीर (79 वर्ष), निवासी मकान नंबर 5483/3, एमएचसी, मनीमाजरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी सेलेरियो कार (नंबर ।।क्र4श्च-7803) से एक्साइड कंपनी की लाल रंग की बैटरी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी।

मनीमाजरा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से वाहन बैटरियों की चोरी की कई घटनाएं सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष

पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, खुफिया जानकारी जुटाई और संदिग्धों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया।

जांच के दौरान 2 जुलाई 2026 को पुलिस ने मौली जागरां निवासी अमीर (28 वर्ष) और संजय सिंह मेहरा (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से चोरी की वाहन बैटरियां बरामद की गईं। पूछताछ के दौरान आरोपियों के खुलासे पर मनीमाजरा क्षेत्र में एक ठिकाने से 8 अन्य चोरी की बैटरियां भी बरामद की गईं, जिन्हें धारा 106 बीएनएसएस के तहत पुलिस कब्जे में लिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। उनकी गिरफ्तारी से थाना मनीमाजरा में दर्ज बैटरी चोरी के दो अन्य मामलों का भी खुलासा हुआ है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

हरियाणा सरकार ने 15 IAS एवं HCS अधिकारियों के किए तबादले, कई जिलों में प्रशासनिक फेरबदल

» प्रथम न्यूज । पंचकूला
03 जुलाई (पुनीत महाजन)

हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) और हरियाणा सिविल सेवा (HCS) के 15 अधिकारियों के तबादले एवं नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार विभिन्न विभागों और जिलों में महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया गया है।

जारी आदेशों के अनुसार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज यादव को उनके वर्तमान दायित्वों के अतिरिक्त हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। वहीं संजय जून को फरीदाबाद मंडल का आयुक्त और मेवात विकास एजेंसी, नूंह का चेयरमैन बनाया गया है।

रवि प्रकाश गुप्ता को गुरुग्राम मंडल का आयुक्त, जबकि राजीव रत्तन को करनाल मंडल का आयुक्त नियुक्त किया गया है। धीरेंद्र खड़गटा को नगर निगम फरीदाबाद का आयुक्त और फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बनाया गया है। आईएएस अधिकारी शक्ति सिंह को उनके वर्तमान कार्यभार के साथ राज्य लेखा परीक्षा विभाग (State Audit Department) का निदेशक नियुक्त किया गया है। सचिन गुप्ता को रोहतक का उपायुक्त (DC), साथ ही एचएसवीपी, रोहतक के प्रशासक और अतिरिक्त निदेशक, शहरी संपदा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अपराजिता को कैथल की उपायुक्त नियुक्त किया गया है। सत्येंद्र दुहान को नगर निगम रोहतक का आयुक्त एवं जिला नगर आयुक्त, रोहतक का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।

आईएएस अधिकारी सलोनी शर्मा को उनके वर्तमान कार्यभार के साथ जिला नगर आयुक्त, करनाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। सम्वर्तक सिंह खंगवाल को अतिरिक्त सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग तथा निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, हरियाणा नियुक्त किया गया है।

एचसीएस अधिकारियों में अभिनव सिवाच को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), बहादुरगढ़, तरुण कुमार पवारिया को अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, महेंद्रगढ़, सुशील कुमार-IV को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद एवं डीआरडीए, यमुनानगर तथा गौरव चौहान को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ पंचकूला के भूमि अर्जन अधिकारी (Land Acquisition Officer) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि फरीदाबाद और रोहतक नगर निगम आयुक्त के पदों को आईएएस के वरिष्ठ वेतनमान के समकक्ष दर्जा और जिम्मेदारियां प्रदान की गई हैं। सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

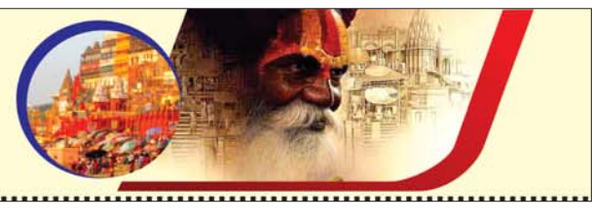

बाबा केदार के दरबार तक पहुंचने की परंपरा कब और कैसे शुरू हुई ?

उत्तराखंड की देवभूमि में स्थित केदारनाथ धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की अटूट आस्था का केंद्र है. साल 2026 की चारधाम यात्रा का आगाज 19 अप्रैल से होने जा रहा है, वहीं बाबा केदार के कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे. हिमालय की गोद में बसे इस धाम की यात्रा और यहां तक पहुंचने की परंपरा सदियों पुरानी है. हर साल की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं. धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दरबार की स्थापना और यहां पहुंचने की परंपरा का सीधा संबंध द्वापर युग और महाभारत के युद्ध से जुड़ा हुआ है.

पांडवों से जुड़ी है केदारनाथ यात्रा की शुरुआत

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत युद्ध के बाद पांडव अपने पापों से मुक्ति पाने के लिए भगवान भगवान शिव की शरण में पहुंचे. लेकिन भगवान शिव उनसे नाराज थे और उनसे मिलने से बचने के लिए वे हिमालय की ओर चले गए. कहते हैं कि शिवजी ने बैल (नंदी) का रूप धारण कर लिया और गुप्तकाशी में छिप गए. जब पांडवों को इसका पता चला, तो उन्होंने शिवजी को पहचान लिया. इसके बाद भगवान शिव भूमि में समाने लगे, तभी भीम ने बैल का पिछला हिस्सा पकड़ लिया. यही स्थान आगे चलकर केदारनाथ के रूप में प्रसिद्ध हुआ, जहां भगवान शिव की पिंड (कुबड़) की पूजा होती है.

पंचकेदार की उत्पत्ति का रहस्य

मान्यता है कि शिव के शरीर के अलग-अलग अंग हिमालय के विभिन्न स्थानों पर प्रकट हुए, जिन्हें आज पंचकेदार कहा जाता है.

केदारनाथ मंदिर (कुबड़)
तुंगनाथ मंदिर (भुजाएं)
रुद्रनाथ मंदिर (मुख)
मध्यमहेश्वर मंदिर (नाभि)
कल्पेश्वर मंदिर (जटा)

इन्हीं स्थानों की यात्रा करने की परंपरा धीरे-धीरे विकसित हुई और आज यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा बन चुकी है.

आदि शंकराचार्य ने दी यात्रा को नई पहचान

इतिहास के अनुसार, 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर का पुनरुद्धार किया और इसे हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थों में स्थापित किया. उन्होंने ही चारधाम यात्रा को संगठित रूप दिया, जिससे यह परंपरा देशभर में प्रसिद्ध हो गई.

अटूट आस्था की परीक्षा है ये यात्रा

पहले के समय में केदारनाथ तक पहुंचना बेहद कठिन था. श्रद्धालु पैदल, जंगलों और पहाड़ों के खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए यहां पहुंचते थे. आज भले ही सुविधाएं बढ़ गई हों, लेकिन अभी भी इस यात्रा में कठिन चढ़ाई और मौसम की चुनौती बनी रहती है. यही कारण है कि इसे तप और भक्ति की परीक्षा भी माना जाता है.

क्यों खास है बाबा केदार का दरबार?

मान्यता है कि केदारनाथ धाम में सच्चे मन से दर्शन करने पर सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है. यही वजह है कि हर साल लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव के इस दिव्य स्वरूप का आशीर्वाद लेते हैं.

क्या आप भी बेड बॉक्स और गद्दे के नीचे रखते हैं ये चीजें? पूरा घर हो जाएगा बर्बाद!

घर के लिए वास्तु शास्त्र को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है. इसमें घर की चीजों को भी बहुत विशेष माना जाता है. इसमें कहा गया है कि व्यक्ति का बेड बॉक्स और गद्दे के नीचे के स्टोरेज का प्रभाव उसके आर्थिक स्थिति पर पड़ता है. बिस्तर के नीचे का स्थान आर्थिक नींव मानी जाती है. कहा जाता है कि अगर यहां भारी, बेकार या गलत वस्तुएं रखी जाती हैं, तो व्यक्ति के घर में धन के आगमन के रास्ते बंद हो सकते हैं.

अगर आपके भी बेड बॉक्स और गद्दे के नीचे भारी, बेकार या गलत वस्तुएं रखी हैं, तो हटा दें वरना पूरा घर बर्बाद हो सकता है. आप कड़ी मेहनत के बाद भी आर्थिक तंगी या बचत न हो पाने की समस्या से परेशान हो सकते हैं.

बेड बॉक्स से तुरंत बाहर करें ये चीजें

- जूते-चप्पल को बेड बॉक्स में नहीं रखना चाहिए. इनको बेड बॉक्स में रखने से घर की कमाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. ये न केवल गंदगी फैलाते हैं, बल्कि घर की आर्थिक ऊर्जा को समाप्त करने लगते हैं.
- फटे और पुराने कपड़ों को बेड बॉक्स या गद्दे के नीचे रखने से मना किया जाता है. ये चीजें अभाव और गरीबी को दर्शाती हैं. इनको बेड बॉक्स या गद्दे के नीचे रखने से घर में समृद्धि नहीं आती.
- बेड बॉक्स या गद्दे के नीचे बिल या टैक्स फाइलें नहीं रखनी चाहिए. ये चीजें हमेशा दीमाग को खर्चे वाले मोड में डालकर रखती हैं. सिर पर कर्ज का बोझ बनाए रखती हैं.
- बेड बॉक्स में किताबें नहीं रखनी चाहिए. किताबों को सक्रिय उर्जा माना जाता है. अगर किताबें बेड बॉक्स में रखी जाती हैं, तो नींद खराब हो सकती है. थकान हो सकती है, जिसके कारण करियर के फैसले गलत हो सकते हैं.
- बेड बॉक्स या गद्दे के नीचे बिजली का सामान और चार्जर नहीं रखना चाहिए. ये चीजें बेड बॉक्स में रखने से फोकस खराब हो सकता है. कमजोर फोकस की वजह से करियर में ग्रोथ कम कम हो सकती है और आर्थिक नुकसान हो सकता है.

किसने खोला था पहली बार अमरनाथ गुफा का रहस्य ? जानिए उस भक्त की कहानी

इस साल अमरनाथ की पावन यात्रा की शुरुआत हो चुकी है. ये यात्रा 03 जुलाई, गरुवार के दिन यानी बीते कल से शुरू हुई. कड़ी सुरक्षा में अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं का पहले जत्था कश्मीर घाटी पहुंचा. जिसमें 4800 से ज्यादा श्रद्धालु थे. अमरनाथ की इस पावन यात्रा का समापन 28 अगस्त होगा. यानी ये यात्रा कुल 57 दिनों तक चलेगी. ये यात्रा सबसे कठिन यात्राओं में गिनी जाती है, लेकिन फिर भी इस यात्रा में शिव भक्तों का जगब का उत्साह देखने को मिलता है. अमरनाथ की गुफा करीब 3978 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है.

इस गुफा का महत्व इसलिए बहुत अधिक है, क्योंकि शास्त्रों में इसको वही स्थान माना गया है, जहां महादेव ने माता पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी. मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक अमरनाथ की यात्रा पूरी करने और बाबा बर्फानी के दर्शन करने से मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं.

धार्मिक ग्रंथों जैसे भृगु संहिता, नीलमत पुराण आदि में भी अमरनाथ यात्रा को बहुत विशेष बताया गया है. मान्यता है कि अमरनाथ यात्रा करने से काशी के दर्शन से दस गुना, प्रयाग के दर्शन से सौ गुना और नैमिषारण्य के दर्शन से हजार गुना ज्यादा पुण्य प्राप्त होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये गुफा पहली बार किसने खोली थी? आइए जानते हैं.

इनको हुए थे सबसे पहले अमरनाथ गुफा के दर्शन : भृगु संहिता में बताया गया है कि इस पावन गुफा के दर्शन सबसे पहले महर्षि भृगु को मिले थे. पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार कश्मीर घाटी पूरी तरह से जल में समा गई थी. उस समय महर्षि कश्यप ने नदियों और नालों के माध्यम से कश्मीर घाटी का पानी बाहर निकाला था. महर्षि भृगु इसी दौरान हिमालय में तपस्या के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश कर थे, तभी उनको अमरनाथ की गुफा नजर आई और उन्होंने बाबा बर्फानी के दर्शन किए. इस तरह से महर्षि भृगु को बाबा का दर्शन करने वाला पहला व्यक्ति माना जाता है.

ये कथा भी है बहुत प्रसिद्ध

लोक मान्यताओं के अनुसार, एक चरवाहे की कथा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसने अमरनाथ गुफा के दर्शन किए थे. चरवाहे का नाम बूटा मलिक था. उसने करीब 15 शताब्दी में सबसे पहले अमरनाथ की गुफा के दर्शन किए थे. कथा के अनुसार, चरवाहे को एक संत ने कोयले से भरा एक थैला दिया था, लेकिन जब वह थैला वापिस करने गया तो उसमें सोने के सिक्के निकले. ये देखकर चरवाहा हैरान रह गया.

इसके बाद चरवाहा संत को तलाशने लगा. तब उसे अमरनाथ की गुफा दिखी, जिसमें बर्फ का शिवलिंग विराजमान था. मान्यता है कि तभी से अमरनाथ की यात्रा की शुरुआत हुई.

अमरनाथ यात्रा : जम्मू से 259 गाड़ियों से रवाना हुए 4822 श्रद्धालु, पहलगाम-बालटाल से करेंगे पवित्र गुफा के लिए प्रस्थान

सूर्यपुत्री तवी किनारे स्थित भगवती नगर में गुरूवार की तड़के बम -बम बोले, हर-हर महादेव, जय-बाबा बर्फानी के जयघोष के साथ पूरा वातावरण शिवमय हो गया। देश विदेश से आए श्रद्धालुओं के बीच अपने अपने वाहनों में पहले सवार होने की होड़ मची थी ताकि शीघ्रताशीघ्र वह यहां से निकलें और श्री अमरेश्वर धाम के प्रमुख आधार शिविर बालटाल/पहलगाम पहुंचे ताकि शुक्रवार की सुबह वहां से आगे जाने में कोई समस्या न हो और पवित्र गुफा में हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शिव के दर्शन करें।

इन अधीर हुए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के महापर्व श्री अमरनाथ जी यात्रा का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हो गया।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 3888 मीटर की ऊंचाई पर वह पवित्र गुफा स्थित है, जहां भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी इसलिए इसे श्री अमरेश्वर धाम पुकारा जाता है। आमजन इसे श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के नाम से भी संबोधित करता है।

हर वर्ष पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा जो रक्षाबंधन के दिन संपन्न होती है , में शामिल हो पवित्र गुफा में हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शिव के दर्शनार्थ आते हैं। इस वर्ष यह तीर्थयात्रा तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। आज जम्मू से पूरे धार्मिक उल्लास, भक्ति और उत्साह के माहौल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए इस पहले जत्थे के साथ ही देश की सबसे प्रतिष्ठित तीर्थयात्राओं में शामिल अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हो गया। श्रद्धालुओं

को रवाना करने से पूर्व उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ध्वजारोहण करते हुए धर्म पताका भी फहराई।

पहले जत्थे में कुल 4,822 श्रद्धालु 259 वाहनों के काफिले के साथ रवाना हुए। इनमें 2,510 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग जबकि 2,312 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा तक पहुंचेंगे। यात्रियों में 3,707 पुरुष, 816 महिलाएं, 16 बच्चे, 246 साधु और 37 साध्वियां शामिल हैं। श्रद्धालुओं के काफिले में 106 बसें, 39 मीडियम मोटर वाहन (एमएमवी), 111 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) तथा तीन दोपहिया वाहन शामिल रहे। अधिकारियों के अनुसार, बालटाल मार्ग का काफिला सुबह 6ः10 बजे और पहलगाम मार्ग का काफिला सुबह 6ः35 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवती नगर से रवाना हुआ।

इस अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा एक ऐसा पवित्र मार्ग है, जहां आस्था का संगम आध्यात्मिक जागरण से होता है। मैं सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुखद, मंगलमय एवं आध्यात्मिक रूप से सफल यात्रा की कामना करता हूं। यह पावन तीर्थयात्रा सभी के जीवन में अपार आनंद और दिव्य शांति लेकर आए।%

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, स्थानीय समुदाय और सभी संबंधित विभागों ने यात्रा को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, आवास, पेयजल, यातायात और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुरुवार को कश्मीर घाटी पहुंचने के बाद श्रद्धालु बालटाल और नुनवन आधार शिविरों में ठहरेंगे, जहां से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा की ओर अपनी यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है और पूरे रूट पर पुलिस, सेना तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों की विशेष निगरानी रहेगी। भगवती नगर में आयोजित ध्वजारोहण एवं रवाना करने के समारोह में आध्यात्मिक गुरु, विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रमुख, जनप्रतिनिधि, नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों तथा श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा परिसर शिवमय हो उठा।

दुनिया का इकलौता मंदिर, जहां नरमुख में विराजमान हैं गणेश भगवान

सनातम धर्म में पूजा की शुरुआत करते समय सबसे पहले भगवान गणेश को याद किया जाता है. वे बाधाओं को दूर करने वाला और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है. हम सभी ने आमतौर पर गणपति को चौड़े मुख और लंबी सूंड के साथ मूर्ति में देखा है, लेकिन देश के एक पवित्र स्थान पर भगवान गणेश भक्तों को बिल्कुल अलग रूप में दर्शन देते हैं. उनकी मूर्ति मानव मुख वाले छोटे बालक के रूप में है, जिसकी वजह से इस मंदिर को एक विशेष पहचान मिलती है इसीलिए भक्त यहां बड़ी श्रद्धा से दर्शन करने आते हैं और इसे आदि विनायक या नरमुख बाल गणपति मंदिर के नाम से जाना जाता है.

नरमुख आदि विनाय क मंदिर कहाहै?

यह दुर्लभ मंदिर तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के पास थिलाथरपणपुरी गांव में स्थित है. यहां के मुक्तेश्वरस्वामी मंदिर में नरमुख आदि विनायक की प्रतिमा स्थापित है. यह मंदिर विश्व में एकमात्र सूंडविहीन गणपति मूर्ति के रूप में जाना जाता है. इस मंदिर में भगवान गणपति मुक्तेश्वर के रूप में विराजमान हैं.

यहां गणपति मानव रूप में क्यों हैं?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी का सिर मिलने से पहले भगवान गणेश मानव रूप में थे. स्थानीय कथा के अनुसार, उनका यही मूल रूप इस मंदिर में विराजमान है इसीलिए उन्हें आदि विनायक भी कहा जाता है. इस मंदिर में भगवान गणेश एक छोटे बालक के रूप में दिखाई देते हैं, जिनका चेहरा शांत और सौम्य है और सूंड नहीं है, जो भक्तों को आश्चर्यचकित कर देता है.

तिल तर्पण पुरी नाम कैसे पड़ा?

इस स्थान से संबंधित स्थलपुराण के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि भगवान राम ने अपने पिता राजा दशरथ को मोक्ष दिलाने के लिए कई पवित्र स्थानों पर पितृकार्य किए, लेकिन उन्हें मनचाही मनोकामना पूरी नहीं हुई. तब भगवान शिव की पूजा की. ऐसा कहा जाता है कि शिव ने उन्हें इस पवित्र स्थान पर तिल से तर्पण करने का सुझाव दिया. ऐसा माना जाता है कि भगवान राम ने यहां के पवित्र सरोवर में स्नान किया और पूर्वजों को तिल अर्पित किए, जिससे दशरथ को मोक्ष प्राप्त हुआ. इस स्थान के अर्थ से ही इसका नाम तिल + तर्पण + पुरी पड़ा.

पूर्वजों के उद्धार के लिए प्रसिद्ध?

भक्तों का मानना है कि इस स्थान पर पूर्वजों को तर्पण करने से पैतृ दोष दूर हो जाते हैं. ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों ने अपने पूर्वजों के लिए उचित श्राद्ध अनुष्ठान किए हैं, उन्हें यहां तर्पण करने से शुभ फल मिले हैं. यही कारण है कि अमावस्या, पितृ पक्ष जैसे अवसरों पर हजारों भक्त इस स्थान पर पहुंचते हैं.

मुक्ति के पवित्र स्थान के रूप में ख्याति प्राप्त : तिल तर्पण पुरी को दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है. स्थानीय परंपराओं के अनुसार, इस क्षेत्र का आध्यात्मिक महत्व काशी, गया और रामेश्वरम जैसे पूर्वजों की पूजा-अर्चना के लिए प्रसिद्ध अन्य स्थानों के समान है.

गणेश जी के दर्शन से मिलता है आशीर्वाद : भक्तों की मान्यता के अनुसार, यदि कोई इस गणपति के दर्शन और पूजा करता है तो उसका शैक्षिक विकास और बुद्धि तेज होती है.

छात्रों में एकाग्रता और मानसिक शक्ति का विकास होता है.पारिवारिक झगड़े समाप्त हो जाते हैं और शांति कायम होती है. साथ ही साथ बाधाएं दूर होती है. ऐसा माना जाता है कि इससे उन्हें धन और सौभाग्य की भी प्राप्ति होती है.

चतुर्थी के लिए विशेष पूजा

इस मंदिर में हर महीने की पूर्णिमा के बाद आने वाली 'संकटहारा चतुर्थी' के दिन विशेष अभिषेक और अर्चनाएं की जाती हैं. स्थानीय भक्तों का मानना है कि उस दिन अगस्त्य महर्षि लघु रूप में प्रकट होते हैं और आदि विनायक की पूजा करते हैं.

मंदिर तक कैसे पहुंचें?

तिल तर्पण पुरी गांव तमिलनाडु के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के पास स्थित है. यह कुथनूर सरस्वती मंदिर से लगभग 3 किमी और थिरुनलार शनि भगवान मंदिर से लगभग 25 किमी दूर है. कुंभकोणम, मयिलादुथुराई और कराईक्कल से सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है.